इंटरनेट पर देखें
www.dainikdawa.com

संस्कारधानी से प्रकाशित मध्यभारत व छत्तीसगढ़ अंचल का सर्वप्रसारित लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र

भारत सरकार व छत्तीसगढ़ शासन से विज्ञापन के लिए अधिकृत

दैनिक प्रातः संस्करण

" यो आत्मानं वेति, सर्वं स वेति"।।

आर.एन.आई.नं. 58841/93
डाक पंजीयन छ.ग./दुर्ग/14/2024-26

दावा

सम्पादक - दीपक कुमार बुद्धदेव

वर्ष- 44 अंक - 237 राजनांदगांव, मंगलवार 15 जुलाई 2025 पृष्ठ - 8 मूल्य - 4.00 रुपए

राजस्व निरीक्षक परीक्षा पर उठे सवाल, मूणत ने राजस्व मंत्री को घेरा, विपक्ष का वॉकआउट

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा में मानसून सत्र के पहले ही दिन राजस्व निरीक्षक की विभागीय परीक्षा में गड़बड़ी का मामला सदन में गूंजा। भाजपा विधायक राजेश मूणत ने पूछा- इस मामले में गृह विभाग से जांच का क्या हुआ? दोषियों पर कार्रवाई कब होगी? कुल कितने परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए?

राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने जवाब में कहा- भर्ती होने से राजस्व विभाग को अमला मिल जाएगा और काम में सहूलियत होगी। पिछली सरकार के दौरान परीक्षा की प्रक्रिया शुरू हुई। लेकिन परीक्षा परिणाम आने के बाद शिकायतें हुईं तो 5 सदस्यीय टीम बनाकर हमने जांच कराई। जांच में परीक्षा में अनियमितता पाई गई है। भाई-भाई भी एक जगह बैठे पाए गए। सामान्य प्रशासन विभाग ने गृह विभाग को जांच के लिए पत्र लिखा, फिर गृह विभाग ने भी पत्र लिखा कि, सम्बंधित विभाग सक्षम है। इस मामले की जांच इओडब्ल्यू को सौंपी गई है, जांच शुरू हो गई है, हम किसी को नहीं बख्शेंगे। वास्तविक दोषी तक पहुंचकर कार्रवाई करेंगे, भारत माला परियोजना में गड़बड़ी की तरह इसकी भी जांच होगी।

अनियमितता पाई गई तो फिर कार्रवाई क्यों नहीं हुई- मूणत

इसके बाद विधायक मूणत ने कहा- मंत्री को विभाग में आये 9 दिन भी नहीं हुआ था और परीक्षा ले ली गई. साली और जीजा, भाई-भाई एक साथ बैठे थे। अनियमितता जांच में पाई गई तो फिर कार्रवाई क्यों नहीं की गई? जबकि वरिष्ठ 5 अधिकारियों की टीम ने जांच की। इस पर कार्रवाई क्यों नहीं की गई?

गड़बड़ी हुई है, लेकिन सबूत की तलाश जारी

विधायक के सवाल पर मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा- जांच कमेटी ने निष्कर्ष में कहा है कि, प्रस्तुत दस्तावेज साक्ष्य की श्रेणी में नहीं आता है। ये जरूर है कि, गड़बड़ी हुई है और जांच कमेटी ने स्वीकार किया है। लेकिन कॉल डिटेल निकालना है, इसमें इओडब्ल्यू जांच कर रही है। इस पर फिर से मूणत ने कहा- मंत्री आधा पढ़ रहे हैं, कहें तो रिपोर्ट सदन की पटल पर रख देता हूं, पिछली सरकार के हैं ये सभी घोटाले, चाहे पीएससी हो या कोई और।

अगले सत्र से पहले हो जाएगी कार्रवाई : मूणत

इस पर फिर से मंत्री वर्मा ने कहा- जो भी दोषी होगा उस पर ठोस कार्रवाई होगी, किसी को बख्शा नहीं जाएगा। तब विधायक मूणत ने कहा- क्या अगले सत्र से पहले दोषियों पर कार्रवाई कर देंगे? मंत्री ने जवाब में कहा, प्रयास रहेगा कि, अगले सत्र से पहले जांच पूरी कर कार्रवाई हो जाए। इसके बाद भाजपा (शेष पृष्ठ 6 पर...)

'50 दिन में यूक्रेन के साथ समझौता नहीं किया, तो टैरिफ लगाकर सजा दूंगा', राष्ट्रपति ट्रंप की रूस को धमकी

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अगर अगले पचास दिनों में यूक्रे युद्ध खत्म करने के लिए कोई समझौता नहीं हुआ, तो वह रूस पर टैरिफ लगाकर सजा देंगे। एसोसिएटेड प्रेस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

ट्रंप ने कहा, अगर 50 दिनों में कोई समझौता नहीं होता है तो हम बहुत कड़े टैरिफ लगाएंगे। उन्होंने नाटो के महासचिव मार्क रूटे के साथ बैठक के दौरान यह बात कही। राष्ट्रपति ट्रंप ने संकेत दिया कि ये टैरिफ 100 फीसदी तक हो सकते हैं। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि किन उत्पादों पर ये टैरिफ लगाए जा सकते हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने चेतावनी दी कि अगर युद्ध खत्म नहीं हुआ तो वह बहुत कड़े टैरिफ लगाएंगे। उन्होंने इन्हें सेकेंडरी टैरिफ बताया। यानी ये टैरिफ रूस के व्यापारिक साझेदार देशों पर लागू होंगे।

वहीं, नाटो महासचिव रूटे ने कहा कि यूरोपीय देश अमेरिका से हथियार खरीदेंगे, ताकि यूक्रेन को युद्ध में मदद दी जा सके। उनका कहना था कि ये हथियार और सैन्य उपकरण रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को शांति वार्ता पर दोबारा विचार करने पर मजबूर कर सकते हैं।

रूटे ने कहा कि यूक्रेन को बड़ी मात्रा में मिसाइलें, वायु रक्षा प्रणाली और गोला-बारूद जैसा सैन्य साजो-सामान मिलेगा। उन्होंने जोर देते हुए कहा, यहां तेजी बेहद जरूरी है। रूटे ने बताया कि जर्मनी, फिनलैंड, कनाडा, नॉर्वे, स्वीडन, ब्रिटेन और डेनमार्क उन देशों में शामिल हैं जो हथियार खरीद कर यूक्रेन को देंगे।

ट्रंप ने भी कहा कि यूपीय सरकारें एक नए समझौते के तहत हथियार और गोला-बारूद यूक्रेन को सौंपेंगी, ताकि वह रूस के खिलाफ अपनी रक्षा कर सके। सोमवार को ओवल ऑफिस में रूटे के साथ बैठक में ट्रंप ने कहा कि इन हथियारों की आपूर्ति के साथ-साथ अगर 50 दिनों के भीतर शांति समझौता नहीं हुआ तो रूस के सभी निर्यात पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की चेतावनी पुतिन के लिए एक सख्त संदेश होगी कि वे इस युद्ध को खत्म करने को लेकर गंभीर हैं।

चंद्राकर ने उठाया बस्तर विवि में 45-46 साल के लोगों की भर्ती का मामला, सीएम साय बोले - जांच करा रहे हैं

रायपुर। आज विधासभा के मानसून सत्र के प्रश्नकाल में भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने मुद्दा उठाया। इस दौरान उन्होंने शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय बस्तर अन्तर्गत सेटअप अनुसार पदों की भर्ती मामले में सवाल किया। वहीं चंद्राकर के सवाल पर सीएम विष्णुदेव ने जवाब देते हुए पदों की स्वीकृति संख्या के बारे में जानकारी दी।

विधायक अजय चंद्राकर ने पूछा- शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय बस्तर अन्तर्गत सेटअप अनुसार भर्ती के लिए क्या आरक्षण रोस्टर का पालन किया गया। भर्ती के सम्बन्ध में शिकायत प्राप्त हुई यदि हां, तो कब और क्या कार्यवाही हुई। जिस पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जवाब देते हुए बताया। - विश्वविद्यालय में 59 शैक्षणिक पदों पर प्राध्यापक - 10, सह प्राध्यापक - 19, सहायक प्राध्यापक - 30 पदों पर हैं। 10 में से 8 विभागों में नियुक्ति प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है।

सीएम साय ने चंद्राकर को दिया जवाब

अजय चंद्राकर ने कहा - इस भर्ती में मनमानी की गई है 46, 44, 42, 48 साल के व्यक्ति को सलेक्ट किया गया। जबकि 40 के ऊपर के व्यक्ति की भर्ती नहीं की जा सकती। इसकी पूरी जांच करवाने की घोषणा कर दे। मुख्यमंत्री साय (शेष पृष्ठ 6 पर...)

मतदाता सूची से हटाए जाएंगे 35 लाख नाम, ईसी का बड़ा फैसला

नई दिल्ली। बिहार में मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने के लिए चलाए जा रहे विशेष सघन पुनरीक्षण अभियान के बीच चुनाव आयोग ने सोमवार को एक और बड़ा दावा किया है और कहा कि राज्य के करीब 17.38 लाख मतदाता स्थाई रूप से दूसरी जगहों पर स्थानांतरित हो गए है, जिनकी संख्या राज्य के कुल मौजूदा 7.90 करोड़ मतदाताओं का 2.2 प्रतिशत है।

वहीं, मतदाता सूची में मौजूद करीब 12.56 लाख (1.59 प्रतिशत) मतदाताओं के मृत और करीब 5.76 लाख (0.73 प्रतिशत) मतदाताओं के नाम दो जगह से दर्ज पाए गए है। इन सभी के नाम अब एक अगस्त को प्रकाशित होने वाली मतदाताओं की प्रारूप सूची में दर्ज नहीं होंगे।

88 प्रतिशत मतदाताओं के गणना का काम पूरा

चुनाव आयोग ने जारी किए गए अपने एक बयान में बताया है कि सोमवार शाम तक राज्य के कुल 7.90 करोड़ मतदाताओं में से 6.60 करोड़ मतदाताओं ने अपने गणना फार्म जमा कर दिए है, जो कुल मतदाताओं का करीब 83.66 प्रतिशत है। ऐसे में राज्य से स्थानांतरित हो चुके, मृत हो चुके और दो जगहों से नाम दर्ज कराने वाले मतदाताओं को जोड़ दें अब तक करीब 88.18 प्रतिशत मतदाताओं के गणना का काम पूरा हो चुका है।

गणना फार्म जमा के लिए अभी बाकी हैं 11 दिन

अब सिर्फ 11.82 प्रतिशत मतदाताओं के गणना फार्म आना बाकी है। वहीं, मतदाता सूची के पुनरीक्षण अभियान के तहत गणना फार्म जमा करने की अंतिम तारीख में अभी 11 दिन का समय बाकी है। आयोग की ओर से घोषित किए गए पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत मतदाता 25 जुलाई तक वह अपने गणना फार्म जमा करा सकते है।

आयोग के मुताबिक इस बीच शहरी क्षेत्रों के प्रत्येक मतदाताओं तक पहुंचने के लिए बचे 11 दिनों में एक अभियान भी चलाया जाएगा। इन दौरान सभी 261 नगरीय निकायों के 5683 वार्डों में विशेष कैंप लगाए जाएंगे। आयोग का लक्ष्य है कि कोई भी पात्र मतदाता गणना फार्म जमा करने से छूटे नहीं है।

इन लोगों का नाम वोटर लिस्ट से कट जाएगा

आयोग के मुताबिक शिफ्ट हो गए मतदाताओं के साथ मृत मतदाताओं व दो जगह से नाम दर्ज कराने वाले मतदाताओं के नाम अब एक अगस्त को प्रकाशित होने वाली मतदाता प्रारूप सूची से हटा दिया जाएगा। इस बीच करीब 5.74 करोड़ मतदाताओं के भरे हुए गणना फार्म ऑनलाइन अपलोड भी कर दिया गया है।

गौरतलब है कि बिहार में मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण में करीब एक लाख बूथ लेवल आफीसर (बीएलओ) लगाए गए है। जबकि इस अभियान को बाहर से राजनीतिक दलों से जुड़े 1.50 लाख बूथ लेवल एजेंट सहयोग दे रहे है।

इंद्रायणी नदी पर बना पुल गिरने से दो लोगों की मौत, 32 लोग घायल

पूणे। महाराष्ट्र में पुणे के मावल तहसील में रविवार दोपहर को इंद्रायणी नदी पर बना 32 साल पुराना लोहे का पैदल पुल ढह गया। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई और कई अन्य गंभीर रूप से घायल बताए गए। पुल को पहले से ही असुरक्षित घोषित कर दिया गया था। प्रथम दृष्टया हादसे की वजह पर्यटकों की भीड़ को बताया गया। उन्होंने मौके पर लगे चेतावनी बोर्ड को नजरअंदाज किया। इस वजह से पुल पर भीड़ बढ़ी और वह धराशायी हो गया। पुलिस ने सोमवार को पुणे जिले में इंद्रायणी नदी पर एक लोहे के पुल के ढहने के स्थान पर तलाशी अभियान जारी रखा।

हालांकि, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) ने अपना अभियान बंद कर दिया है। एनडीआरएफ के एक अधिकारी ने कहा कि चूंकि जिला प्रशासन के निर्देशों के अनुसार सभी लापता लोगों का पता लगा लिया गया है, इसलिए तलाशी अभियान बंद कर दिया गया है।घटना में घायल हुए लोगों में से एक ने बताया कि पुल पर बहुत भीड़ थी। दोनों तरफ से आने वाले वाहनों के कारण सड़क जाम हो गई थी। भीड़ एक जगह पर इकट्ठी हो गई और पुल गिर गया। पुल के बीच में खड़े लोग बह गए। हम पत्थरों पर गिर गए और घायल हो गए। घायल हुए लोगों में से एक सुनील कुमार ने बताया, 'जब मैं पुल पर था, (शेष पृष्ठ 6 पर...)

कोरोना-काल में बंद 13 ट्रेनें आज से फिर दौड़ेंगी: सांसदों की मीटिंग के बाद रेलवे का फैसला

रायपुर (दावा)। छत्तीसगढ़ में 15 जुलाई से मेमू और डेमू लोकल ट्रेनों का संचालन फिर से शुरू होगा। कुल 13 ट्रेनें चरणबद्ध तरीके से चलेंगी। सांसद संतोष पांडेय की पहल पर यह फैसला लिया गया है, जिससे हजारों दैनिक यात्रियों, विद्यार्थियों और कर्मचारियों को राहत मिलेगी और सस्ती यात्रा का विकल्प मिलेगा।

आज से इस रूट पर फिर दौड़ेंगी लोकल मेमू-डेमू ट्रेनें, दैनिक यात्रियों को मिलेगी राहत

छत्तीसगढ़ और पड़ोसी राज्यों के हजारों दैनिक यात्रियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। कोरोना महामारी के दौरान बंद की गई लोकल मेमू और डेमू ट्रेनों का संचालन 15 जुलाई 2025 से एक बार फिर से शुरू किया जा रहा है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा इन ट्रेनों को चरणबद्ध तरीके से फिर से शुरू करने का निर्णय लिया गया है। इससे दुर्ग, राजनांदगांव, गोंदिया, कटंगी, रायपुर, डोंगरगढ़ और बालाघाट जैसे छोटे-बड़े स्टेशनों पर यात्रा करने वालों को राहत मिलेगी।

सांसद संतोष पांडेय की पहल लाई रंग

इस फैसले को लेकर सांसद संतोष पांडेय ने कहा कि कोरोना के बाद इन लोकल ट्रेनों के बंद होने से यात्रियों, खासकर विद्यार्थियों, कर्मचारियों और मजदूर वर्ग को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। उन्होंने बताया कि उन्होंने इस विषय को लेकर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से कई बार चर्चा की और जून 2025 की मंडल स्तरीय बैठक में भी इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया था। रेलवे प्रशासन के अनुसार, 15 जुलाई से गोंदिया-कटंगी, रायपुर-डोंगरगढ़, रायपुर-गेवरा रोड, तुंमसर (शेष पृष्ठ 6 पर...)

एनएचएआई ने नेशनल हाईवे पर 4,777 ब्लैक स्पॉट पैच को किया दुरुस्त

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने पूरे भारत में नेशनल हाईवे (राष्ट्रीय राजमार्गों) पर कुल 13,795 ब्लैक स्पॉट की पहचान की है। इन ब्लैक स्पॉट में से, देश भर में 9,525 ब्लैक स्पॉट पर अल्पकालिक सुधार उपाय पूरे किए गए हैं। जबकि 4,777 ब्लैक स्पॉट पैच को स्थायी रूप से ठीक किया गया है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने लोकसभा में एक लिखित जवाब में यह जानकारी दी है।

गडकरी ने आगे बताया कि कर्नाटक से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों पर सबसे ज्यादा 1,217 ब्लैक स्पॉट हैं। जिसके बाद आंध्र प्रदेश और तेलंगाना का नंबर आता है। आंध्र प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों पर कुल 1,202 ब्लैक स्पॉट की पहचान की गई है। जबकि तेलंगाना में यह संख्या 1,121 है।

मंत्री ने आगे कहा कि सरकार ने इन ब्लैक स्पॉट पर तत्काल अल्पकालिक सुधार उपायों के लिए कदम उठाए हैं। जिसमें रोड मार्किंग (सड़क चिह्नों), साइनेज, क्रैश बैरियर, रोड स्टड, डेलिनेटर की स्थापना, अनधिकृत खुले मीडियन को बंद करना, ट्रैफिक को शांत करने के उपाय आदि शामिल हैं। उन्होंने यह भी कहा कि साइट जांच के अनुसार ऐसे ब्लैक स्पॉट पर सड़क ज्यामितीय सुधार, जंक्शन सुधार, कैरिजवे का स्पॉट चौड़ा करना, अंडरपास और ओवरपास का निर्माण आदि जैसे दीर्घकालिक सुधार उपाय भी किए गए हैं। गडकरी ने कहा कि ये कदम स्थायी सुधार उपायों के रूप में उठाए गए हैं। इससे पहले, दिसंबर 2023 में मंत्री ने लोकसभा को सूचित किया था कि देश के राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क में तमिलनाडु में सबसे ज्यादा 748 ब्लैक स्पॉट हैं। उन्होंने तब कहा था कि सरकार ने देश में पूरे राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क में कुल 5,803 ब्लैक स्पॉट की पहचान की है। जिसमें तमिलनाडु के बाद पश्चिम बंगाल और तेलंगाना में क्रमशः 701 और 485 ब्लैक स्पॉट हैं।

राष्ट्रीय राजमार्गों पर ब्लैक स्पॉट क्या है?

राष्ट्रीय राजमार्गों पर कुछ स्थानों को निश्चित संख्या में दुर्घटनाओं के आधार पर ब्लैक स्पॉट के रूप में पहचाना जाता है, जिसमें मौतें और गंभीर चोटें शामिल हैं। ब्लैक स्पॉट राष्ट्रीय राजमार्गों पर वे स्थान माने जाते हैं, जो लगभग 500 मीटर का क्षेत्र है। जहां पिछले तीन वर्षों के दौरान और कम से कम पांच सड़क दुर्घटनाएं हुई हैं, जिसकी वजह से 10 मौतें हुई हैं। (शेष पृष्ठ 6 पर...)

भड़काऊ भाषण और नफरती कंटेंट पर लगाम लगाएं... सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्य को दिया निर्देश

नई दिल्ली। देश की सर्वोच्च अदालत सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर से नफरती भाषण और कंटेंट पर नाराजगी जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकार को इसे लेकर निर्देश जारी किया है और कहा है कि नफरती भाषण और कंटेंट पर लगाम लगाने के लिए एक्शन लीजिए। हालांकि, इस दौरान शीर्ष अदालत ने फ्रीडम ऑफ स्पीच का भी ध्यान रखने को कहा।

न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति के.वी. विश्वनाथन ने कहा कि लोगों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मूल्य के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए, क्योंकि कोई नहीं चाहता कि राज्य इसे विनियमित करने के लिए कदम उठाए। पीठ ने कहा कि लोगों को ऐसा भाषण अप्रिय और अनुचित क्यों नहीं लग रहा?

नफरती कंटेंट पर लगाम लगाना जरूरी

दोनों जजों ने आगे कहा कि कंटेंट और सब्जेक्ट का का कुछ नियमन होना चाहिए और नागरिकों को ऐसे घृणास्पद भाषणों को साझा करने और पसंद करने से खुद को रोकना चाहिए। शीर्ष अदालत ने राज्यों, केंद्र और वजाहत खान की ओर से पेश हुए वकील से सुझाव देने को कहा कि वे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को नुकसान पहुंचाए बिना घृणास्पद भाषणों को कैसे नियंत्रित किया जा सके। पीठ ने कहा कि लोगों को ऐसा भाषण अप्रिय और अनुचित क्यों नहीं लग रहा? कंटेंट के लिए कुछ नियम होना चाहिए और नागरिकों को ऐसे अभद्र भाषा वाले भाषणों को शेयर और लाइक करने से खुद को रोकना चाहिए। शीर्ष अदालत ने राज्यों, केंद्र और वजाहत खान की ओर से पेश हुए वकील से सुझाव देने को कहा कि वे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को नुकसान पहुंचाए बिना अभद्र भाषा को कैसे नियंत्रित किया जा सके, इसपर विचार करें।

क्या है वजाहत खान का मामला?

वजाहत खान के खिलाफ सोशल मीडिया पर कथित तौर पर नफरत और सांप्रदायिक विद्वेष भड़काने वाली सामग्री (शेष पृष्ठ 6 पर...)

छग में खाद की कोई कमी नहीं : डीएपी की कमी को पूरा करने एनपीके, एसएसपी और नैनो डीएपी का स्टॉक मौजूद

रायपुर। प्रदेश में रासायनिक उर्वरको कोई कमी नहीं हैं। खरीफ सीजन 2025 के लिए सभी प्रकार के रासायनिक उर्वरक सहकारी समितियों एवं नीजि विक्रय केंद्रों में पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। वैश्विक परिस्थिति के चलते डीएपी खाद के आयात में कमी को देखते हुए प्रदेश सरकार द्वारा इसके विकल्प के रूप में अन्य रासायनिक उर्वरकों की भरपूर आपूर्ति एवं वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

राज्य में डीएपी की आपूर्ति में कमी से किसानों को किसी भी तरह की दिक्कत न हो इसको ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार द्वारा इसके विकल्प के रूप में 179000 बॉटल नैनो डीएपी, एनपीके उर्वरक का लक्ष्य से 25 हजार मेट्रिक टन अधिक तथा एसएसपी का निर्धारित लक्ष्य से 50 हजार मेट्रिक टन का अतिरिक्त भंडारण किया गया है। पोटाश के निर्धारित लक्ष्य 60 हजार मेट्रिक टन के विरूद्ध अब तक 77 हजार मेट्रिक टन से अधिक म्यूरेट ऑफ पोटाश का भंडारण किया गया है। नैनो डीएपी जो कि ठोस डीएपी के विकल्प के रूप में बीज/थरहा, जड़ उपचार एवं बोआई/रोपाई के पश्चात खड़ी फसल में छिड़काव के लिए उपयोगी है। नैनो डीएपी की निरंतर आपूर्ति राज्य में सरकार द्वारा सुनिश्चित की गई है।

किसानों को परेशान होने की जरूरत नहीं- सीएम साय

सीएम विष्णुदेव साय ने कहा है कि डीएपी खाद की कमी को लेकर किसानों को परेशान होने की जरूरत नहीं है। इसके विकल्प के रूप में छत्तीसग? सरकार द्वारा अन्य रासायनिक उर्वरक जैसे- नैनो डीएपी, एनपीके और एसएसपी की भरपूर व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। इंदिरा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों और कृषि विभाग के अधिकारियों के सुझाव के अनुरूप किसान डीएपी के बदले उक्त उर्वरकों का प्रयोग कर बेहतर उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं। सोसायटियों से किसानों (शेष पृष्ठ 6 पर...)

निजी छात्रावास से देर रात भागे तीन लड़के, छात्रावास में मचा हड़कंप

राजनांदगांव (दावा)। तुमड़ीबोड़ पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम राजा भानपुरी में स्थित एक निजी छात्रावास से रविवार देर रात तीन लड़के भाग निकले, जिससे छात्रावास में हड़कंप मच गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार राजा भानपुरी छात्रावास से भागे इन तीन लड़कों में से दो मोहला-मानपुर क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं, जबकि एक लड़का पास के गांव मचानपार का है। रविवार की देर रात लगभग 12:30 बजे भागे ये तीनों लड़के तुमड़ीबोड़ गुरुद्वारे के पास एक ढाबे पर पहुंचे। इतनी रात को इन लड़कों को देखकर ढाबा के मालिक ने अपने एक कर्मचारी के माध्यम से उन्हें तुमड़ीबोड़ पुलिस चौकी पहुंचाया। रातभर तीनों लड़के चौकी में ही रहे।

ढाबे वाले ने पहुंचाया पुलिस चौकी

तुमड़ीबोड़ चौकी प्रभारी दिलीप पटेल ने बताया कि जैसे ही छात्रावास अधीक्षक को लड़कों के चौकी में होने की सूचना मिली है। वे तुरंत वहां पहुंचे और चौकी प्रभारी को पूरी घटना की जानकारी दी। इसके बाद तीनों लड़कों को वापस राजा भानपुरी छात्रावास ले जाया गया। चौकी प्रभारी श्री पटेल ने बताया कि छात्रावास अधीक्षक गुप्ता ने बताया कि ये तीनों लड़के कक्षा 6 के छात्र हैं और कुछ दिन पहले ही छात्रावास में भर्ती हुए थे। वे वहां रहना नहीं चाहते थे और इस बारे में उन्होंने अपने घरवालों को फोन पर बता भी दिया था। जब उनके घरवाले उन्हें लेने नहीं आए तो तीनों लड़के देर रात भाग निकले। यह तो गनीमत रही कि गुरुद्वारे के पास ढाबे वाले की नजर उन पर पड़ गई। वरना देर रात उन बच्चों के साथ कुछ भी हो सकता था। श्री पटेल ने बताया कि फिलहाल बच्चों को छात्रावास अधीक्षक श्री गुप्ता को सौंप दिया गया है। वे इन लड़कों के अभिभावकों को घटना की जानकारी देंगे, ताकि वे अपने लड़कों के छात्रावास में रहने या न रहने के संबंध में निर्णय ले सकें।

कमला कॉलेज की छात्राओं ने राष्ट्रीय ड्रिबलिंग बॉल प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ को दिलाया गौरव

राजनांदगांव (दावा)। शासकीय कमलादेवी राठी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव की दो होनहार छात्राओं ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया है। बी.कॉम द्वितीय सेमेस्टर की छात्राएं कु. कंचन वर्मा और कु. तारिणी साहू ने 13 से 15 जून तक नासिक (महाराष्ट्र) में आयोजित प्रथम राष्ट्रीय ड्रिबलिंग बॉल प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ टीम का प्रतिनिधित्व किया और बेहतरीन प्रदर्शन किया। दोनों छात्राओं के शानदार खेल की बदौलत छत्तीसगढ़ की टीम इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की विजेता बनी। उनकी इस उपलब्धि ने महाविद्यालय के साथ-साथ पूरे राजनांदगांव जिले को गौरवान्वित किया है।

टीम की मुख्य प्रशिक्षक हिना खान (भिलाई) रहीं, जबकि महाविद्यालय की खेल शिक्षिका श्रीमती सीरिन खान के मार्गदर्शन में छात्राओं ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया। यह उल्लेखनीय है कि खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ-साथ दोनों छात्राएं एनसीसी ए सर्टिफिकेट धारक भी हैं, जो उनकी बहुआयामी प्रतिभा को दर्शाता है। छात्राओं की इस शानदार सफलता पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आलोक मिश्रा, प्राध्यापक डॉ. एचके गरचा, क्रीड़ा अधिकारी डॉ. नीता एस. नायर, एनसीसी अधिकारी श्रीमती तारा ठाकुर और सहायक प्राध्यापक डॉ. युगेश्वरी साहू ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। महाविद्यालय परिवार को छात्राओं की इस उपलब्धि पर गर्व है और उन्होंने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

कांवड़ियों के लिए मोहारा घाट में हो मूलभूत व्यवस्था : ऋषि शास्त्री

राजनांदगांव (दावा)। सावन मास में भगवान शिव के भक्तों, खासकर कांवड़ियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो इसके लिए मोहरा घाट में मूलभूत व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने की मांग उठी है। पूर्व पार्षद दल के प्रवक्ता ऋषि शास्त्री ने प्रशासन से सुरक्षा, बिजली, शौचालय और सफाई की तत्काल व्यवस्था करने की अपील की है।

सुरक्षा, बिजली, शौचालय और सफाई मुहैया कराने की अति-आवश्यकता-पूर्व पार्षद दल प्रवक्ता

शास्त्री ने बताया कि सावन मास में हजारों की संख्या में श्रद्धालु जिनमें महिलाएं और पुरुष कांवड़िए शामिल हैं। रोजाना सुबह शिवनाथ नदी स्थित मोहरा घाट पर स्नान कर जल लेने पहुंचते हैं। बारिश के कारण नदी का जलस्तर बढ़ा हुआ है, ऐसे में सुरक्षा के लिए मार्किंग रोप लगाए जाने की सख्त जरूरत है। इससे गहरे पानी का संकेत मिलेगा और किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सकेगा। साथ ही श्रद्धालुओं को स्नान करने में सुविधा भी होगी। उन्होंने यह भी बताया कि सुबह के समय जब श्रद्धालु बड़ी संख्या में घाट पहुंचते हैं, तो वहां काफी अंधेरा रहता है। ऐसे में पर्याप्त उजाले के लिए बड़ी मात्रा में लाइट लगाने की आवश्यकता है, ताकि भक्तों को किसी तरह की असुविधा न हो।

ऋषि शास्त्री ने इस बात पर जोर दिया कि हर वर्ष की तरह इस साल भी शहर और ग्रामीण क्षेत्रों से कांवड़ियों की टोलियां बड़ी संख्या में जल लेने मोहरा घाट पहुंच रही हैं। इसलिए वहां मोबाइल शौचालय की व्यवस्था होनी चाहिए और सफाई व्यवस्था को भी दुरुस्त किया जाना चाहिए, ताकि भक्तों को कोई परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि नगरवासी सावन मास को एक पर्व की तरह मनाते हैं, इसलिए सभी आवश्यक विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों को इस संबंध में जिम्मेदारी सौंपी जानी चाहिए।

जिले में एमएसएमई के लिए वैकल्पिक वित्तपोषण पर कार्यशाला आयोजित

राजनांदगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों एमएसएमई को पारंपरिक बैंकिंग साधनों से आगे बढ़कर वैकल्पिक वित्तीय स्त्रोतों से सहायता प्राप्त करने हेतु प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से रेजिंग एंड एक्सेलरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस योजना के अंतर्गत वैकल्पिक वित्तपोषण पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र राजनांदगांव के महाप्रबंधक द्वारा की गई। रैंप योजना भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय तथा विश्व बैंक द्वारा संयुक्त रूप से वित्तपोषित है। जिसका उद्देश्य एमएसएमई क्षेत्र को सशक्त बनाना, वित्तीय पहुंच को आसान करना तथा उन्हें प्रतिस्पर्धी एवं सतत विकास की दिशा में आगे बढ़ाना है। कार्यशाला की शुरूआत में रैंप योजना की संक्षिप्त जानकारी प्रतिभागियों को दी गई। इसके पश्चात उप प्रबंधक एनएसई उर्मिलेश द्वारा एनएसई इमर्ज में सूचीकरण की प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज, पात्रता मानदंड और इससे मिलने वाले लाभों पर प्रस्तुति दी गई।

ब्रांच ऑफिस इन चार्ज एसआईडीबीआई रायपुर अमित खरे ने सिडबी के माध्यम से एमएसएमई को उपलब्ध विभिन्न वित्तीय सहायता योजनाओं की विस्तृत जानकारी साझा की।

निगम सीमा क्षेत्र के पेंशन हितग्राहियों का आधार आधारित भौतिक सत्यापन शुरू

राजनांदगांव (दावा)। सामाजिक सहायता कार्येक्रम के अंतर्गत संचालित विभिन्न पेंशन योजनाओं के हितग्राहियों का वार्षिक सत्यापन अब नए तरीके से किया जा रहा है। पहले यह कार्य मैन्युअल रूप से होता था, लेकिन भारत सरकार के निर्देशानुसार अब आधार आधारित मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से सत्यापन किया जा रहा है। यह सत्यापन कार्य नगर निगम सभागृह में एक विशेष शिविर लगाकर किया जा रहा है।

मोबाइल एप से होगा सत्यापन

निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा ने सत्यापन के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि भारत सरकार के ग्रामीण विकास विभाग द्वारा केंद्रीय पेंशन योजनाओं में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय दिव्यांगजन पेंशन योजना के हितग्राहियों के वार्षिक सत्यापन के लिए इस वर्ष बेनीफिसरी सत्यापन एप' तैयार किया गया है। यह एप एंड्रॉइड मोबाइल के माध्यम से संचालित किया जा रहा है। इस नई प्रणाली के तहत सत्यापन के लिए नगर निगम सभागृह में शिविर लगाया गया है। आयुक्त ने पेंशन प्राप्त करने वाले सभी हितग्राहियों से अपील की है कि वे अपने आधार कार्ड और मोबाइल फोन के साथ कार्यालयीन समय में उपस्थित होकर अपना सत्यापन करा लें। ऐसा करने से उन्हें पेंशन योजना का लाभ लगातार मिलता रहेगा।

निर्माणाधीन भवन से चोरी करने वाला और चोरी का सामान खरीदने वाला आरोपी गिरफ्तार

चिखली पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी का पूरे सामान किए बरामद

राजनांदगांव (दावा)। चिखली चौकी पुलिस ने अपने क्षेत्र में एक निर्माणाधीन सामुदायिक भवन से सामान चोरी करने वाले आरोपी के साथ ही चोरी का माल खरीदने वाले दो अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों के कब्जे से चोरी का पूरा सामान बरामद कर लिया है।

चिखली चौकी प्रभारी अरुण कुमार नामदेव ने बताया कि 11 जुलाई को एक ठेकेदार ने शिकायत दर्ज कराई कि उन्होंने ग्राम अचानकपुर में सामुदायिक भवन निर्माण का ठेका लिया है। निर्माण में उपयोग आने वाले सामानों को निर्माणाधीन भवन के बगल में स्थित पुराने सामुदायिक भवन में रखा गया था। 5 जुलाई को मजदूरों के छुट्टी पर जाने और उसके बाद बारिश व त्योहार के कारण काम बंद रहा। 11 जुलाई को जब सामुदायिक भवन के स्टोर रूम को देखा गया, तो पाया गया कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने एक मगरमच्छ पंप (कीमत 10,000 रूपए), 50 फीट केबल वायर (कीमत 1,500 रूपए), दो स्विच बोर्ड (कीमत 100 रूपए), एक कटर (कीमत 2,400 रूपए) और 5 किलो सेटरिंग तार (कीमत 500 रूपए), कुल मिलाकर 15,900 रूपए का सामान चोरी कर लिया था। इस रिपोर्ट पर धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई।

श्री नामदेव ने बताया कि क्षेत्र में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा के मार्गदर्शन और नगर पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र नायक के पर्यवेक्षण में चिखली चौकी स्टाफ ने एक टीम गठित की। टीम ने अज्ञात चोर और चोरी किए गए सामान का पता लगाने के लिए गवाहों और मजदूरों से पूछताछ की। पूछताछ के दौरान दुष्यंत नेताम पर संदेह हुआ। जब उससे कड़ाई से पूछताछ की गई तो दुष्यंत नेताम (उम्र 24 साल निवासी ग्राम अचानकपुर) ने चोरी करना स्वीकार कर लिया। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने एक सबमर्सिबल पंप (कीमत 10,000 रूपए) और 50 फीट केबल वायर (कीमत 1,500 रूपए) उसके घर से बरामद किया। आरोपी ने बताया कि उसने स्विच बोर्ड तोड़कर गांव के तालाब में फेंक दिए थे। उसने कटर मशीन भोज कुमार साहू को और सेटरिंग तार विष्णु देवांगन को बेचे थे। इस सूचना पर भोज कुमार साहू (उम्र 53 साल, निवासी ग्राम परमालकसा, ओपी चिखली) और भेड़ीकला हार्डवेयर दुकान मालिक विष्णु कुमार देवांगन (उम्र 56 साल, निवासी ग्राम भेड़ीकला) को चिखली चौकी बुलाया गया। दोनों ने चोरी का सामान खरीदना स्वीकार किया। भोज कुमार साहू से कटर मशीन (कीमत 2,400 रूपए) और विष्णु देवांगन से 5 किलो सेटरिंग तार (कीमत 500 रूपए) बरामद किए गए। तीनों आरोपी दुष्यंत नेताम, भोज कुमार साहू और विष्णु देवांगन के खिलाफ धारा 317 बीएनएस के तहत कानूनी कार्रवाई की गई। मुख्य आरोपी दुष्यंत नेताम को न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाने कोसरिया यादव समाज की बैठक संपन्न

राजनांदगांव (दावा)। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव को धूमधाम से मनाने के लिए नगर कोसरिया यादव समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक बीते रविवार, 13 जुलाई को बसंतपुर भवन में संपन्न हुई।

समाज के संगठन प्रभारी भोला यादव ने बताया कि बैठक की शुरुआत इष्टदेव भगवान श्रीकृष्ण जी की पूजा-अर्चना के साथ हुई। इसमें पधारे सभी अतिथियों, पदाधिकारियों और सदस्यों का गुलाल लगाकर स्वागत किया गया। वरिष्ठ पदाधिकारियों, सदस्यों और महिला पदाधिकारियों ने आयोजन के संबंध में अपने विचार रखे। सभी ने सर्वसम्मति से इस वर्ष भी श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव को पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाने का निर्णय लिया। निर्णय के अनुसार 16 अगस्त दिन शनिवार को दोपहर 1 बजे से महारानी लक्ष्मीबाई स्कूल के पास से भगवान श्रीकृष्ण की भव्य शोभा यात्रा एवं झांकी निकाली जाएगी।

इस बैठक में प्रमुख रूप से नगर अध्यक्ष सूरज यादव, महिला नगर अध्यक्ष सुश्री मधु यादव, सचिव धरम यादव, कोषाध्यक्ष विजय यादव, जिलाध्यक्ष मन्ना यादव, जिला महिला अध्यक्ष शीला यादव सहित महिला मंडल से मंजू यादव, केशर यादव, संतोषी यादव, हिरौदिन यादव, सुनीता यादव, कामिनी यादव, रागिनी यादव, कांता यादव, रजनी यादव, निर्मला यादव, बुधिया यादव, फिरन्तीन यादव, शोभा यादव, रूमखणी यादव, सुनीता यादव, पुष्पा यादव, सुशीला यादव, भारतीय यादव और पुरुष सदस्यों में नारायण यादव, पूनाराम यादव, शेखर यादव, मन्नु यादव, बलीराम यादव, राजेश यादव, दुष्यंत यादव, दिलीप यादव, भूपेन्द्र यादव, सुखराम यादव, वासुदेव यादव, कवि लाल यादव, मुकेश यादव, मानसिंग यादव, रोहित यादव, बसंत यादव, राकेश यादव, आनंद यादव, भूषण यादव, अर्जुन यादव सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

राजनांदगांव के उभरते सितारे : हर्ष उईके ने झटके 60 विकेट, हित देवांगन ने जड़े 2 शतक

राजनांदगांव (दावा)। राजनांदगांव के दो युवा और प्रतिभाशाली क्रिकेट खिलाड़ी, हर्ष उईके और हित देवांगन, अपनी शानदार परफॉर्मेंस से शहर का नाम रोशन कर रहे हैं। आर.सी.ए. (राजनांदगांव क्रिकेट एकेडमी) में प्रशिक्षण ले रहे इन दोनों खिलाड़ियों ने बीते एक साल में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। हर्ष उईके एक मध्यम गति के गेंदबाज ने विभिन्न टीमों के खिलाफ खेलते हुए कुल 60 विकेट अपने नाम किए हैं। पिछले साल की शालेय प्रतियोगिता में दुर्ग संभाग की टीम का हिस्सा रहते हुए उन्होंने 12 विकेट हासिल किए थे। इसके अलावा, अंबिकापुर प्रतियोगिता में भी उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया और नायडू क्रिकेट भिलाई में 3 विकेट झटके। हर्ष को उनके कोच द्वारा यॉर्कर, स्लोवर और बाउंसर जैसी तेज गेंदबाजी की बारीकियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। वह साल भर सुबह-शाम कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

वहीं हित देवांगन ने अपनी बल्लेबाजी से सभी को प्रभावित किया है। वह 20 किलोमीटर दूर से प्रतिदिन कमला कॉलेज मैदान में बीसीसीआई लेवल-1 कोर्स प्राप्त कोच संदीप शुक्ले के मार्गदर्शन में अभ्यास करने आते हैं। हित ने पिछले एक साल में दो शतक और तीन अर्धशतक लगाए हैं। इनमें नायडू भिलाई में एक अर्धशतक और अन्य टीमों के खिलाफ दो शतक शामिल हैं। आर.सी.ए. परिवार ने इन दोनों खिलाड़ियों को उनकी शानदार उपलब्धियों के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। इस अवसर पर एकेडमी के कोषाध्यक्ष अनन्य देवांगन, महेश साहू, रणजी और आईपीएल खिलाड़ी अजय मंडल, विनोद भावे, अंतु करांडे, अमलाडीह की पूर्व महिला खिलाड़ी शोभा चोपड़ा और सहायक कोच जोई थॉमस उपस्थित थे। यह जानकारी आर.सी.ए. के हेड कोच संदीप शुक्ले ने दी।

सुरगी में जन औषधि केंद्र का भव्य शुभारंभ

राजनांदगांव (दावा)। राजनांदगांव जिले के आदर्श ग्राम सुरगी स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में आज प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केंद्र का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जन औषधि केंद्र का उद्घाटन राजनांदगांव जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रतिमा पप्पू चंद्राकर ने किया। जिससे ग्रामीणों को सस्ती और सुलभ दवाएं मिल सकेंगी।

कार्यक्रम से पहले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की जीवनदीप समिति की साधारण सभा की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में अस्पताल में सुधार कार्यों को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इनमें सीसीटीवी कैमरा, पार्किंग शेड, गार्डन के लिए बाउंड्री वॉल और अन्य आवश्यक कार्यों की स्वीकृति पर सहमति बनी। ये सुधार कार्य अस्पताल की सुविधाओं को बढ़ाने और मरीजों के लिए बेहतर वातावरण बनाने में सहायक होंगे। जन औषधि केंद्र के शुभारंभ समारोह में कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे, जिनमें पूर्व जिला पंचायत सदस्य मधु सुकृत साहू, डॉ. एन.के. टंडन, प्रभारी चिकित्सक श्रीमती श्वेता बंसोड, जिला भाजपा उपाध्यक्ष लीलाधर साहू, सुकृत दास साहू, हुलासी पंच, सब इंजीनियर कनक बघेल, मेघनाथ भुआर्य, हेमंत ठाकुर, श्रीमती आर बाजपेयी, जयराम, विनय राजपूत, श्रीमती भगवती मंडावी और यश साहू शामिल थे। इस पहल से आदर्श ग्राम सुरगी और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच में सुधार होने की उम्मीद है।

आमगांव में गुरु पूर्णिमा मनी

कुमरदा (दावा)। दिनांक का 10 जुलाई 2025 को सरस्वती शिशु मंदिर आमगांव में बहुत ही धूमधाम से गुरु पूर्णिमा का आयोजन किया गया। भोलाराम देवांगन ने गुरु की महिमा का बखान करते हुए पूरे बच्चों को संबोधन में गुरु की महिमा का बखान किया एवं कार्यकाल प्रभारी गणेश राम भोयर, श्रीमती रामेश्वरी साहू, श्रीमती लिलेश्वरी निर्मलकर, पूजा भंडारी, कुमकुम साहू, हर्षिता देवदास, कुमकुम साहू, जागेश्वरी साहू एवं श्याम बाई सिन्हा एवं सभी छात्रगण गुरु पूर्णिमा के कार्यक्रम में उपस्थित थे।

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व)
राजनांदगांव, जिला-राजनांदगांव (छ.ग.)

ईश्तहार

क्र./3446/अविअ/प्रवा.-3/2025
राजनांदगांव, दिनांक 02/07/2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक धर्मेन्द्र, संदीप, किशोर, सुनीता, द्विभाषी उर्फ कुमुद सभी के पिता स्व. बलराज शुक्ले, निवासी गौरी नगर, राजनांदगांव, तहसील व जिला राजनांदगांव द्वारा निज स्वामित्व की भूमि ग्राम चिखली, पटवारी हल्का नंबर 39, खसरा नंबर 502/41 रकबा 0.020 हेक्टेयर के आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन एवं पुनर्कर निर्धारण का आवेदन मय, खसरा बी-1, नक्शा, ऋण पुस्तिका की प्रति, पंजीकृत बैनामा इत्यादि के साथ प्रस्तुत किया है।

उपरोक्त कृषि भिन्न प्रयोजन के पुनर्कर निर्धारण बाबत जिस किसी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे अपना दावा/आपत्ति इस उद्घोषणा प्रकाशन दिनांक से स्वतः या अपने अधिवक्ता के माध्यम से नियत तिथि 16/07/2025 तक न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 02/07/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मोहर से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा.), राजनांदगांव

शुभांक

अनुमानित

बी. के
1-3-9
789-4 248-4
राजधानी
3-5-0
138-2 378-8

चेतावनी:-इस पत्र में प्रकाशित सर्वत्र शुभ राशियां ज्योतिष एवं ग्रह नक्षत्र के आधार पर धारणा मात्र है। इसका सट्टे आदि से कोई संबंध नहीं है, दुरूपयोग न करें। दुरूपयोग करने पर प्रकाशक की कोई जवाबदारी नहीं होगी। -सम्पादक

छत्तीसगढ़ शासन वन विभाग बिलासपुर, वनमंडल बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

कोटा काष्ठागार नीलाम की संक्षिप्त सूचना

सर्व सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि बिलासपुर वनमंडल बिलासपुर के अधीनस्थ काष्ठागार कोटा बिलासपुर में उपलब्ध ईमारती लकड़ी (काष्ठ, जलाऊ) एवं बांस का दर्शित तिथि व समय में ई-ऑक्शन द्वारा निवर्तन किया जाना है। इच्छुक व्यापारी ई-ऑक्शन में अवश्य भाग लेवें। ई-ऑक्शन की शर्ते एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमण्डल कार्यालय बिलासपुर अथवा काष्ठागार कोटा डिपो से प्राप्त कर सकते हैं।

डिपो का नाम	-	विक्रय काष्ठागार कोटा
नीलाम दिनांक	-	22.07.2025
समय	-	9:00 बजे प्रातः से

वनोपज की अनुमानित मात्रा निम्नानुसार हैः-

क्र.	प्रजाति	नया			पुराना				
		लट्ठा	बल्ली/खूंटा	जलाऊ	लट्ठा	बल्ली/खूंटा	जलाऊ	व्यापारी/औ. बांस	
		घ.मी.	नग	चट्टा	घ.मी.	नग	चट्टा	नग	नो. टन
1	सागौन	0.272	18	-	126.591	1119	-	-	-
2	साल	26.873	248	-	64.482	19	-	-	-
3	बीजा, तिंसा, शीशम	15.319	47	-	2.583	-	-	-	-
4	साजा	30.880	147	-	25.667	4	-	-	-
5	हल्दु, मुण्डी,	98.439	17	-	90.063	-	-	-	-
6	खम्हार	-	-	-	1.847	669	-	-	-
7	धावड़ा	40.352	100	-	10.880	-	-	-	-
8	सलई	48.239	16	-	1.923	-	-	-	-
9	अन्य	99.282	698	-	119.440	1875	-	-	-
10	जलाऊ	-	-	494	-	-	494.5	-	-
11	व्यापारिक बांस	-	-	-	-	-	-	476	1.100
12	औद्योगिक बांस	-	-	-	-	-	-	162	1.350
13	निरस्त लॉट	-	-	-	-	-	-	-	-
	योग:-	359.656	1291	494	443.476	3686	494.5	2096	2.450

टीपः- (1) क्रेताओं को ई-ऑक्शन से पूर्व एम.एस.टी.सी. ई-कॉमर्स पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है।
(2) क्रेताओं को ई-ऑक्शन के पूर्व क्रय लॉटो के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वालेट में रखना अनिवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई.एम.डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है।
(3) लॉट की थप्पी सूची एवं फोटो एम.एस.टी.सी. ई-कॉमर्स पोर्टल में अपने आई.डी. से लॉग इन करके देख सकते है।
(4) ई-ऑक्शन में लॉट क्रय के पश्चात प्रथम क्रेता को 40 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा, उसी लॉट में अन्य क्रेताओं द्वारा 40 सेकण्ड के पूर्व क्रय करने पर 30 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा।

जी- 252602178/2

वन मंडलाधिकारी
बिलासपुर वनमण्डल बिलासपुर (छ.ग.)

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अवयस्क पुत्र राघव साहू पिता उपेन्द्र साहू निवासी रिद्धि-सिद्ध कॉलोनी, राजनांदगांव तहसील व जिला-राजनांदगांव (छ.ग.) का रहने वाला है। मै उसका पालक पिता होने के नाते उसका उक्त नाम परिवर्तित कर तनुष साहू (TANUSH SAHU) किया है। अब से उसे नये नाम तनुष साहू के नाम से पुकारा जाता है और अब उसे इस नये नाम से जाना पहचाना जाये व उक्त नाम से संबोधित किया जाये।

पालक पिता- उपेन्द्र साहू

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी अवयस्क पुत्री राही साहू पिता उपेन्द्र साहू निवासी रिद्धि-सिद्ध कॉलोनी, राजनांदगांव तहसील व जिला-राजनांदगांव (छ.ग.) की रहने वाली है। मैं उसका पालक पिता होने के नाते उसका उक्त नाम परिवर्तित कर तृषा साहू (TRISHA SAHU) किया है। अब से उसे नये नाम 'तृषा साहू' के नाम से पुकारा जाता है और अब उसे इस नये नाम से जाना पहचाना जाये व उक्त नाम से संबोधित किया जाये।

पालक पिता- उपेन्द्र साहू

सावन के पहले सोमवार को मंदिरों में शिवभक्ति की बही बयार

शिवालयों में पूजा-भक्ति का बना रहा माहौल, भक्तों ने लगाए हर- हर महादेव के जयकारे

राजनांदगांव (दावा)। श्रावण मास के पहले सोमवार को राजनांदगांव शहर सहित अंचल में भगवान भोलेनाथ की भक्तिमय धूम देखने को मिली। भोर ब्रह्म मुहूर्त से ही शिव मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना का दौर शुरू हो गया था। सिंघोला स्थित महाकाल मंदिर में भगवान श्री चंद्र मौलेश्वर महाकाल की भस्म आरती की गई। जिसके बाद सुबह होते ही श्रृंगार आरती का आयोजन हुआ। सुबह पौ फटते ही 'बोल बम' के कांवड़िए शिवनाथ नदी से जल लाने के लिए निकल पड़े। कलश में जल भरकर कांवर को कंधे पर रखकर 'बोल बम' का उद्घोष करते हुए वे शहर स्थित विभिन्न शिव मंदिरों की ओर चल पड़े। नंदई चौक से उनके शहर पहुंचने पर उन्हें देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।

श्रावण मास के दौरान भगवान शिव की पूजा-अर्चना के लिए शहर सहित पूरे जिले के सभी शिवालयों और मंदिरों में व्यापक तैयारियां की गई थीं। भगवान भोलेनाथ के भक्तों ने व्रत-उपवास धारण किए। सोमवार की सुबह से ही शहर स्थित बागेश्वर महादेव मंदिर, बर्फानी आश्रम के द्वादश शिवलिंग, लालबाग स्थित बागेश्वर मंदिर, मिथिला धाम मंदिर, माता देवाला के शिव मंदिर, रेवाडीह व ग्राम भांठागांव स्थित पाताल फोड़ प्रकट हुए शिवलिंग, लखोली नाका, भरकापारा तालाब पार स्थित शिव मंदिर सहित अन्य शिव मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी रही है। कई मंदिरों में पुजारियों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भक्तों से भगवान शिव का रुद्राभिषेक करवाया गया।

भक्तों ने भगवान भोलेनाथ को जलार्पण, दुग्धाभिषेक सहित नारियल, अगरबत्ती, धूप अर्पित किए और अपने घर परिवार की सुख-शांति व खुशहाली के लिए प्रार्थना की। श्रावण माह के पहले सोमवार को महिलाएं और कुंवारी युवतियों ने सावन सोमवारी व्रत रखा और पूरे मनोयोग से भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना की। कुंवारी कन्याओं ने योग्य वर की कामना के साथ भगवान शिव पर बेल पत्र, बिल्व फल, धतूरा, कनेर पुष्प सहित नारियल और कदली फल चढ़ाए।

मंदिरों में भक्तों का तांता और बाजार में रौनक

सावन के पहले सोमवार को शहर सहित आसपास के गांव-देहातों में स्थित शिव मंदिरों में सुबह से ही भक्तों का तांता लगा रहा। दिन भर मंदिरों में 'ओम नमः शिवाय' मंत्र की गूंज सुनाई देती रही। वहीं भगवान शिव के पंचाक्षरी महामंत्र सहित महामृत्युंजय मंत्र जाप और शिव स्तोत्र व चालीसा पाठ का माहौल बना रहा। भगवान शिव पर जलाभिषेक और दुग्धाभिषेक करते समय 'हर-हर महादेव' की गूंज वातावरण में गुंजायमान होती रही। भक्तों ने सावन मास के पहले सोमवार को अपने आराध्य भोले बाबा भगवान शिव की पूरी भक्ति-भावना से पूजा-अर्चना की। पर्व को देखते हुए शहर के बाजारों में फूल-मालाओं और पूजन सामग्रियों सहित नारियल, अगरबत्ती और फलों की जमकर बिक्री हुई। बाजार में ज्यादातर बेल पत्र, दूब, बिल्व फल, धतूरा, कनेर पुष्प, पान-सुपारी के अलावा दूध, दही और गंगाजल की अधिक मांग बनी रही।

डाक कांवड़ यात्रा शिवनाथ नदी से जल लेकर पहुंची बागेश्वर धाम

राजनांदगांव (दावा)। सावन पर्व के पहले सोमवार को डाक कांवड़ यात्रा मोहरा स्थित शिवनाथ नदी से पवित्र जल लेकर बागेश्वर धाम मंदिर रायपुर नाका पहुंची। यहां हिंदू जागरण मंच ने डाक कांवड़ियों का पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया और उनके लिए फलाहार की व्यवस्था भी की।

जीवनदान सेवा संस्था ने बताया कि यह लगातार तीसरा वर्ष है जब यह डाक कांवड़ यात्रा आयोजित की जा रही है। इस यात्रा को शिवगण (जहां से संस्था को प्रेरणा मिली), श्री बागेश्वर धाम मंदिर, रायपुर नाका से राजेश मारू भैया, श्री महाकाल मंदिर, सिंघोला से पवन डागा, और हिंदू जागरण मंच से सुशील लड्डा का सहयोग प्राप्त है। आज पहले सोमवार को विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश अग्निहोत्री, राज बहादुर सिंह, छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना के जिलाध्यक्ष विजय साहू, और जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के जिलाध्यक्ष मनीष देवांगन ने सीटी बजाकर इस यात्रा का शुभारंभ किया। यह भी बताया गया कि अगली यात्रा 21 जुलाई को मोहरा शिवनाथ नदी से जल लेकर माँ शीतला मंदिर, बूढ़ा सागर तक जाएगी।

इस यात्रा में जीवनदान सेवा संस्था के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र लाल जंघेल, प्रदेश महासचिव हरीश भानुशाली, प्रदेश उपाध्यक्ष अभय जंघेल, भारतभूषण वैष्णो, कोषाध्यक्ष अमर सिंह राजपूत, आनंद मुदंडा, राजनांदगांव जिलाध्यक्ष अविनाश जैन, जिला उपाध्यक्ष अमित चौहान, शहर अध्यक्ष रिषभ मल्ल, महेश्वर जंघेल, यस साहू, रितेश साहू, चंदन साहू, राहुल साहू, सत्यम ओझा, शिवम ओझा, बेटी चेष्टा जंघेल, मिताली वर्मा, पूर्व जंघेल, अनुज, नितिन, दुर्गेश, दिव्यांश, कमलेश ड़डसेना सहित कई सदस्य उपस्थित थे।

महापौर यादव ने मोहारा में रोड-नाली निर्माण का किया भूमिपूजन

स्कूल में शेड का लोकार्पण कर बांटे शिक्षण सामग्री

राजनांदगांव (दावा)। वार्ड विकास की कड़ी में महापौर मधुसूदन यादव ने वार्ड क्रमांक 47 मोहारा में विभिन्न मदों के अंतर्गत रोड और नाली निर्माण का भूमिपूजन किया। इसके साथ ही उन्होंने मोहारा शासकीय प्राथमिक शाला में पार्षद निधि से निर्मित अतिरिक्त शेड का लोकार्पण किया और विद्यार्थियों को कॉपी-पुस्तक सहित अन्य शिक्षण सामग्री का वितरण भी किया।

कार्यक्रम में महापौर ने बताया कि विधायक डॉ. रमन सिंह और सांसद संतोष पांडे की अनुशंसा तथा शासन की स्वीकृति के अनुसार वार्डों में विकास कार्य कराए जा रहे हैं। इसी क्रम में आज वार्ड क्रमांक 47 मोहारा में अधोसंरचना मद के तहत 10 लाख रुपये की लागत से रोड और नाली निर्माण तथा आश्रम के पास विधायक निधि से 5.20 लाख रुपये की लागत से सीमेंटीकरण का भूमिपूजन किया जा रहा है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि ये कार्य बहुत जल्द धरातल पर दिखाई देंगे और वार्डवासी इनका लाभ उठा सकेंगे।

महापौर श्री यादव ने कहा कि श्रावण के पहले सोमवार को उनके वार्ड में पार्षद निधि के अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला में लगभग 6 लाख रुपये की लागत से बने शेड का लोकार्पण किया जा रहा है। साथ ही विद्यार्थियों को निःशुल्क कॉपी, पुस्तक, पेन, बेल्ट, टाई, पानी बॉटल, जूते और मोजे का वितरण किया गया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शासन की सोच है कि हर बच्चे को अच्छी शिक्षा मिले और उन्हें पढ़ने के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं मिले। ताकि वे कॉपी-पुस्तक व अन्य सामग्री के अभाव में शिक्षा से वंचित न रहें। उन्होंने यह भी कहा कि आजकल तो शासन द्वारा अंग्रेजी माध्यम स्कूल भी संचालित किए जा रहे हैं, ताकि निजी स्कूलों की तरह शासकीय स्कूल के विद्यार्थी भी अच्छी शिक्षा ग्रहण कर सकें।

गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति और स्वागत

कार्यक्रम में वार्ड पार्षद और शिक्षा विभाग के प्रभारी सदस आलोक श्रोती, महापौर परिषद के प्रभारी श्रीमती केवरा राय, दिलेश्वर साहू, पार्षद सतीश साहू औरचंद्रकृत साहू तथा पूर्व पार्षद विजय राय उपस्थित थे। इनकी उपस्थिति में महापौर श्री यादव ने शेड का लोकार्पण किया और निर्माण कार्यों के लिए पूजा-अर्चना कर भूमिपूजन संपन्न किया। भूमिपूजन से पूर्व वार्ड पार्षद ने महापौर का पगड़ी पहनाकर पारंपरिक स्वागत किया।

शिक्षा और विकास को लेकर प्रतिबद्धता

पार्षद और शिक्षा विभाग के प्रभारी सदस्य श्री श्रोती ने कहा कि वार्डवासियों की मांग पर विभिन्न मदों के तहत स्वीकृत कार्यों को वार्ड में मूर्त रूप देने के लिए आज भूमिपूजन किया गया है। उन्होंने महापौर के निरंतर सहयोग की सराहना की। जो वार्ड विकास के लिए समय-समय पर मिलता रहता है। उन्होंने कहा कि आज विद्यार्थियों को विभिन्न सामग्री वितरित की गई है, ताकि वे अच्छी शिक्षा ग्रहण कर अपने परिवार और शाला का नाम रोशन कर सकें। इस अवसर पर उप अभियंता श्रीमती ज्योति साहू सहित स्कूल के शिक्षक, विद्यार्थी और बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित थे।

माँ बम्लेश्वरी ट्रस्ट समिति डोंगरगढ़ में 50 प्रतिशत ट्रस्टी गोंड आदिवासी समुदाय से आरक्षित करने की मांग

सामाजिकगणों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

डोंगरगढ़ (दावा)। मां बमलेश्वरी ट्रस्ट समिति डोंगरगढ़ में नई समिति के लिए आगामी 20 जुलाई को मतदान होना है। इस बीच सर्व आदिवासी समाज द्वारा ट्रस्ट समिति में समाज को 50 प्रतिशत स्थान प्रदान करने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। पत्र में कहा गया कि, दिनांक 13 जुलाई को सर्व आदिवासी समाज जिला राजनांदगाँव की बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया है कि माँ बम्लेश्वरी उइके गोंड जनजाति की कुलदेवी है और गोंड जनजाति की आराध्य देवी है।जिसको सदियों से उइके परिवार के साथ गोड जनजाति के लोग रूढ़ि प्रथानुसार सेवा अर्जी (पूजा-अर्चना) करते आ रहें है।

जिसको हम लोग माँ बम्लेश्वरी ट्रस्ट एवं शासन प्रशासन से मांग करते आ रहें है कि ट्रस्ट में गोंड समुदाय के लिए 50 प्रतिशत ट्रस्टी/सदस्यों के लिए आरक्षित किया जायें। जिसके लिए ट्रस्ट अपने बायलॉज (नियमावली) को संशोधित कर हम गोंड समुदाय के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण तय करें। अन्यथा गोंडवाना भू-भाग के छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, तेलंगाना, उड़िसा, आदि राज्यों के गोंड जनजाति के लोग अपने महासभा के माध्यम से सर्वसम्मति से संवैधानिक रूप से अपने हक अधिकार को लेने के लिए बाध्य होंगे। जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन एवं मंदिर ट्रस्ट की रहेगी। प्रदेश अध्यक्ष, सर्वआदिवासी समाज, रायपुर को आवश्यक कार्यवाही हेतु किए गए प्रस्ताव की प्रति भेजी गई। ज्ञापन सौंपने वालों में किसान नेता व समाज के वरिष्ठ सदस्य सुदेश टीकम उपस्थित रहे। सर्व आदिवासी समाज समिति में विरेन्द्र मसिया, मदन नेताम, बिन्दु चंद्रवंशी, दिनेश कुरेटी, ओस्कर बड़ा, देवनारायण नेताम, नरेन्द्र नेताम, ललित कुमारी, सी.एल. चंद्रवशी नुनकरण भुआर्य कार्यकारी अध्यक्ष चंद्रशेखर उईके, महासचिव लेखराम चंद्रवंशी, सचिव राहुल नेताम, कोषाध्यक्ष रामसिंग मंडलोई, उपाध्यक्ष हरिराम पुजेरी गेंदलाल मंडावी, एवत आचले, एच.आर. ठाकुर, कमलेश पारधी, महिला प्रभाग श्रीमती हरिला मंडावी, कार्यवाहक अध्यक्ष श्रीमती अंजना मिंज, युवा प्रभाग नंदकुमार गोड़िया, मीडिया प्रभारी मनभावन सिंह उईके के नाम का उल्लेख किया गया है।

'एक पेड़ शिव के नाम' लगाकर हरित झांकी के साथ निकली कावड़ यात्राः चंद्रकांत कौशिक का हुआ सम्मान

राजनांदगाँव (दावा)। संस्कारधानी में प्रथम सोमवार को सृष्टि के कल्याण पर्यावरण संरक्षण के हेतु वृक्षारोपण करके कावड़ यात्रा निकाली गई। श्री शिवमंदिर मोहारा व श्री बागेश्वर धाम मंदिर में महापौर मधुसूदन यादव, पूर्व महापौर अजीत जैन, आयुक्त अतुल विश्वकर्मा, पूर्व आयुक्त चंद्रकांत कौशिक, जिला भाजपा अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत, डॉ. डी.सी. जैन, सोहनलाल गुप्ता, विष्णु साव द्वारा वृक्षारोपण किया गया।

उक्त जानकारी देते हुए श्री बागेश्वर धाम मंदिर सेवक व पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के सदस्य पंकज गुप्ता, मयंक शर्मा, भावेश अग्रवाल, सौरभ खण्डेलवाल ने बताया कि सनातन धर्म में वृक्षों को देवतुल्य माना गया है, वृक्ष की पूजा की जाती है। इसी धर्मार्थ जनकल्याणकारी उद्देश्य से आज प्रथम सोमवार की हरित कांवड़ यात्रा में वृक्षारोपण किया गया व भगवान शिव की विशाल मूर्ति के साथ सृष्टि संरक्षण हेतु वृक्षारोपण जल संरक्षण के संदेश व कांवड़ व श्री बागेश्वर धाम कांवड़ यात्रा के चारों विषय के संदेश लगे हुए थे, जो कि भगवान भोलेनाथ, पर्यावरण संलग्न कर संस्कारधानी में प्रथम बार बनाई गई। जनसामान्य में अत्याधिक पसंद की गई।

नंदई चौक में जिला भाजपा की अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत द्वारा साथियो सहित कांवड़ यात्रियों का पुष्पवर्षा कर अभिनंदन स्वागत किया गया। पर्यावरण सरंक्षण व वृक्षारोपण के सार्थक प्रयास हेतु पूर्व कमीश्नर वर्तमान एडीएम बालोद चंद्रकांत कौशिक का बागेश्वर मंदिर धर्मार्थ ट्रस्ट व पर्यावरण सरंक्षण गतिविधि द्वारा सम्मान किया गया तथा वर्तमान आयुक्त अतुल विश्वकर्मा को भी प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया गया। सम्मान समारोह का संचालन पंकज गुप्ता एवं आभार प्रदर्शन निकुंज सिंघल द्वारा किया गया।

जिले में पर्याप्त मात्रा में खाद-बीज का भंडारण

० जिले में 10742.60 क्विंटल बीज का भंडारण, किसानों को 9935.90 क्विंटल बीज का किया गया वितरण

राजनांदगांव (दावा)। जिले में खेती-किसानी का कार्य तेजी से जारी है। किसान सहकारी समितियों में खाद-बीज लेने के लिए आ रहे हैं। बोवाई एवं रोपाई का कार्य प्रगति पर है। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने किसानों के लिए खाद-बीज की सतत आपूर्ति के निर्देश दिए है। जिले में किसानों के लिए पर्याप्त मात्रा में खाद-बीज का भंडारण है। कलेक्टर ने किसानों को समय पर खाद-बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि सभी समितियों में खाद-बीज की निरंतर आपूर्ति होते रहे।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित राजनांदगांव प्रभात मिश्रा ने बताया कि जिले में खरीफ 2025 अंतर्गत 34872.1 मीट्रिक टन रासायनिक खाद का भंडारण किया गया है, जो कुल भंडारण का 67.68 प्रतिशत है। अब तक किसानों को 29133.4 मीट्रिक टन रासायनिक खाद का वितरण किया जा चुका है। जिसमें यूरिया 9579.9 मीट्रिक टन, सुपर फास्फेट 4967.7 मीट्रिक टन, डीएपी 2994.9 मीट्रिक टन, एनपीके 8983.7 पोटाश 2607.3 मीट्रिक टन है। किसानों को 5738.7 मीट्रिक टन रासायनिक खाद का वितरण किया जाना शेष है। जिसमें यूरिया 1254.8 मीट्रिक टन, सुपर फास्फेट 1783 मीट्रिक टन, डीएपी 921.3 मीट्रिक टन, एनपीके 838.5 मीट्रिक टन, पोटाश 941.1 मीट्रिक टन है। इसी तरह जिले में 10742.60 क्विंटल बीज का भंडारण किया गया है और किसानों को 9935.90 क्विंटल बीज का वितरण किया गया है एवं 806.70 क्विंटल बीज का वितरण शेष है। इसके तहत जिले में 10719 क्विंटल धान का भंडारण किया गया है और किसानों को 9923.18 क्विंटल धान का वितरण किया गया है एवं 795.82 क्विंटल धान का वितरण शेष है।

विनोबा ऐप के संबंध में शिक्षक सहायक प्रशिक्षण संपन्न

उत्कृष्ट कार्य के लिए शिक्षक हुए सम्मानित

राजनांदगांव (दावा)। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे के मार्गदर्शन में जिले में शिक्षा के स्तर को उन्नत करने के उद्देश्य से विनोबा ऐप ओपन लिंक्स फाउंडेशन द्वारा संचालित शिक्षक सहायक कार्यक्रम के तहत डोंगरगांव विकासखंड के एसएजीएस में प्रशिक्षण एवं फालो-अप बैठक का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में शिक्षकों को विनोबा एप के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में समझाया गया। विनोबा ऐप के माध्यम से जिले में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने और शिक्षकों को नवीनतम शैक्षणिक तकनीकों से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

विनोबा के परियोजना समन्वयक नरेंद्र साहू ने सभी प्रक्रियाओं का लाइव डेमो देकर शिक्षकों को आसानी से समझाया। पीपीआईए फेलो अमित परिहार और श्री जॉली ने विनोबा एप के विशेषताओं के बारे में बताया। प्रशिक्षण में विनोबा एप के क्रियान्वयन के संबंध में जानकारी दी गई। जुलाई महीने से शुरू होने वाले शैक्षणिक कार्यक्रमों, जिनमें एफएलएन कक्षा 1-5, एफएलएन प्लस प्लस कक्षा 6-8 एवं मासिक परीक्षा कक्षा 9-12 के बार में बताया गया। साथ ही दैनिक उपस्थिति रिपोर्ट के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। इस अवसर पर मंथली पोस्ट ऑन विनोबा के ब्लॉक और क्लस्टर स्तर के विजेता शिक्षकों को सम्मानित किया गया। पोस्ट ऑफ मंथ अंतर्गत ब्लॉक प्लस क्लस्टर डोंगरगांव एवं छुरिया, ब्लाक पोस्ट ऑफ मंथ शिक्षक के लिए शासकीय माध्यमिक विद्यालय किसान करमतरा के शिक्षक सुरेश कुमार, कलस्टर पोस्ट ऑफ मंथक शिक्षक के लिए शासकीय माध्यमिक विद्यालया चांदो छुरिया के शिक्षक डॉ. भगवानी निषाद एवं जीपीएस करमतरा डोंगरगांव के शिक्षक सुश्री नीतू बाला सोनवानी को सम्मानित किया गया। उन्हें अपने नवाचारों को जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर एपीसी मनोज मरकाम, बीईओ डोंगरगांव, विकासखंड डोंगरगांव और छुरिया के सीएसी के शिक्षक उपस्थित थे।

नाबालिग बच्चों के अश्लील वीडियो अपलोड करने वाला आरोपी गिरफ्तार

डोंगरगढ़ (दावा)। डोंगरगढ़ पुलिस ने नाबालिग बच्चों के अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह आरोपी नीरज शर्मा (37 वर्ष) पहले भी इसी तरह के अपराधों में गिरफ्तार हो चुका है।

पुलिस ने बताया कि नाबालिग बच्चों के अश्लील वीडियो या फोटो अपलोड करना और देखना कानूनन गंभीर अपराध है। भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अंतर्गत एनसीआरबी नई दिल्ली द्वारा सीसीपीडब्ल्यूसी योजना के तहत सोशल मीडिया पर महिलाओं और बच्चों से संबंधित अपराधों पर लगातार नजर रखी जा रही है। साइबर टिप रिपोर्ट मिलने पर संबंधित राज्य, जिला और थाने को वैधानिक कार्रवाई के लिए सूचना भेजी जाती है। इसी क्रम में डोंगरगढ़ थाने को एक साइबर टिप प्राप्त हुई थी। जांच में पाया गया कि आरोपी नीरज शर्मा निवासी बघियाटोला, डोंगरगढ़ अपने फेसबुक अकाउंट पर महिलाओं और बच्चों से संबंधित अश्लील वीडियो/फोटो वायरल कर रहा था। इस पर उसके खिलाफ धारा- 67-बी आईटी एक्ट और 12 पॉक्सो के तहत मामला दर्ज किया गया था। आरोपी घटना के बाद से लगातार फरार चल रहा था। जिसे आज गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

'चॉकलेट वाले डॉक्टर' ने वेदिका के जीवन में भर दिया प्रकाश, सफल मोतियाबिंद ऑपरेशन

राजनांदगांव (दावा)। गैंदाटोला क्षेत्र में 'चॉकलेट बांटने वाले डॉक्टर' के रूप में प्रसिद्ध सरकारी डॉ. मुकेश कुमार साहू ने एक बार फिर सेवाभाव का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने सातवीं कक्षा की छात्रा वेदिका सेन की आंख का सफल मोतियाबिंद ऑपरेशन कर उसके जीवन को रोशनी से भर दिया है। इस पुनीत कार्य के लिए वेदिका के परिजनों और स्कूल स्टाफ ने डॉ. साहू को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं।

यह तो सर्वविदित है कि 'सेवा परमो धर्मः' अर्थात सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। जब कोई व्यक्ति निस्वार्थ भाव से सेवा करने का ठान लेता है, तो वह तन, मन और धन से इसमें लग जाता है, बिना किसी दिखावे के अपना काम करता रहता है और फल की इच्छा भी नहीं करता। इसी भाव को बखूबी चरितार्थ कर रहे हैं। वनांचल में अपनी सेवा दे रहे डॉ. मुकेश कुमार साहू। वे अपनी सेवा से लोगों के दिलों में एक खास और अमिट पहचान बना चुके हैं। उन्हें लोग प्यार से चॉकलेट वाले डॉक्टर, स्कूल वाले डॉक्टर, आँखी वाले डॉक्टर और चश्मा वाले डॉक्टर जैसे नामों से जानते हैं। जब किसी व्यक्ति को उसके क्षेत्र की जनता इतने सारे नामों से पुकारे, तो यह स्पष्ट होता है कि उनकी सेवा और लोकप्रियता अपने चरम पर है।

उत्कृष्ट सेवा से मिली प्रसिद्धि

जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गैंदाटोला के नेत्र सहायक अधिकारी मुकेश कुमार साहू अपनी उत्कृष्ट सेवा गतिविधियों की वजह से दूर-दूर तक प्रसिद्धि पा चुके हैं। पिछले वर्ष दो स्कूली बच्चों की आंखों का ऑपरेशन कराकर उन्हें विशेष पहचान मिली थी। उनके कार्य करने का तरीका इतना सटीक और तेज है कि इस बार उन्होंने अपने पहले ही स्कूल में एक बच्चे का मोतियाबिंद पहचान कर तुरंत अगले दिन उसका ऑपरेशन कराकर उसकी जिंदगी को रोशनी से भर दिया। सेवा, त्याग और समर्पण का ऐसा भाव शायद ही आज के कलयुग में देखने को मिलता है।

'शालेय नेत्र स्वास्थ्य परीक्षण' योजना का कमाल

जानकारी के अनुसार, राष्ट्रीय अल्पदृष्टि और अंधत्व नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत 'शालेय नेत्र स्वास्थ्य परीक्षण' नामक एक प्रमुख स्वास्थ्य कार्यक्रम पूरे राज्य के हर जिले और हर ब्लॉक में चलाया जाता है। इसके तहत शिक्षा विभाग में शासकीय मिडिल स्कूल के 6वीं, 7वीं और 8वीं कक्षा के बच्चों की प्रतिवर्ष नेत्र जांच और चश्मा जांच की जाती है।

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला गैंदाटोला में इसी कार्यक्रम के तहत सातवीं कक्षा की छोटी बच्ची वेदिका (पिता अरुण सेन, निवासी गैंदाटोला) का मामला सामने आया। नेत्र जांच के दौरान पता चला कि बच्ची को एक आंख से पढ़ने-देखने में असुविधा हो रही थी। आगे की जांच में उस आंख में मोतियाबिंद पाया गया। गौरतलब है कि उसकी दूसरी आंख का मोतियाबिंद का ऑपरेशन पिछले वर्ष 21 सितंबर 2024 को मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल राजनांदगांव में डॉ. मुकेश कुमार साहू द्वारा ही किया जा चुका था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए नेत्र सहायक अधिकारी मुकेश कुमार साहू ने बच्ची को तुरंत ऑपरेशन के लिए मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल राजनांदगांव में भर्ती कराया। वहां 3 जुलाई 2025 को उसका मोतियाबिंद का सफल ऑपरेशन किया गया। सूचना मिलने तक बच्ची वेदिका सेन पूरी तरह ठीक है और उसका ऑपरेशन सफल रहा है। इस घटना की चर्चा पूरे गैंदाटोला और छुरिया क्षेत्र में हो रही है। लोग स्वास्थ्य विभाग के इस कार्य की सराहना कर रहे हैं। विशेषकर नेत्र सहायक अधिकारी मुकेश कुमार साहू के काम के लोग मुरीद हो गए हैं। उनकी सेवा का ही परिणाम है कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गैंदाटोला अस्पताल की आंख की ओपीडी में मरीजों की संख्या पहले से तीन गुना बढ़ गई है। डॉ. साहू की खास बात यह है कि वे अपने प्रत्येक मरीज को पहले चॉकलेट देते हैं, फिर उनकी जांच और उपचार करते हैं। मरीजों को उपचार का यह अनूठा तरीका बहुत पसंद आ रहा है।

> मुकेश कुमार साहू ने समर्पित भाव से कर्तव्यों का निर्वाह किया है। वह निश्चित ही प्रशंसनीय है और अपने अच्छे कर्मों की वजह से प्रसिद्धि भी पा चुके हैं। विभाग के अन्य नेत्र सहायक अधिकारियों को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए।
>
> **- डॉ. नेतराम नवरत्न**
> **मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी राजनंदगांव**

> शासन और स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्कूल हेल्थ कार्यक्रम चलाये जाने का एक ही उद्देश्य है कि बीमारी को शुरुआत में ही पहचान कर उसका उचित उपचार करके उसे खत्म किया जाए और हम सब शासन के आदेशानुसार उसी उद्देश्य की प्राप्ति के लिए कार्य कर रहे हैं।
>
> **- मुकेश कुमार साहू**
> **नेत्र सहायक अधिकारी**
> **प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, गैंदाटोला**

अनमोल दावा

> *इंसान तब समझदार नहीं होता जब वह बड़ी-बड़ी बातें करने लगे, बल्कि समझदार तब होता है, जब वह छोटी-छोटी बातें समझने लगे।*

आर्थिकी के लिए चुनौती बने बैंकिंग फ्रॉड, इन मामलों से घटता है जनता का भी भरोसा

निकट भविष्य में डिजिटल बैंकिंग अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करेगी। फिनटेक भारतीय बैंकिंग और भुगतान प्रणाली के लिए आगे का रास्ता है। बस आवश्यकता है इसे सुगम और सुरक्षित बनाने की। इसके लिए बैंकों द्वारा केवल ÷सावधान रहें÷ कहना पर्याप्त नहीं है। इससे काम नहीं चलने वाला है। समय के साथ पेमेंट इंडस्ट्री को मजबूत और टिकाऊ बनाना होगा।

आरबीआइ द्वारा हाल में जारी किए बैंकिंग धोखाधड़ी के आंकड़े चिंतित करते हैं। इसके अनुसार देश में बैंकिंग धोखाधड़ी का दायरा तेजी से बढ़ रहा है। वित्त वर्ष 2023-24 में धोखाधड़ी की रकम 12,230 करोड़ रुपये थी, जो 2024-25 में करीब तीन गुना बढ़कर 36,014 करोड़ रुपये हो गई। इसमें सरकारी बैंकों में हुई धोखाधड़ी की राशि 25,667 करोड़ रुपये और निजी क्षेत्र के बैंकों में हुई धोखाधड़ी की राशि 10,088 करोड़ रुपये थी। आरबीआइ के अनुसार इस वृद्धि का एक ब?ा कारण 2023 में सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए 122 पुराने मामलों को जो?ना है। हालांकि इससे बैंकों से गायब हुए 36,014 करोड़ रुपये की समस्या कम नहीं हो जाती। बैंकिंग धोखाधड़ी का प्रभाव वित्तीय नुकसान तक सीमित नहीं होता है। ये बैंकों में जनता के विश्वास को भी कम करते हैं। वर्ष 2016 में नए नोटों को प्रिंट करने के साथ आरबीआइ ने दावा किया था कि इनमें जो सुरक्षा के उपाय किए गए हैं, उनकी नकल करना काफी मुश्किल है, फिर भी यह नहीं रुक पा रहा है। 2024-25 में बैंकिंग सेक्टर में पकड़े गए नकली नोटों की संख्या में 200 और 500 रुपये की श्रेणी में क्रमशः 14 प्रतिशत और 37 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई।

यह नहीं कहा जा सकता कि सरकार और रिजर्व बैंक इसे रोकने के लिए प्रयास नहीं कर रहे हैं, लेकिन जैसे-जैसे नोटों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए नए-नए उपाय किए जा रहे हैं, वैसे-वैसे ठग उनकी नकल करने की तकनीक भी विकसित करते जा रहे हैं, जिससे आम आदमी के लिए नकली और असली नोटों के बीच अंतर करना मुश्किल हो जाता है। राष्टीय जांच एजेंसी (एनआइए) ने पाया है कि इन नकली नोटों को भारत भेजने के लिए नेपाल और पाकिस्तान के मार्ग का उपयोग किया जा रहा है। ये नकली नोट पाकिस्तान में छापे जाते हैं। बाजार में नकली करेंसी आने से मौजूद धन की मात्रा में वृद्धि हो जाती है, जो बाजार में मुद्रास्फीति को बढ़ाती है और माल एवं सेवाओं की भारी मांग उत्पन्न करती है। इसके अतिरिक्त ऐसे नकली नोटों का उपयोग आतंकवादियों द्वारा भारत के खिलाफ किया जा रहा है। जाली नोट किसी भी अर्थव्यवस्था के लिए घातक होते हैं। इससे पार पाना आरबीआइ और सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती है। आरबीआइ के अनुसार निजी क्षेत्र के बैंकों में दर्ज फ्रॉड की संख्या में डेबिट-क्रेडिट कार्ड/इंटरनेट बैंकिंग से संबंधित धोखाधड़ी का सबसे बड़ा हिस्सा है। वहीं सरकारी बैंकों में धोखाधड़ी मुख्य रूप से लोन सेगमेंट में है, जिसमें कई स्तरों पर मिलीभगत शामिल होती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि लोन से संबंधित धोखाधड़ी संख्या के हिसाब से 33 प्रतिशत से अधिक मामलों और वैल्यू के हिसाब से 92 प्रतिशत से अधिक मामलों के लिए जिम्मेदार है।

बड़ी बात यह है कि रिपोर्ट किए गए मामले एक लाख रुपये और उससे अधिक की धोखाधड़ी के लिए हैं। यानी इससे कम राशि के बैंक फ्रॉड को इसमें नहीं लिया गया है। भारत में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआइ) की लोकप्रियता के कारण छोटे-छोटे आनलाइन लेनदेन बहुत होते हैं, जो अब ठगों के लिए बड़ा मौका बन रहे हैं। यूपीआइ आज देश में तीन लाख करोड़ डालर से अधिक का सालाना कारोबार संभाल रहा है। बैंकों से चोरी का सबसे पुराना और आम तरीका फर्जी दस्तावेजों या रिश्वत के जरिये लोन लेना है, जो आज भी बदस्तूर जारी है।

अब आम ग्राहकों के लिए भी खतरा बढ़ रहा है, क्योंकि 50 प्रतिशत से अधिक फ्रॉड डिजिटल या कार्ड आधारित लेनदेन में हो रहे हैं। आज के समय में फिशिंग अटैक से लेकर सिम कार्ड क्लोनिंग जैसे हाईटेक तरीकों तक, ठग हर तरह की चाल चल रहे हैं। फिशिंग अटैक एक प्रकार का साइबर हमला है जिसमें हैकर्स लोगों को धोखा देकर उनकी निजी जानकारी जैसे कि क्रेडिट कार्ड नंबर, बैंक खाते की जानकारी या पासवर्ड चुराने की कोशिश करते हैं।

इन सभी समस्याओं से निपटने के लिए हाल में आरबीआइ ने 'म्यूलहंटर' नामक एक एआइ टूल पेश किया है, जो संदिग्ध लेनदेन को पकड़ने की कोशिश करता है। इसके अलावा डिजिटल पेमेंट के लिए एक इंटेलिजेंस प्लेटफार्म का प्रोटोटाइप भी बनाया जा रहा है। भारत के मनी लांड्रिंग कानून बैंकों को तुरंत एक्शन लेने में सक्षम नहीं बना पा रहे हैं। इसमें भी सुधार करने की आवश्यकता है। डेलायट रिसर्च एजेंसी के अनुसार देश में 2026 तक 100 करोड़ लोग स्मार्टफोन का उपयोग करेंगे।

निकट भविष्य में डिजिटल बैंकिंग अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करेगी। फिनटेक भारतीय बैंकिंग और भुगतान प्रणाली के लिए आगे का रास्ता है। बस आवश्यकता है इसे सुगम और सुरक्षित बनाने की। इसके लिए बैंकों द्वारा केवल ÷सावधान रहें÷ कहना पर्याप्त नहीं है। इससे काम नहीं चलने वाला है। समय के साथ पेमेंट इंडस्ट्री को मजबूत और टिकाऊ बनाना होगा। कर्मचारियों के साथ ही ग्राहकों का साइबर जागरूक होना आवश्यक है। अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी और इजरायल जैसे कुछ देशों ने साइबर जागरूकता को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल कर लिया है। हमें भी इस दिशा में सोचने की आवश्यकता है। अर्थव्यवस्था के लिए चुनौती बने बैंकिंग फ्रॉड और नकली नोटों की समस्या का इलाज मुश्किल तो है, पर नामुमकिन नहीं।

नीति आयोग की मानव पूंजी से संबंधित क्रांति

राव इंद्रजीत सिंह द्वारा

भारत जैसे विशाल और वैविध्यैपूर्ण देश में प्रगति का वास्तसविक पैमाना केवल जीडीपी के आँकड़ों या बुनियादी ढाँचे की उपलब्धियों में नहीं, बल्कि इस बात में निहित है कि वह देश अपनी जनता का कितने बेहतर ढंग से पोषण करता है। मानव पूँजी–हमारी शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य और उत्पादकता–केवल एक आर्थिक संपत्ति ही नहीं, बल्कि नैतिक अनिवार्यता भी है। पिछले दस वर्षों में, भारत के प्रमुख नीतिगत थिंक टैंक-नीति आयोग के नेतृत्व में एक शांत लेकिन प्रभावशाली क्रांति ने आकार लिया है, जिसने देश द्वारा अपने सबसे महत्वतपूर्ण संसाधन, यानी अपने नागरिकों, में निवेश करने के तरीके को नए आकार में ढाला है।

एक ऐसे देश में जहाँ 65 प्रतिशत से ज़्यादा आबादी 35 साल से कम उम्र वाले लोगों की है, तो वह जनसांख्यिकीय लाभांश बेहद दुर्लभ अवसर प्रस्तुत करता है। लेकिन इस युवा आबादी का विशाल आकार अपने साथ एक बड़ी ज़िम्मेदारी भी लेकर आता है। प्रमुख चुनौती इस युवा ऊर्जा को आर्थिक विकास और राष्ट्रीय विकास की शक्ति में रूपांतरित करना है। यहीं पर नीति आयोग एक दूरदर्शी उत्प्रेरक के रूप में उभरा है - जो न केवल आज की प्रगति, बल्कि भविष्य की समृद्धि का भी रोडमैप तैयार कर रहा है।

पिछले एक दशक में, नीति आयोग एक थिंक टैंक से एक सुधारवादी साधन और कार्यान्वयन भागीदार के रूप में विकसित हुआ है, जो आँकड़ों, सहयोग और मानव-केंद्रित डिज़ाइन द्वारा समर्थित साहसिक विचारों के लिए जाना जाता है। इसने नीति-निर्माण को एक शीर्ष-स्तरीय प्रक्रिया से राज्यों, निजी क्षेत्र, वैश्विक संस्थानों और सामाजिक संगठनों के साथ सह-निर्माण की गतिशील प्रक्रिया में बदल दिया है। इसकी ताकत केवल योजना बनाने में ही नहीं, बल्कि संज्ञान लेने और उन अवधारणाओं को अमली जामा पहनाने में भी निहित है।

इसके मार्गदर्शन में मानव पूँजी की आधारशिला-शिक्षा की पूर्णतया नए सिरे से परिकल्परना की गई है। नीति आयोग ने इस बात को स्वीकार करते हुए कि केवल पहुँच ही पर्याप्त नहीं होती, गुणवत्ता और न्या यसंगतता पर ज़ोर दिया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, जहाँ नीति आयोग की महत्वपूर्ण भूमिका रही, ने –रटंत शिक्षा से आलोचनात्मक चिंतन, लचीलेपन और व्यावसायिक एकीकरण का रुख करते हुए एक नए युग का सूत्रपात किया। इसने प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा, मातृभाषा में शिक्षण और विषयों के बीच निर्बाध परिवर्तन पर ज़ोर दिया। इसने देश भर में मौजूद 10,000 से अधिक अटल टिंकरिंग लैब्स में नवाचार को समाहित करते हुए अटल नवाचार मिशन जैसी पहलों के माध्यम से जवाबदेही और कल्पनाशीलता दोनों को सुनिश्चित किया।भारत के युवाओं को 21वीं सदी के लिए कुशल बनाना इसके मिशन का एक और आधार रहा है। कौशल भारत मिशन को समर्थन देने से लेकर आकांक्षी जिला कार्यक्रम के माध्यम से वंचित जिलों के महत्व पूर्ण भाग तक व्यावसायिक कार्यक्रमों की पहुँच सुनिश्चित करने तक, नीति आयोग ने कक्षा और करियर के बीच की खाई को पाटने में मदद की है। कौशल भारत मिशन के तहत, 1.5 करोड़ से ज़्यादा युवाओं को तकनीक, उद्योग संबंधों और माँग-आधारित पाठ्यक्रमों के सम्मिश्रण वाली पहलों के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया है। इसने महज प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए ही प्रशिक्षण नहीं दिया–अपितु इसने क्षेत्रीय ज़रूरतों का आकलन किया और भारत के ग्रामीण और शहरी दोनों ही तरह के युवाओं के लिए वास्तविक आर्थिक संभावनाओं के द्वार खोलने वाले कार्यक्रम तैयार किए। इसके साथ ही साथ, इसने गतिशील, समावेशी श्रम बाज़ार का समर्थन किया। इसने 44 केंद्रीय श्रम कानूनों को–मजदूरी, सामाजिक सुरक्षा, औद्योगिक संबंध और व्यावसायिक सुरक्षा से संबंधित चार सरलीकृत संहिताओं में युक्तिसंगत बनाने में सहायता प्रदान की। इन सुधारों ने नियोक्ता के लचीलेपन को श्रमिक सुरक्षा के साथ संतुलित किया। जिससे विशेष रूप से अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों को लाभ हुआ, जो भारत के कार्यबल का बहुसंख्यक हिस्सा हैं। अनुपालन को सरल बनाकर और औपचारिकता को प्रोत्साहित करके कार्यस्थल केवल अधिक उत्पादक ही नहीं, बल्कि अधिक मानवीय भी बना।

महत्वपूर्ण चरणों में नीतिगत समर्थन, इनक्यूबेशन और मार्गदर्शन मिलने की वजह से फिनटेक, एडटेक, एग्रोटेक, हेल्थटेक और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में हजारों स्टार्ट-अप आज फल-फूल रहे हैं। ये व्यवसाय मात्र ही नहीं हैं; बल्कि ये रोजगार सृजनकर्ता और समस्या का समाधान करने वाले भी हैं, जो एक सुदृढ़ और आत्मनिर्भर भारत में योगदान दे रहे हैं। लेकिन संभवतः इसकी सबसे बड़ी उपलब्धि इसके द्वारा साक्ष्य-आधारित नीति-निर्माण की संस्कृति को संस्थागत रूप दिया जाना रही है। इसने विशाल आँकड़ों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रीयल-टाइम डैशबोर्ड और कठोर निगरानी ढाँचों का लाभ उठाकर नीतियों का अनुकूल, जवाबदेह और ज़मीनी हक़ीक़तों के अनुरूप बना रहना सुनिश्चित किया है। चाहे भारत का पहला एसडीजी सूचकांक जारी करना हो, कार्य निष्पाकदन के मानकों पर राज्यों को मार्गदर्शन देना हो, या नीति निर्माण के लिए व्यवहारिक अंतर्दृष्टि का उपयोग करना हो, नीति आयोग ने वैज्ञानिक चिंतन को शासन के केंद्र में ला दिया है। विभिन्न मंत्रालयों और क्षेत्रों में संयोजन और समन्वय स्थापित करने की इसकी क्षमता ने इसे एक परामर्शदायी निकाय से कहीं अधिक बना दिया है–यह विकास के अंतःकरण का रक्षक बन गया है। इसने कार्य निष्पाकदन -आधारित रैंकिंग के माध्यम से राज्यों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित किया, हाशिये पर पड़े लोगों की आवाज़ बुलंद करने के लिए सामाजिक संगठनों के साथ मिलकर काम किया और सर्वोत्तम प्रथाओं को देश में लाने के लिए वैश्विक साझेदारों के साथ सहभागिता की। वैश्विक नवाचार सूचकांक में भारत का बढ़ता कद और संयुक्त राष्ट्र, विश्व बैंक और यूनेस्को जैसी संस्थाओं से मिली प्रशंसा इस प्रयास के प्रति दुनिया के सम्मौन को दर्शाती है।

नीति आयोग ने केवल लक्ष्य हासिल करने से कहीं बढ़कर, टिकाऊ, समावेशी और भविष्य के अनुरूप प्रणालियाँ बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है। सतत विकास लक्ष्यों के प्रति इसकी प्रतिबद्धता – स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन से लेकर हरित गतिशीलता तक, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना से लेकर कार्यस्थलों में महिला-पुरुष समानता तक- हर पहल में स्पष्ट दृष्टिगोचर होती है।

ज्ञान अर्थव्यवस्था के रूप में भारत का उदय अब कोई दूर का सपना नहीं रह गया है–यह जनता को राष्ट्र की सबसे बड़ी संपत्ति मानने वाली नीतियों के जरिए संचालित एक प्रगतिशील कार्य बन चुका है। नीति आयोग ने विकास के इर्द-गिर्द के विमर्श को ऊपर उठाते हुए हमें याद दिलाया है कि सच्ची प्रगति गगनचुम्बीं इमारतों या सबसे बड़े कारखानों से नहीं, बल्कि जनता की ताकत, स्वास्थ्य और गरिमा से मापी जाती है। ऐसा करके, यह महज एक थिंक टैंक से कहीं बढ़कर बन गया है। यह युवा, महत्वाकांक्षी भारत–एक ऐसे भारत की धड़कन बन गया है जो सपने देखता है, हिम्मत करता है और कर्म करता है। और इस कहानी के केंद्र में वह शांत विश्वास है कि जब आप लोगों में निवेश करते हैं, तो आप केवल एक बेहतर अर्थव्यवस्था का ही नहीं, बल्कि एक बेहतर राष्ट्र का भी निर्माण करते हैं।

लेखक सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार); योजना और संस्कृति राज्यमंत्री हैं

विचार सरिता

शाली त्यागी और अप्रवेशी बच्चों को शिक्षा से जोड़ने की पहल

मशहूर शायर निदा फाजली ने क्या खूब लिखा है :-

डॉ. योगेंद्र कुमार पांडेय

धूप में निकलो घटाओं में नहाकर देखो,
जिंदगी क्या है किताबों को हटाकर देखो।

शायर ने यह बात भले ही पढ़ाई के व्यावहारिक पक्ष को लेकर कही है कि किताबी ज्ञान ही सब कुछ नहीं होता, लेकिन नई शिक्षानीति के परिप्रेक्ष्य में ज्ञान को पुस्तकों और विद्यालय की चहारदीवारी से बाहर समाज और परिवेश से जोड़ने पर भी विशेष बल दिया गया है।

यह समाज का बहुत बड़ा दुर्भाग्य है कि एक बार विद्यालय में प्रवेश के बाद कहीं कोई बच्चा किसी कारणवश शाला बीच में ही छोड़ने को विवश हो जाए। बच्चों का शाला में दाखिला न हो या उन्हें पढ़ाई बीच में छोड़कर अपने माता-पिता का हाथ बंटाने के लिए कोई काम धंधा करना पड़ जाए, दोनों ही स्थिति त्रासद है।

विभिन्न सरकारें जीरो ड्रॉप आउट के उद्देश्य से अनेक अभिनव कार्यक्रम चलाती हैं; ताकि देश का बचपन अपनी कक्षाओं से वंचित न रह जाए। किसी भी कारण से शाला त्याग चुके बच्चों को पढ़ाई के माध्यम से समाज की मुख्यधारा में बनाए रखना और उन्हें ज्ञान विज्ञान

से संबद्ध करना सराहनीय पहल है। छत्तीसगढ़ के समाज कल्याण संचानालय ने लगभग दो वर्ष पूर्व स्कूल नहीं जा रहे दिव्यांग बच्चों की पहचान कर उन्हें शासकीय अशासकीय शिक्षण संस्थाओं में प्रवेश दिलाने के लिए एक अभियान प्रारंभ किया था। इसके लिए बच्चों के माता पिता से निरंतर बातचीत कर उन्हें बच्चों को स्कूल वापस जाने के भय को दूर करने के लिए प्रेरित किया गया था।

सभी शाला त्यागी बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के लिए छत्तीसगह के कुछ जिलों में पिछले वर्ष बाल मित्र पुस्तकालय एवं गतिविधि केंद्र स्थापित किए गए थे।ऐसे प्रेरक अभियान अप्रवेशी या शाला त्यागी बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के लिए आवश्यक हैं।

निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा अधिनियम के उचित कार्यान्वयन के लिए स्कूलों एवं अन्य जन शिक्षण केंद्रों में पर्याप्त संसाधनों की व्यवस्था करने के साथ-साथ लोगों में जागृति लाना भी आवश्यक है। इसके लिए सरकार एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के साथ-साथ आम नागरिकों को भी आगे आना होगा। स्कूल चलें हम जैसे अभियानों की पूर्ण सार्थकता इसी में है।

इस संबंध मेरी मेरी कुछ मौलिक पंक्तियां हैं :-

शिक्षा के प्रकाश से ही बदलेगी तकदीर।
सभी पढ़ें और सभी बढ़ें,गढ़ें नई तस्वीर।

सामयिक चर्चा

(1) चिन्ता मत करो!

खबर पढ़कर, माथा ठोंक कर
बानी बोले- ''गजाधर!
येल्यो! फिर पड़ी हम पर मार।
छत्तीसगढ़ में बिजली महंगी
घेरलू उपभोक्ताओं पर बड़ा भार
आप इस पर गजाधर!
कहिए क्या प्रतिक्रिया व्यक्त करेंगे?''
गजाधर व्यंग्य से मुस्कराए,
बोले-''बानी! हम तो यही कहेंगे-
चिन्ता मत करो!
उन्होंने बनाया है, वे ही सवारेंगे।

(2) हाई कमान कहेगा जब
खबर पढ़कर
बानी बोले- ''सचमुच गजाधर!
बारिश में भी देखो तो
मोहल्ले-मोहल्ले अब तक
भेजा जा रहा है पानी का टैंकर।
तो दोनों टाइम पानी कब?''
गजाधर मुस्कराए, बोले-
''बानी! हाईकमान कहेगा जब!''

-गिरीश बख्शी

कविता

शिष्य की गुरुदक्षिणा

शिक्षा, दीक्षा और परीक्षा यह वह क्रम है जो केवल एक विद्यार्थी के ही जीवन में आता है। जिसके जीवन में कभी कोई सीखने की चाह ना रहा हो उसके लिए क्या शिक्षा, दीक्षा और परीक्षा। शिक्षा ग्रहण की जाती है, दीक्षा प्रदान की जाती है और परीक्षा गुरु और शिष्य परम्परा की गुण-ज्ञान की मूल्यांकन है जो संज्ञानात्मक और सह संज्ञानात्मक के समेकित ग्रेड को निर्धारित करती है। गुरु-शिष्य अपना दक्षिणा किस भाव से ले व दे सकते है, यह समय पर निर्भर करता है।

शिष्य ज्ञानेश अपने विद्यार्थी जीवन में कक्षा में एक अव्वल दर्जे की विद्यार्थी तो नहीं पर अव्वल दर्जे से भी कम ना थे। गुरु उनके आदर्शवादिता के कायल थे। शिष्य ज्ञानेश पढ़ाई लिखाई के साथ-साथ शाला के अनुशासन, आज्ञाकारी, कर्तव्य परायण, संयमित व्यवहार और विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने वाले रहे। गुरु जी प्रथम कक्षा से लेकर शाला के अंतिम कक्षा के विद्यार्थियों को कुशल शिक्षा प्रदान करने में कोई कसर नहीं छोड़ते थे। सभी को ज्ञान- विज्ञान के साथ-साथ सांसारिक जीवन में कैसे जीना है, बीच-बीच में नैतिक और व्यावहारिक शिक्षा के रूप में गुरु जी अवश्य बताया करते थे। गुरु तो शाला में ही रह जाते हैं, विद्यार्थी अपने उद्देश्य को लेकर आगे की ओर बढ़ जाते हैं। सभी को जान पहचान पाना बाद में थोड़ा सा मुश्किल हो जाता है। गुरुजी के पढ़ाए हुए जितने भी अच्छे शिष्य थे कुछ ना कुछ बन गए थे जो अपने-अपने विभाग के कार्यों में तल्लीन थे।

एक दिन गुरु जी को सुदूर अंचल के गांव भोलापुर जाना हुआ गाँव काफी पिछड़ा हुआ था ,सभी लोग भोले-भाले और बड़े विनम्र थे । वहाँ के अधिकांश बच्चे शिक्षा से वंचित थे तो कुछ पूर्ण रूप से पढ़ नहीं पाए थे। क्योंकि गांव मुख्य मार्ग से कटा हुआ था। ज्ञानेश भी उसी गांव के थे काफी मेहनत के बावजूद भी उन्हें नौकरी नहीं मिल पाई थी ।उन्होंने खेती-बाड़ी को अपना जीवन का आधार बना लिया था । गाँव के साथ - साथ पड़ोसी गाँव को भी उनके ही बाड़ी का सब्जी लोगों तक पहुंचता था। गुरुजी अचानक उनके घर पहुंचे तो शिष्य ज्ञानेश का खुशी का ठिकाना ही ना रहा उन्हें लगा कि इंसान की शक्ल में भगवान दर्शन दे गए हैं । शिष्य तो गुरु को जान चुके थे किंतु गुरु को कुछ बातें बताने पर गुरुजी भी ज्ञानेश को अच्छी तरह से जान गए, गुरु जी ने कहा मुझे आश्चर्य हो रहा है मेरा कुशल, पारंगत शिष्य नौकरी में नहीं है किंतु जो मैं देख रहा हूँ वह नौकरी से भी कम नहीं है, मैं धन्य हो गया तुम अपने कर्म से बड़ा बनने लगे हो । लगभग घंटे भर गुरु शिष्य में चर्चाएं हुई अब कुछ देर बाद गुरु जी को अपने घर जाना था । ज्ञानेश ने मन में सोचा कि गुरु को अपने श्रद्धा भक्ति प्रकट करने के लिए कुछ दान देना चाहिए किंतु ना गांव में वस्त्र दुकान है , नहीं किराना की दुकान जहां से भेंट हेतु वस्त्र या नारियल लिया जा सके और जो दुकान है मेरे गांव से 15 किलोमीटर दूर है। आने-जाने में घटा दो घंटा तो लग ही जाएगा। शिष्य ने शिष्यता के भाव दिखाते हुए एक प्लास्टिक की बोरी में दो जिमी कांदा और एक कुम्हड़ा, दो किलो टमाटर को पैक कर गुरुजी के सामने आकर बोले लीजिए गुरु जी मेरे ओर से एक छोटा सा भेंट मुझसे जो बन पड़ा उसे आप स्वीकार कीजिए आपके लिए यही मेरा गुरु दक्षिणा है। गुरु जी चाहते तो उनसे कुछ और भी ले सकते थे किंतु सुविधा विहीन गाँव में रहकर ज्ञानेश की सफलता और गुरु भक्ति ही गुरु के लिए गुरु दक्षिणा थे।।

मदन मंडावी

कविता

//धूर्तता//

मनुज शांति से रहना सीखो।
ज्यादा ना देना तुम ज्ञान।
अनपेक्षित जो कर दी बातें।
फिर घट जाता है सम्मान।।
रचे धूर्त आडंबर सारे।
और मजे लेता इंसान।।
पग पग मिलते छलने वाले।
जल्द करो इनकी पहचान।।
मोम सरीखे अब ना पिघलो।
हृदय घात से जाती जान।।
अंधों में काना राजा सम।
सभी स्वयं बनते गुणवान।।
अपने ही ठोकर देते हैं।
रिश्ते नाते अरु संतान।।
नहीं रहा अब भाईचारा।
खत्म हो रहा है ईमान।।

प्रिया देवांगन 'प्रियू'
राजिम, जिला - गरियाबंद

कविता

छत्तीसगढ़ीहा सबले बढ़िहा

मीठ बोली हे गुरतूर भखा
सुख-दुख म हे संगी-साखा
अपन समझ के हाथ बटईया
मिल-जूर के कारज करईया
छत्तीसगढ़ीहा सबले बढ़िहा....
छत्तीसगढ के मै हा रहईया...
दाई-बहिनी मन सीता-गीता
ददा-बबा दशरथ कस पिता
नीति-धरम के डहर चलईया
मर्यादा के मान करईया
छत्तीसगढ़ीहा सबले बढ़िहा....
छत्तीसगढ के मै हा रहईया...
बर-पीपर के चौंक-चौपाला
गुणी के गोठ हे सोला-आना
राम-रामायन हे कथा-कहानी
भक्ति-भजन के हे सबो करईया
छत्तीसगढ़ीहा सबले बढ़िहा....
छत्तीसगढ के मै हा रहईया...
गाँव-गंवाई हे परवा-छानी
बखरी-बारी हे खेती-किसानी
खोर-गली हे चिक्कन-चाकन
घर-कुरिया हे सुग्घर आँगन।
छत्तीसगढ़ीहा सबले बढ़िहा....
छत्तीसगढ़ के मै हा रहईया...
बर-पीपर के सुग्घर छईंहा
पंड़की-परेवना म चहके थईंहा
झुनकुर रड्डा डहर पैडगरी
डबरी तरिया,नरवा हे सगरी
छत्तीसगढ़ीहा सबले बढ़िहा...
छत्तीसगढ़ के मै ह रहईया ....

अशोक पटेल 'आशु'
तुस्मा,शिवरीनारायण(छ ग)
9827874578

राशिफल

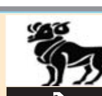

मेष
आज आपका दिन खास रहने वाला है। आज आपको परिवार के लोगों से सपोर्ट मिलेगा। माता-पिता के साथ किसी तीर्थस्थल पर जाने का योग बन रहा है। जो लोग टूर एंड ट्रेवलिंग का बिजनेस कर रहे हैं, उन्हें आज उम्मीद से अधिक फायदा होगा। आप कोई नया वाहन खरीदने के लिये जीवनसाथी से सलाह ले सकते हैं।

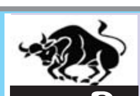

वृष राशि
आज का दिन शानदार रहने वाला है। जो शिक्षक हैं, वो आज छात्रों को कुछ नया सिखायेंगे । घर में किसी दूर के रिश्तेदार के आने की संभावना बन रही है। आज शाम का समय परिवार के साथ बीतेगा। परिवार में खुशी का माहौल बना रहेगा। वहीं जो लोग स्वीट्स का बिजनेस कर रहे हैं, उनको अच्छा मुनाफा होगा।

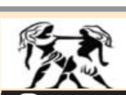

मिथुन
आज का दिन ठीक-ठाक रहेगा। आपको खुद पर ध्यान रखने की जरूरत है। आज आप अपनी जरूरत की चीजों को संभाल कर रखें , जिससे जरूरत पड़ने पर वो आसानी से मिल जाएं। ऑफिस जाते समय सामान और जरूरी पेपर को लेना न भूलें। आज आप भावनाओं को कंट्रोल में रखें , वरना आपके काम बिगड़ सकते हैं।

कर्क
आज का दिन कुछ मिला- जुला रहने वाला है। आपका पूरा दिन भाग- दौड़ में बीतेगा। अगर आप किसी जरूरी काम के लिए जा रहें हैं तो पहले पेपरवर्क पूरा कर लें , जिससे बाद में कोई दिक्कत न आये 7 आज कोई नया काम शुरू करने की सोच रहे हैं तो बेहतर होगा कि बड़ों की सलाह लेकर ही शुरुआत करें।

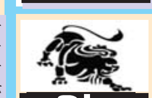

सिंह
आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज अपना कॉन्फिडेंस कम न होने दें, मन लगाकर काम करें। उचित मेहनत से आपके काम में आई रुकावट से भी पार पा लेंगे। जो लोग कहीं बाहर घूमने जा रहे हैं, उनका प्लान किसी कारणवश कैंसिल हो सकता है। कारोबार में पैसों का मामला कहीं उलझ सकता है।

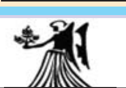

कन्या
आज का दिन बहुत ही बढ़िया रहने वाला है। बिजनेस में आप नया निवेश करने का विचार बना सकते हैं। आप अपनी रुटीन लाइफ में थोड़ा बदलाव कर सकते हैं। जहां जरूरत लगे, वहां समझौता करने के लिए तैयार रहेंगे, इससे आपको काफी फायदा भी होगा। आज किसी पुराने दोस्त से आपकी अचानक मुलाकात होगी।

तुला
आज का दिन ठीक रहने वाला है। काम को लेकर किसी तरह का डर मन में न रखें। आज ऑफिस में आपके कार्यों को लेकर सतर्क रहें। कुछ लोग आपके विरुद्ध प्लानिंग कर सकते हैं, आपको ऐसे लोगों से थोड़ा संभलकर रहना चाहिए। शारीरिक रूप से आपको थोड़ी थकावट महसूस होगी।

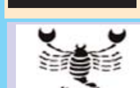

वृश्चिक
आज का दिन उत्साह से भरा रहेगा। परिवार के किसी खास व्यक्ति के बारे में आपको कुछ रोचक बात पता चल सकती है। आज आप ज्यादातर काम आसानी से निपटाने में सफल रहेंगे। अपनी प्रेजेंटेशन और प्लान किसी के सामने रखने से पहले एक बार चेक जरूर कर लें। किसी काम के लिये आपकी कोशिश सफल होंगी।

धनु
आज का दिन खुशियां लेकर आया है। आज आपकी सोच और प्लानिंग स्पष्ट रहेगी। आपकी कल्पना शक्ति का विस्तार होगा। आज कार्यक्षेत्र में आपको कुछ अलग तरह के अनुभव हो सकते हैं। अधिकारियों से अपनी बात कहने के लिए आज का दिन अच्छा है। पारिवारिक मामलों में कोई बड़ा फैसला ले सकते हैं। जो लोग बिजनेसमैन है।

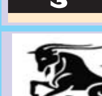

मकर
आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। इस राशि के जो लोग लेखन के क्षेत्र में आगे जाना चाहते हैं उनके लिए आज अपनी प्रतिभा को निखारने का दिन है। आज किसी से बेवजह की बातें न करें, जितना हो सके इन सबसे से दूर रहें। अगर आप खुद की कोई फर्म खोलना चाहते हैं, तो आपको अपने बड़े भाई से सहयोग मिल सकता है।

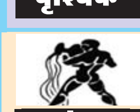

कुंभ
आज खुशियां खुद चलकर आपके सामने आयेंगी। आपकी इनकम बढ़ने के योग बन रहे हैं। आपको किसी नये बिजनेस में साझेदारी का प्रस्ताव मिल सकता है। इसका आपको आने वाले दिनों में काफी फायदा होगा। अगर आप कुछ दिनों से किसी बात को लेकर परेशान चल रहे थे, तो मित्रों के साथ साझा करने से आपको राहत मिलेगी।

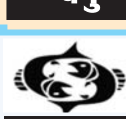

मीन
आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहेगा। आज बिजनेस में नए एग्रीमेंट होने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में आप जो काम करेंगे, उसमें आपको सफलता मिलेगी । कई दिनों से घर में चल रही समस्या आज सुलझ जाएगी। आप किसी पार्ट टाइम वर्क की शुरूआत कर सकते हैं, धैर्य और संयम बनाकर रखें।

डोंगरगांव में शिवनाथ के जल से महाकाल का जलाभिषेक

डोंगरगांव (दावा)। श्रावण मास के पहले सोमवार को नगर के मटिया वार्ड क्रमांक 14 स्थित द्वादश ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर से भक्तिमय संकीर्तन के साथ भव्य कांवड़ यात्रा निकाली गई। इस यात्रा में बड़ी संख्या में बच्चों ने भाग लिया, जो आस्था और उत्साह का अद्भुत संगम प्रस्तुत कर रही थी। मंदिर प्रांगण से शुरू हुई यह कांवड़ यात्रा शिवनाथ नदी तक गई, जहाँ बच्चों ने पवित्र जल भरा। वापस लौटकर उन्होंने महाकाल मंदिर के द्वादश ज्योतिर्लिंग का जलाभिषेक किया। कांवड़ यात्रा के बाद प्रदोष काल में आचार्य शशांक शर्मा ने 4 जोड़ों के माध्यम से रुद्राभिषेक संपन्न कराया।

कांवड़ यात्रा में बच्चों ने बढ़ - चढ़कर लिया हिस्सा

नगर में आस्था के केंद्र बिंदु द्वादश ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर सहित सभी शिव मंदिरों में सावन मास के प्रारंभ होते ही श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा है और सुबह-शाम जलाभिषेक का दौर लगातार जारी है। इसी क्रम में श्रावण मास के मद्देनजर मंदिर संचालन समिति द्वारा इस कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया था। इस कांवड़ यात्रा में लगभग 80 विद्यार्थी बच्चे शामिल हुए, जिन्होंने मंदिर से शिवनाथ नदी तक कांवड़ यात्रा की और वापस आकर ज्योतिर्लिंग का जलाभिषेक किया। यात्रा मार्गदर्शन में पुरुषोत्तम साहू, पूसउ पटेल, घनश्याम हिरवानी, तोरण साहू, एलन साहू, सुरेश साहू, मोहन साहू, ओमकार साहू, सती यादव, यशवंत पटेल, भवानी शंकर साहू, डामिन साहू और नीलम साहू सहित कई सदस्य शामिल रहे।

अच्छी बारिश और सुख-समृद्धि के लिए कांवरियों ने की 20 किमी की पदयात्रा, महेश्वर महादेव का जलाभिषेक

राजनांदगांव (दावा)। अच्छी बारिश और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना को लेकर कांवरियों ने शिवनाथ नदी के तट पर स्थित सांकरदाहरा से जल भरकर तपोभूमि स्थित महेश्वर महादेव का जलाभिषेक किया। करीब 20 किलोमीटर की लंबी पदयात्रा कर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने यह अनुष्ठान पूरा किया। सांकरदाहरा से जल कांवड़ और कलश में लेकर श्रद्धालु पैदल ही तपोभूमि पहुंचे। वहां पहुंचकर उन्होंने महेश्वर महादेव का रुद्राभिषेक किया और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। कांवरिए सावन के प्रत्येक सोमवार को इसी तरह पदयात्रा कर तपोभूमि पहुंचते हैं।

कांवरियों का समिति ने किया भव्य स्वागत

सावन माह में ग्राम पथरानवागांव, माटराखुज्जी, भरनाभाट, राघोनवागांव, अरजकुण्ड, मनकी और कलडबरी के श्रद्धालु शिवनाथ नदी का जल लेकर पैदल ही तपोभूमि पहुंचते हैं। इस दौरान, महेश्वर महादेव मंदिर समिति के सदस्यों ने पदयात्री कांवरियों का राघोनवागांव में भव्य स्वागत किया। समिति के सदस्य और पूर्व जिला पंचायत सदस्य चंद्रप्रभा सुधाकर के नेतृत्व में कांवड़ यात्रा की अगवानी की गई।

सद्भाव और सौहार्द की अनूठी मिसाल

जत्थे में शामिल भागवत साहू और मूलचंद चौधरी ने बताया कि पिछले दो वर्षों में तपोभूमि स्थित महेश्वर महादेव के प्रति ग्रामीणों की श्रद्धा तेजी से बढ़ी है। पदयात्रा के दौरान कांवरियों में सद्भाव और सौहार्द की अनूठी मिसाल देखने को मिली, जो इस यात्रा को और भी विशेष बनाती है। इस कांवड़ यात्रा में सूरजभान साहू, दीनू साहू, ब्रह्मगिरि गोस्वामी, निर्मला साहू और प्रेमलाल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल थे।

विधानसभा नया रायपुर में आयोजित वृक्षारोपण में सम्मिलित हुई विधायक, किया पौधरोपण

डोंगरगढ़ (दावा)। विधायक हर्षिता स्वामी बघेल वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा विधानसभा, नया रायपुर में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाग लिया। यह कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था, जिसमें विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों और सरकारी अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

पर्यावरण को बचाना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है- श्रीमती बघेल

विधायक बघेल ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि वृक्षारोपण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा, पर्यावरण को बचाना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। ऐसे कार्यक्रमों से न सिर्फ हरियाली बढ़ती है, बल्कि लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता भी आती है। वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग लगातार ऐसे आयोजनों के माध्यम से प्रदेश में हरित क्षेत्र बढ़ाने और जनभागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहा है। उक्त कार्यक्रम में उपस्थित समस्त मंत्री मंडल समस्त विधायक गण एवं विभागीय अधिकारी कर्मचारी सम्मिलित हुए।

पहला कॉलम...

सांसद पाण्डेय के प्रयासों से सभी लोकल ट्रेनें 15 जुलाई से फिर शुरू होंगी : डॉ. बाफना

डोंगरगढ़ (दावा)। डोंगरगढ़ से होकर गुजरने वाली सभी लोकल ट्रेनें 15 जुलाई से फिर से पटरी पर लौट रही हैं। यह घोषणा करते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. पन्नालाल बाफना ने बताया कि यह रेलवे सेवाएं सांसद संतोष पाण्डेय के 'सार्थक एवं दृढ़ प्रयासों' का परिणाम है। डॉ. बाफना ने कहा कि इन ट्रेनों के दोबारा शुरू होने से दैनिक रेल यात्रियों, मध्यमवर्गीय और गरीब तबके के लोगों को अत्यधिक लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि सांसद संतोष पाण्डेय ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से व्यक्तिगत रूप से बात कर इन लोकल ट्रेनों को बहाल करने की मांग की थी, जिसे अब मंजूरी मिल गई है। डॉ. बाफना ने इस पहल को 'आम यात्रियों जिनमे विशेषकर डोंगरगढ़, राजनांदगांव, भिलाई, दुर्ग, रायपुर और आसपास के क्षेत्रों से रोजाना सफर करने वालों के लिए राहत भरा' बताया। उन्होंने डोंगरगढ़ सहित पूरे क्षेत्र की ओर से सांसद संतोष पाण्डेय के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

रीड यूथ सोसायटी ने लिया 1000 से अधिक पौधारोपण का संकल्प

राजनांदगांव (दावा)। पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए समाजसेवी संस्था रीड यूथ सोसायटी ने 'एक पेड़ मां के नाम 2.0' अभियान के तहत 1000 से अधिक पौधे लगाने का संकल्प लिया है। इस 'वृक्षारोपण महाअभियान 2025' का उद्देश्य 'आइए पेड़ लगाएं, स्वस्थ स्वच्छ पर्यावरण बनाएं' के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। संस्था के सक्रिय सदस्यों ने लगातार पौधारोपण का कार्य शुरू कर दिया है। लगाए गए पौधों के संरक्षण के लिए जाली तार और अन्य सुरक्षा व्यवस्था भी की जा रही है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि पौधे ठीक से विकसित हों। इस महत्वपूर्ण अभियान में संस्था के अध्यक्ष विनोद कुमार, कार्यक्रम प्रबंधक तोरण पटेल, जितेंद्र, भावेश, तकनीकी प्रभारी चंद्रप्रकाश और साहिल देवांगन के साथ-साथ अन्य सदस्यों द्वारा सक्रिय भूमिका निभाई जा रही है। यह पहल राजनांदगांव में हरित आवरण बढ़ाने और स्वच्छ पर्यावरण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान देगी।

नौकरी लगाने के नाम पर ठगी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

नौकरी लगाने के नाम पर 6,90,000 का रूपये का किया ठगी

खैरागढ़ (दावा)। नौकरी लगाने के नाम पर ठगी करने वाला युवक गिरफ्तार किया है। प्रार्थीया भगवती साहू उम्र 52 साल निवासी भोरमपुर खुर्द ने सोमवार 14 जुलाई को रिपोर्ट दर्ज कराई, कि इनका परिचय यतीश सिन्हा पिता महेश सिन्हा के साथ हैं, जिसका इनके घर आना जाना हैं, इसी दौरान यतीश सिन्हा ने प्रार्थीया भगवती साहू को बोला की मैं शिक्षा विभाग में कई लोगों का नौकरी लगा चुका हूं, तुम्हारा बेटा टिकेंद्र साहू की भी नौकरी लगा दूंगा। इसके लिए 10,00,000 रूपये देना पड़ेगा इसके बाद यतीश सिन्हा हर दूसरे तीसरे दिन प्रार्थीया के घर आकर नौकरी लगाने की बात बोलकर पैसे के लिए बोलता था। जिससे प्रार्थीया भागवती साहू आरोपी यतीश सिन्हा के बातों में आ गई और सात लाख में बात पक्का हुआ। यतीश सिन्हा प्रार्थियां भगवती साहू को विश्वास में लेकर इनके पुत्र टिकेंद्र साहू को नौकरी लगाने के नाम पर तीन किस्तों में 6,90,000 रुपये (छः लाख नब्बे हजार) घर में आकर नगद ले लिया। इसके बाद यतीश सिन्हा के द्वारा पैसे के एवज में 14 मई 2025 को 70,000 रूपये एचडीएफसी बैंक का चेक क्रमांक 000109 को दिया व 25 मई 2025 को 3,50,000 रूपये का चेक क्रमांक 000113 को प्रार्थीयां के दामाद राजेश कुमार साहू के नाम पर दिया तथा 16 जून 2025 को 90,000 रूपये का तीसरा चेक क्रमांक 000112 को इनके पुत्र टिकेंद्र साहू के नाम से दिया जो तीनों चेक बाउंस हो गया। यतीश सिन्हा के द्वारा नौकरी लगाने के नाम पर 6,90,000 (छः लाख नब्बे हजार) रूपये का धोखाधड़ी किया है, कि रिपोर्ट पर थाना खैरागढ़ में अपराध क्रमांक 348/2025 धारा 318(4) बीएनएस पंजीबद्ध कर प्रकरण का बारीकी से अनुसंधान कर त्वरित कार्यवाही करते हुये आरोपी यतीश सिन्हा को सोमवार 14 जुलाई को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

आईटीबीपी डोंगरगढ़ द्वारा नेहरू महाविद्यालय में 'वृक्षारोपण कार्यक्रम' का आयोजन

डोंगरगढ़ (दावा)। वृक्षारोपण 2025 अभियान के अर्तगत पर्यावरण संरक्षण के प्रति सतत योगदान की भावना के साथ 40वीं वाहिनी आईटीबीपी द्वारा वर्ष 2025 के दौरान 8400 पौधारोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसी क्रम में दिनांक 14 जुलाई को सामरिक मुख्यालय, 40वीं वाहिनी, आईटीबीपी डोंगरगढ़ द्वारा नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय, डोंगरगढ़ में तेजभान सिंह, कमांडेंट के प्रेरणादायक मार्गदर्शन में विनोद कुमार, द्वितीय कमान के नेतृत्व में अजय सिंह, सहायक सेनानी एवं डॉ. ई.बी.रेवती, प्रिंसपल(इन्चार्ज), शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ की उपस्थिति में 'वृक्षारोपण कार्यक्रम' का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय, डोंगरगढ़ में फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण का कार्यक्रम रखा गया। जिसमें उपस्थित सामरिक मुख्यालय, 40वीं वाहिनी, डोंगरगढ़, आईटीबीपी के सभी पदाधिकारी, कॉलेज के कर्मचारी छात्र-छात्राओं एवं एन.सी.सी. के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह अभियान पर्यावरणीय चेतना को बढ़ावा देने एवं समाज को हरियाली की ओर प्रेरित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। कार्यक्रम के अंत में कमान अधिकारी के द्वारा बताया गया कि वृक्षारोपण न केवल पर्यावरण को संवारते हैं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी फायदे भी देते हैं। स्कूलों और कॉलेजों में वृक्षारोपण से छात्रों को प्रकृति के महत्व की जानकारी मिलती है व युवा इन अभियानों में भाग लेकर नेतृत्व और सामाजिक जिम्मेदारी सीखते हैं।

वृक्षारोपण न केवल पर्यावरण को संवारते हैं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी फायदे भी देते हैं- विनोद कुमार कमान अधिकारी

वृक्षारोपण कार्यक्रम समाज को एकजुट करने, जागरूक बनाने और भविष्य के लिए तैयार करने का एक सशक्त माध्यम है। वृक्षारोपण कोई एक दिन का काम नहीं है, यह एक जीवन शैली, एक कर्तव्य और एक प्रतिज्ञा है। आइए, हम सब मिलकर इस हरित क्रांति का हिस्सा बनें और अपने समाज को एक स्वच्छ, सुंदर और सुरक्षित भविष्य की ओर ले जाएँ। सामरिक मुख्यालय, 40वीं वाहिनी, डोंगरगढ़, आईटीबीपी द्वारा यह आयोजन न केवल पर्यावरणीय प्रतिबद्धता का प्रतीक है, बल्कि यह समाज और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्य-बोध का एक प्रेरणादायक उदाहरण भी प्रस्तुत करता है।

रामाटोला सरस्वती शिशु मंदिर में प्रवेश उत्सव मनाया गया

डोंगरगढ़ (दावा)। सरस्वती शिशु मंदिर रामाटोला में प्रवेश उत्सव मनाया गया। जिसमें मां सरस्वती की पूजा अर्चना एवं भैया बहनों को मिठाई खिलाकर आशीर्वाद दिया गया। मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य प्रशांत कोडापे, विशेष अतिथि महेश सेन, ग्राम पंचायत के सरपंच पोषण साहू, सरस्वती शिक्षा समिति के व्यवस्थापक केशो राम वर्मा, अध्यक्ष मनोज देवांगन सचिव गैदलाल देवांगन, नागराज साहू, मन्नू लाल वर्मा, ज्ञान चंद वर्मा, पुरन साहू, कुलेश देवांगन संस्था के सभी दीदी सहित बड़ी संख्या में भैया-बहने उपस्थित रहे।

सुदीप श्रीवास्तव प्रेस क्लब छुईखदान के अध्यक्ष बने

छुईखदान (दावा)। शहीद नगरी छुईखदान में प्रेस क्लब छुईखदान का गठन किया गया जिसमें दैनिक भास्कर के पत्रकार सुदीप श्रीवास्तव को सर्वसम्मति से प्रेस क्लब के छुईखदान का अध्यक्ष चुना गया। दीपक देशमुख सचिव, शैलेंद्र तिवारी को उपाध्यक्ष बनाए गए, कोषाध्यक्ष संदीप महोबिया दीनदयाल यदू को सहसचिव, विक्रम सिंह ठाकुर को संगठन सचिव बनाया गया। ज्ञात हो कि छुईखदान प्रेस क्लब वर्षों से संचालित होते आ रहा है उसके तत्कालीन अध्यक्ष नीलम वैष्णव का कार्यकाल पूरा होने के बाद पिछले महीने नया सदस्यता के साथ बैठक किया गया। जिसमें 15 सदस्य बनाए गए, उसके बाद आज स्थानीय पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह में प्रेस क्लब के गठन को लेकर एक बैठक की गई जिसमें सर्वसम्मति से सुदीप श्रीवास्तव को अध्यक्ष हेतु चुना गया।

20 वर्षों से पत्रकारिता से जुड़े है श्रीवास्तव

सुदीप श्रीवास्तव क्षेत्र के जुझारू एवं निष्पक्षता के साथ पत्रकारिता हेतु जाने जाते है। श्री श्रीवास्तव 20 वर्षों से पत्रकारिता से जुड़े हुए हैं, प्रेस क्लब अध्यक्ष चुनाव के बाद सुदीप श्रीवास्तव ने सभी वरिष्ठ पत्रकारों का आशीर्वाद लिया और सबको एक साथ मिलकर चलने के लिए अनुरोध किया। ज्ञात हो की छुईखदान प्रेस क्लब एक ऐसा प्रेस क्लब है। जो वर्षों से संचालित है व लगातार किसी न किसी रूप में संचालित होते रहा है आज के बैठक में प्रेस क्लब के संरक्षण के जिला प्रेस क्लब अध्यक्ष सज्जाक खान, नीलम वैष्णव, संजय शर्मा, दीपक जैन, अनिल यादव को प्रेस क्लब का संरक्षक बनाया गया एवं कार्यकारी सदस्य में महेंद्र सिंह देवेश सोनी करण सिंह ठाकुर, अंकित महोबिया को बनाया गया है।

वनांचल की होनहार दीप्ती चौरे का सब इंजीनियर पद पर चयन: हर्ष व्याप्त

राजनांदगांव (दावा)। आदिवासी बहुल मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के अंबागढ़ चौकी विकासखंड स्थित ग्राम भगवानटोला की होनहार छात्रा कुमारी दीप्ती चैरे का लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग में सब इंजीनियर के पद पर चयन होने से पूरे वनांचल में हर्ष का माहौल है।

दीप्ती चैरे शुरू से ही एक मेधावी विद्यार्थी रही हैं। उन्होंने हाल ही में छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा उप अभियंता पद हेतु आयोजित परीक्षा में सफलता प्राप्त कर यह मुकाम हासिल किया है। दीप्ती की प्रारंभिक शिक्षा श्री गुरुनानक हायर सेकेंडरी स्कूल राजनांदगांव से हुई थी। इसके बाद उन्होंने युगांतर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट राजनांदगांव से सिविल इंजीनियरिंग में बीटेक की उपाधि प्राप्त की।

साधारण परिवार की छात्रा ने हासिल की बड़ी उपलब्धि

दीप्ती चैरे के पिता पुरुषोत्तम चैरे पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय राजनांदगांव में आरक्षक के पद पर पदस्थ हैं और उनकी माता श्रीमती चंद्रिका चैरे एक गृहिणी हैं। वनांचल के एक साधारण परिवार से आने वाली इस छात्रा की इस महत्वपूर्ण पद पर उपलब्धि पर वनांचल के लोगों के साथ-साथ उनके शुभचिंतकों और परिजनों ने उनकी सराहना करते हुए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

कुमारी दीप्ती वर्तमान में छत्तीसगढ़ राज्य लोक सेवा आयोग सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की भी तैयारी कर रही हैं। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय ईश्वर के अलावा अपने गुरुजनों, माता-पिता, परिजनों और शुभचिंतकों को दिया है। दीप्ती ने अपने संदेश में कहा है कि कठिन परिश्रम, सकारात्मक सोच, धैर्य और लगन से जीवन में कोई भी उपलब्धि हासिल करना असंभव नहीं है।

भाजपा मंडल छुरिया की नई कार्यकारिणी घोषित : कामता साहू बने अध्यक्ष

छुरिया (दावा)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव के अनुशंसा पर जिला अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत, महामंत्री सौरभ कोठारी के द्वारा मंडल भाजपा छुरिया की कार्यकारिणी घोषित की गई। जिसमें छुरिया भाजपा मंडल अध्यक्ष कामता प्रसाद साहू (डुमरडीह), उपाध्यक्ष नैनसिंह पटेल (हालेकोसा), हितेश गुप्ता (बखरूटोला), खिलेंद्र साहू (नागरकोहरा), श्रीमती भानबाई चंद्रवंशी (केशोटोला), महामंत्री शेखर भारद्वाज (कल्लूटोला), अशोक मरकाम (पिनकापार), मंत्री राजकुमार सिन्हा (पाटेकोहरा), श्रीमती सुकुन बाई बडोले (शिकारीमाहका), श्रीमती प्रभा पवार (बैरागीभेड़ी), श्रीमती भारती रजक (छुरिया) कोषाध्यक्ष शिवा मिश्रा (ब्राह्मणी चारभाठा), सोहन साहू सहकोषाध्यक्ष (भोलापुर), शिशुपाल साहू मीडिया प्रभारी (भोलापुर), कुश कुंभकार सहमिडिया प्रभारी (छुरिया), मोनेश साहू सोशल मीडिया प्रभारी (पैरीटोला), विनोद यादव सहायक सोशल मीडिया प्रभारी (पिनकापार), खिलेश कुमार साहू, कार्यालय प्रभारी (छुरिया) एवं आनंद शुक्ला सह.कार्यालय प्रभारी (सड़क चिरचारी) को जिम्मेदारी सौंप दी गई है।

शेखर भारद्वाज एवं अशोक मरकाम को मिली महामंत्री की जिम्मेदारी

इसके अलावा मंडल कार्यकारिणी सदस्य के लिए देवदास साहू, श्रीमती हीरमोतीन साहू, श्रीमती मालती बाई ऊईके, लेखराम निर्मलकर, श्रीमती रेखा बाई गंधर्व, श्यामसुंदर साहू, शांताराम पंजारे, प्रीतम साहू, भारत साहू, चंद्रशेखर बांधे, महेश साहू, यादवदास वैष्णव, श्रीमती अंजू बाई धनकर, शेखर साहू, विक्रांत श्रीवास्तव, मनोज साहू, धन्नालाल यादव, पदमभूषण साहू, स्वप्निल पटेल, श्रीमती द्रौपदी उईके, सुश्री लक्ष्मी यादव, श्रीमती दूलेश्वरी चंद्रवंशी, श्रीमती आरती नेताम, श्रीमती ईंगला बाई कतलाम, श्रीमती मीना पुजेरी, श्रीमती आशाबाई कोर्राम, टीकम प्रसाद पाण्डेय, उभेराम मंडावी, श्रीमती राधिका बाई चंद्रवंशी, मुकुंद चंद्रवंशी, गुरचरण कतलाम, महेश चंद्रवंशी, तिलक साहू, इठोवा चौहान, मोहन साहू, संतोष सिंन्हा, बाबूलाल पड़ोती, भानसिंह चंद्रवंशी, श्रीमती त्रिवेणी कुंभकार, श्रीमती उत्तराबाई निषाद, श्रीमती सुनीता सेवता, टोमेश कुंभकार, श्रीमती सलूजा कोमरे, श्रीमती गौरी सिन्हा, श्रीमती ललिता कुंभकार, श्रीमती चुनिया बाई, श्रीमती बिंदु साहू, दानेश्वर मंडावी, फूलचंद ठाकुर, सोहन कुंजाम, सुनील कसेर, रोहित सिन्हा, आमिर खान, चेतन साहू, सलमान खान, शत्रुहण चंद्रवंशी एवं धर्मवीर चंद्रवंशी को मंडल कार्यकारणीय सदस्य के रूप में शामिल किया गया।

भाजपा मंडल छुरिया के सभी मंडल पदाधिकारी को जिला भाजपा अध्यक्ष कमल सिंह राजपूत, महामंत्री सौरभ कोठारी, महामंत्री रविंद्र वैष्णव, महामंत्र राजेंद्र गोलछा, जिला भाजपा उपाध्यक्ष चंद्रिका प्रसाद डडसेना, एमडी ठाकुर उपाध्यक्ष अनुसूचित जनजाति मोर्चा रायपुर, श्रीमती किरण वैष्णव अध्यक्ष जिला पंचायत राजनांदगांव, श्रीमती गीताघासी साहू पूर्व अध्यक्ष जिला पंचायत राजनांदगांव, संजय कुमार सिन्हा अध्यक्ष जनपद पंचायत छुरिया, अजय पटेल अध्यक्ष नगर पंचायत छुरिया, प्रशांत ठाकुर उपाध्यक्ष जनपद पंचायत छुरिया, भुषण नेताम उपाध्यक्ष नगर पंचायत छुरिया, सुरेंदर सिंह भाटिया, राधेश्याम शर्मा, जगजीत सिंह भाटिया सहित वरिष्ठ नेताओं ने शुभकामनाएं प्रेषित किया है।

यूथ एंड इको क्लब द्वारा पेंटिंग प्रतियोगिता

हरदी (दावा)। लोगों में जागरूकता लाने व पर्यावरण को संरक्षित करने के उद्देश्य से शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय टटेंगा में प्लास्टिक मुक्त भारत की थीम पर पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के 27 विद्यार्थी प्रतिभागी बने। इस आयोजन पर प्राचार्य आर.के. देवांगन ने सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों की सराहना की और उन्होंने कहा कि ऐसे ही भागीरथ प्रयासों से ही समाज, ग्राम और नगर में चेतना आएगी तथा लोग एक बार उपयोग में आने वाले प्लास्टिक की जगह पेपर बैग या थैले का उपयोग करेंगे। जिससे प्रदूषण कम होगा। यूथ एंड इको क्लब के प्रभारी व्याख्याता अजय पाठक ने बताया कि वर्तमान समय में स्वच्छ पर्यावरण का सबसे बड़ा दुश्मन प्लास्टिक है। इससे न केवल इंसान बल्कि जानवर भी प्रभावित हो कर मर रहे है। इस प्रतियोगिता के निर्णायक रेशमी साहू और पवन सिन्हा थे। इस प्रतियोगिता में कक्षा 11वीं की यामिनी ने प्रथम, 12वीं की प्रियंका ने द्वितीय व 10वीं के डेविड ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। शेष सभी विद्यार्थियों को सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर प्रतियोगिता के सफल संचालन में चंद्रमणि वासनिक, हेपशिबा एंथोनी, रीना बोरकर, वेद प्रकाश साहू, चंद्रप्रकाश सोनबोइर व अनुराधा खरे ने विशेष सहयोग प्रदान किया।

पहला कॉलम...

खेल के साथ कमाई में भी अव्वल हैं साइना नेहवाल, करोड़ों की नेट वर्थ की मालकिन

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन स्टार साइना नेहवाल और उनके पति पारुपल्ली कश्यप ने आपसी सहमति से अलग होने के फैसले का ऐलान किया है। साइना नेहवाल ने इंस्टाग्राम पर यह जानकारी दी। साइना और पूर्व शटलर कश्यप ने दिसंबर 2018 में शादी की थी। शादी के लगभग 7 साल बाद दोनों ने अलग होने का फैसला किया है। इस खबर के सामने आने के बाद साइना नेहवाल की निजी लाइफ चर्चा में आ गई है। भारतीय बैडमिंटन को नई ऊंचाई देने वाली साइना नेहवाल सिर्फ एक खिलाड़ी नहीं, बल्कि करोड़ों खेल प्रेमियों के लिए प्रेरणा का नाम हैं। साइना नेहवाल ने भारत के लिए ओलंपिक ब्रॉन्ज मेडल, कई इंटरनेशनल खिताब और वर्ल्ड नंबर-1 का गौरव हासिल किया है। वह भारत की पहली महिला बैडमिंटन खिलाड़ी हैं, जिन्होंने ओलंपिक में मेडल जीता था। खेल के साथ-साथ उनकी कमाई और लग्जरी लाइफस्टाइल भी हमेशा सुर्खियों में रहती है। आइए जानते हैं साइना नेहवाल की कुल संपत्ति और उनकी आमदनी के बारे में। साइना नेहवाल की कुल नेट वर्थ का अनुमान 35 से 40 करोड़ रुपये के बीच लगाया जाता है। उन्होंने अपने खेल करियर में टूर्नामेंट इनामी राशि, ब्रांड एंडोर्समेंट और निजी निवेश से अच्छी-खासी संपत्ति अर्जित की है। साइना की कमाई का बड़ा हिस्सा बैडमिंटन टूर्नामेंट्स में जीत से आता है। इसके अलावा वह कई नामचीन ब्रांड्स की ब्रांड एंबेसडर भी रह चुकी हैं। मोबाइल कंपनियों, हेल्थ सप्लिमेंट्स और खेल उपकरण ब्रांड्स के साथ उनके करार रहे हैं, जिससे उन्हें करोड़ों की कमाई हुई है। साइना की सालाना कमाई 4-5 करोड़ रुपये के आसपास मानी जाती है, जिसमें ब्रांड विज्ञापन और प्रमोशनल इवेंट्स शामिल होते हैं।

आईसीसी ने मोहम्मद सिराज पर ठोका मोटा जुर्माना

नई दिल्ली। भारतीय टीम के स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज पर आईसीसी ने आचार संहिता के उल्लंघन के लिए जुर्माना लगाया है। आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन में पाए जाने के बाद 31 साल के सिराज पर मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगा है। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 के तीसरे टेस्ट के चौथे दिन बेन डकेट से उलझते हुए सिराज ने एक शर्मनाक हरकत की थी, जिसके लिए उन्हें आईसीसी से अब दंड मिला है।

दरअसल, भारत और इंग्लैंड के बीच खेल जा रहे लॉर्ड्स टेस्ट मैच के चौथे दिन (13 जुलाई) को मैदान पर गहमागहमी देखने को मिली। चौथे दिन जब भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट को आउट किया, तो उन्हें आक्रामक अंदाज से जश्न मनाते हुए देखा गया। सिराज ने इंग्लिश बल्लेबाज को आंखें दिखाई और इस दौरान वो बल्लेबाज के बेहद करीब थे, इसके कारण दोनों के कंधे भी टकराए।

नाइजीरिया के पूर्व राष्ट्रपति मुहम्मदु बुहारी का निधन, पीएम मोदी जताया शोक

नई दिल्ली। नाइजीरिया के पूर्व राष्ट्रपति मुहम्मदु बुहारी का निधन हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नाइजीरिया के पूर्व राष्ट्रपति मुहम्मदु बुहारी के निधन पर शोक व्यक्त किया और भारत के साथ मित्रता के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता की प्रशंसा की। सैन्य प्रमुख और लोकतांत्रिक राष्ट्रपति के रूप में दो बार नाइजीरिया का नेतृत्व कर चुके बुहारी का लंदन में निधन हुआ है। बुहारी का यहां इलाज चल रहा था। उनकी उम्र 82 वर्ष थी। पीएम मोदी ने च्एक्सज् पर अपने शोक संदेश में कहा, नाइजीरिया के पूर्व राष्ट्रपति मुहम्मदु बुहारी के निधन से गहरा दुख हुआ है। मुझे विभिन्न अवसरों पर हमारी मुलाकातों और बातचीत की याद आती है। भारत-नाइजीरिया मित्रता के प्रति उनकी बुद्धिमत्ता, गर्मजोशी और अटूट प्रतिबद्धता विशिष्ट थी।ज्ज् प्रधानमंत्री ने कहा, च्मैं भारत के 1.4 अरब लोगों के साथ बुहारी के परिवार, नाइजीरिया की जनता और वहां की सरकार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं।

शेयर बाजार में गिरावट, सेंसेक्स 247 और निफ्टी 68 अंक टूटा

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले हफ्ते शुरू हुआ गिरावट का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। शेयर बाजार आज लगातार चौथे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। सोमवार को बीएसई सेंसेक्स 247.01 अंकों (0.30त्न) की गिरावट के साथ 82,253.46 अंकों पर बंद हुआ। इसी तरह, आज एनएसई का निफ्टी 50 इंडेक्स भी 67.55 अंकों (0.27त्न) के नुकसान के साथ 25,082.30 अंकों पर बंद हुआ। सोमवार को मुख्य रूप से आईटी और फाइनेंस सेक्टर की कंपनियों में गिरावट दर्ज की गई।

सोमवार को सेंसेक्स की 30 में से सिर्फ 10 कंपनियों के शेयर ही बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुए और बाकी की सभी 20 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह, निफ्टी 50 की 50 में से 22 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुए और 27 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ लाल निशान में बंद हुए, जबकि एक कंपनी का शेयर आज बिना किसी बदलाव के बंद हुआ।

लॉर्ड्स में नहीं चला भारतीय टीम का जादू, विदेशी धरती पर दूसरी सबसे करीबी हार; सीरीज 1-2 पर पहुंची

लॉर्डर्स। इंग्लैंड ने भारत को 22 रन से हरा दिया। सोमवार को लॉर्ड्स टेस्ट के आखिरी दिन मेजबानों ने भारतीय टीम को 170 के स्कोर पर ऑलआउट किया और मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-2 से बढ़त हासिल कर ली। इससे पहले बेन स्टोक्स की टीम ने भारत को लीड्स टेस्ट में पांच विकेट से हराया था। वहीं, भारतीय टीम ने दूसरा टेस्ट (एजबेस्टन टेस्ट) 336 रन से जीता था। बता दें कि, विदेशी धरती पर यह भारतीय टीम की दूसरी सबसे करीबी हार है। इससे पहले टीम को 1977 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ब्रिस्बेन में 16 रनों से शिकस्त मिली थी।

170 पर ऑलआउट हुई भारतीय टीम

लॉर्ड्स टेस्ट में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था और पहली पारी में 10 विकेट पर 387 रन बनाए। उनके लिए जो रूट ने 104 और जेमी स्मिथ व ब्रायडन कार्स ने क्रमशः 51 और 56 रनों की पारियां खेलीं। इसके बाद भारत ने भी 10 विकेट पर 387 रन ही बनाए। उनकी तरफ से केएल राहुल ने 100, ऋषभ पंत ने 74 और रवींद्र जडेजा ने 72 रनों की पारियां खेलीं। दूसरी पारी में इंग्लैंड ने 10 विकेट खोकर 192 रन बनाए और भारत के सामने 193 रन का लक्ष्य रखा, जिसे भारतीय टीम हासिल नहीं कर पाई और 170 के स्कोर पर ऑलआउट हो गई।

जडेजा की मेहनत पर फिरा पानी

भारत की दूसरी पारी झटके के साथ शुरू हुई। कुल पांच के स्कोर पर जोफ्रा आर्चर ने यशस्वी जायसवाल को विकेट के पीछ जेमी स्मिथ के हाथों कैच कराया। वह खाता खोले बिना आउट हुए। इसके बाद मोर्चा केएल राहुल और करुण नायर ने संभालने की कोशिश की। दोनों ने कुछ अच्छे शॉट्स खेले और दूसरे विकेट के लिए 66 गेंदों में 36 रन जोड़े। ब्रायडन कार्स ने इस साझेदारी को तोड़ दिया। उन्होंने नायर को एलबीडब्ल्यू आउट किया। वह 33 गेंदों में एक चौके की मदद से 14 रन बनाकर पवेलियन लौटे। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए कप्तान शुभमन गिल पहली पारी के बाद दूसरी पारी में भी कुछ बड़ा कारनामा करने से नाकाम रहे। उन्हें भी कार्स ने ही एलबीडब्ल्यू आउट किया। इसके बाद बेन स्टोक्स ने नाइट वॉचमैन के तौर पर आए आकाश दीप को बोल्ड कर दिया। वह 11 गेंदों में सिर्फ एक रन बना पाए।

दूसरे दिन का खेल 58/4 के स्कोर से शुरू हुआ। पहले सत्र में टीम ने तीन विकेट गंवाए। लंच से पहले भारत ने ऋषभ पंत (9 रन), केएल राहुल (39 रन) के विकेट गंवाए। इसके बाद वॉशिंगटन सुंदर खाता नहीं खोल सके। फिर नीतीश (13) भी पवेलियन लौटे। दूसरे सत्र में जडेजा को जसप्रीत बुमराह का साथ मिला। दोनों के बीच 132 गेंदों में 35 रनों की साझेदारी हुई, जिसे बेन स्टोक्स ने तोड़ा। उन्होंने बुमराह को सैमुअल कुक के हाथों कैच कराया। वह 54 गेंदों में पांच रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद जडेजा को मोहम्मद सिराज का साथ मिला। दोनों ने आखिरी विकेट के लिए 80 गेंदों में 23 रन जोड़े। सिराज को शोएब बशीर ने बोल्ड किया। वह चार रन बना पाए जबकि जडेजा 181 गेंदों में 61 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने 150 गेंदों में अपने टेस्ट करियर का 25वां अर्धशतक पूरा किया। इंग्लैंड के लिए दूसरी पारी में जोफ्रा आर्चर और बेन स्टोक्स ने तीन-तीन विकेट लिए जबकि ब्रायडन कार्स को दो सफलता मिलीं। वहीं, क्रिस वोक्स और शोएब बशीर ने एक-एक विकेट अपने नाम किया।

एडन मारक्रम को आईसीसी ने प्लेयर ऑफ द मंथ चुना

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका की टीम ने लंबे समय बाद किसी आईसीसी खिताब को अपने नाम किया है। बीच बीच में टीम इसके करीब तो पहुंच रही, लेकिन आखिरी वक्त में चूक जा रही थी। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप जीतने की साउथ अफ्रीका की खुशी इसलिए भी दोगुनी हो गई थी, क्योंकि टीम ने ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम को पछाड़ा था। इस जीत के हीरो सही मायनों में एडन मारक्रम रहे। जिन्होंने शानदार बल्लेबाजी के साथ साथ गेंदबाजी में भी अपना योगदान दिया।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप विजेता बनने के बाद अब साउथ अफ्रीका के शानदार खिलाड़ियों में से एक एडन मारक्रम को आईसीसी ने प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए चुना है। इससे पहले आईसीसी ने तीन खिलाड़ियों को नॉमिनेट किया था, लेकिन अब विजेता के नाम का भी ऐलान कर दिया गया है। बाकी दो खिलाड़ियों को पछाड़ते हुए मारक्रम विजेता बनकर सामने आए हैं। मारक्रम को जून महीने के लिए ये अवार्ड दिया गया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लॉर्ड्स के ऐतिहासिक ग्राउंड पर खेले गए मुकाबले में एडन मारक्रम ने न केवल 136 रनों की बेहतरीन पारी खेली, बल्कि दो विकेट भी अपने नाम करने में कामयाबी हासिल की। साउथ अफ्रीका की टीम ने करीब 27 साल बाद किसी आईसीसी खिताब को जीतने में सफलता हासिल की है।

वेरोनिका कुदेरमेटोवा और एलिस मेर्टेंस की जोड़ी ने जीता महिला डबल्स का खिताब

वेरोनिका कुदेरमेटोवा पहली बार ग्रैंड स्लैम चैंपियन बनी

नई दिल्ली। विंबलडन महिला डबल्स के फाइनल में दर्शकों को रोमांच से भर देने वाला मुकाबला देखने को मिला। रूस की वेरोनिका कुदेरमेटोवा और बेल्जियम की एलिस मेर्टेंस की जोड़ी ने दमदार खेल दिखाते हुए हसीह सु-वेई और येलेना ओस्टापेंको की अनुभवी जोड़ी को 3-6, 6-2, 6-4 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। यह मुकाबला उतार-चढ़ाव और संघर्ष से भरपूर रहा, जिसमें दोनों टीमों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया, लेकिन निर्णायक पलों में कुदेरमेटोवा और मेर्टेंस की जोड़ी ने धैर्य और जुझारूपन दिखाते हुए इतिहास रच दिया।

इस खिताबी जीत के साथ वेरोनिका कुदेरमेटोवा पहली बार ग्रैंड स्लैम चैंपियन बन गईं। उनके लिए यह लम्हा बेहद खास रहा क्योंकि 2021 के विंबलडन फाइनल में वह हार का सामना कर चुकी थीं। वहीं, एलिस मेर्टेंस के करियर की यह पांचवीं ग्रैंड स्लैम डबल्स ट्रॉफी है और विंबलडन में उनका यह दूसरा खिताब है। दिलचस्प बात यह रही कि 2021 के फाइनल में ये दोनों खिलाड़ी एक-दूसरे के खिलाफ खेल रही थीं। लेकिन इस बार ये पहली बार एक साथ जोड़ी बनाकर विंबलडन में उतरीं और खिताब भी साथ ही जीता। फाइनल मुकाबले में शुरुआत कुदेरमेटोवा और मेर्टेंस के लिए आसान नहीं रही। पहला सेट 3-6 से गंवाने के बाद उन्होंने जोरदार वापसी की और दूसरा सेट 6-2 से अपने नाम कर मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। निर्णायक तीसरे सेट में भी यह जोड़ी 2-4 से पीछे चल रही थी, लेकिन वहां से उन्होंने जबरदस्त खेल दिखाते हुए लगातार चार गेम जीतकर स्कोर 6-4 किया और खिताबी जीत दर्ज की। गौरतलब है कि ताइवान की हसीह सु-वेई विंबलडन महिला डबल्स में शानदार रिकॉर्ड रखती हैं। वह पहले ही तीन अलग-अलग जोड़ीदारों के साथ चार बार विंबलडन डबल्स खिताब जीत चुकी हैं। लातविया की येलेना ओस्टापेंको की बात करें तो वह 2017 में फ्रेंच ओपन सिंगल्स खिताब जीत चुकी हैं। इसके अलावा उन्होंने 2023 में ल्यूडमिला किचेनोक के साथ स् ओपन डबल्स खिताब भी जीता था। ओस्टापेंको इस बार अपने करियर का दूसरा बड़ा डबल्स खिताब हासिल करने के इरादे से उतरी थीं, लेकिन फाइनल में उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

MI बनी चैंपियन, वाशिंगटन फ्रीडम को रोमांचक फाइनल में हराकर दूसरी बार जीता MLC का खिताब

नई दिल्ली। MI न्यूयॉर्क ने रोमांचक फाइनल में डिफेंडिंग चैंपियन वाशिंगटन फ्रीडम को हराकर मेजर लीग क्रिकेट यानी MLC 2025 का खिताब जीत लिया है।MI न्यूयॉर्क ने दूसरी बार इस खिताब पर कब्जा जमाया है। इससे पहले MI ने साल 2023 में MLC का पहला सीजन जीता था। वहीं, 2024 में वाशिंगटन फ्रीडम चैंपियन बनी थी। अब MI ने वाशिंगटन फ्रीडम का खिताब बचाने का सपना तोड़ दिया है। वहीं, MI फ्रेंचाइजी ने 13वीं टी20 ट्रॉफी अपने नाम कर ली है।

साउथ अफ्रीका के विकेटकीपर-बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक MI न्यूयॉर्क की खिताबी जीत के हीरो रहे। क्विंटन ने 46 गेंदों पर 6 चौके और 4 छक्कों की मदद से 77 रन बनाए। इस शानदार पारी की बदौलत MI न्यूयॉर्क की टीम फाइनल में पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 180 रन बनाने में सफल रही। इसके जवाब में वाशिंगटन फ्रीडम की टीम 5 विकेट खोकर 175 रन ही बना सकी। ग्लेन फिलिप्स ने अपनी टीम को जीत दिलाने की पूरी कोशिश की लेकिन आखिरी ओवर में रुशिल उगरकर ने 12 रनों का बचाव करते हुए रूद्ध को चैंपियन बना दिया। रुशिल उगरकर ने 4 ओवर में 32 रन देकर 2 विकेट हासिल किए। वहीं, ट्रेंट बोल्ट ने भी 32 रन देकर 2 विकेट अपनी झोली में किए।

वाशिंगटन फ्रीडम के पास लगातार दूसरी बार चैंपियन बनने का मौका था लेकिन MI के गेंदबाजों ने आखिरी ओवरों में कसी हुई गेंदबाजी करते हुए ग्लेन फिलिप्स और रचिन रवींद्र की मेहनत पर पानी फेर दिया।वाशिंगटन फ्रीडम की ओर से रचिन रवींद्र ने 41 गेंदों पर 70 रन बनाए। उन्होंने अपनी इस पारी में 8 चौके और 2 छक्के जड़े। वहीं, ग्लेन फिलिप्स 34 गेंदों पर 48 बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने अपनी पारी में 5 छक्के लगाए। MI न्यूयॉर्क ने क्वालीफायर-2 में टेक्सास सुपर किंग्स को 7 विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। वहीं, क्वालीफायर मुकाबला बेनतीजा रहने के कारण वाशिंगटन फ्रीडम ने टेक्सास सुपर किंग्स का सपना तोड़ते हुए खिताबी मुकाबले में एंट्री मारी थी। वाशिंगटन फ्रीडम पॉइंट्स टेबल में टॉप पर थी, इसलिए उसे सबसे पहले फाइनल में जाने का मौका मिला।

कप्तान लिटन दास की बदौलत बांग्लादेश ने हासिल की अपनी दूसरी सबसे बड़ी जीत, लंका को 83 रनों से हराया

नई दिल्ली। बांग्लादेश ने रविवार को खेले गए दूसरे टी20आई मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को करारी शिकस्त दी। तीन मैचों की इस सीरीज के दूसरे मैच में बांग्लादेश ने 83 रन के बड़े अंतर से जीत दर्ज कर सीरीज में 1-1 से बराबरी हासिल की। रन के लिहाज से यह बांग्लादेश की टी20आई इतिहास की दूसरी सबसे बड़ी जीत है। इस मुकाबले में बांग्लादेश के कप्तान लिटन दास ने बल्ले से अहम योगदान दिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 177 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। लिटन दास ने सिर्फ 50 गेंदों पर 76 रन की तेजतर्रार पारी खेली, जिसमें उन्होंने 1 चौका और 5 शानदार छक्के जड़े। उनके अलावा शमीम हुसैन ने 48 रन और तौहीद हृदोय ने 31 रनों का योगदान दिया।

श्रीलंका के गेंदबाजों की बात करें तो बिनुरा फर्नांडो ने सबसे प्रभावशाली प्रदर्शन किया और 4 ओवर में 31 रन देकर 3 विकेट अपने नाम किए। बांग्लादेश की टी20आई में रनों के लिहाज से ये दूसरी सबसे बड़ी जीत है।

177 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम शुरुआत से ही दबाव में नजर आई। बांग्लादेश के गेंदबाजों ने सधी हुई गेंदबाजी करते हुए श्रीलंका की बल्लेबाजी को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। पूरी श्रीलंकाई टीम सिर्फ 15.2 ओवर में 94 रन पर ढेर हो गई। श्रीलंका की ओर से ओपनर पाथुम निसांका ने सबसे ज्यादा 24 रन बनाए। इसके अलावा कोई भी बल्लेबाज टिककर नहीं खेल सका। बांग्लादेश के गेंदबाज तंजिम हसन साकिब ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 22 रन देकर 3 विकेट लिए। उनके अलावा शोरीफुल इस्लाम और मुस्ताफिजुर रहमान ने 2-2 विकेट झटके। तीन मैचों की टी20आई सीरीज अब 1-1 से बराबरी हो गई है। पहला मुकाबला श्रीलंका ने 7 विकेट से अपने नाम किया था, जबकि दूसरे मैच में बांग्लादेश ने पलटवार करते हुए बड़ी जीत हासिल की। अब सीरीज का तीसरा और निर्णायक टी20आई मुकाबला 16 जुलाई को कोलंबो में खेला जाएगा।

राजस्व निरीक्षक परीक्षा पर उठे सवाल, मूणत ने....

विधायक अजय चंद्राकर ने कहा- इओडब्ल्यू जांच का निर्णय किसने लिया? आपके विभाग में इओडब्ल्यू जांच हो ये फैसला किसका है? टंकराम वर्मा ने कहा- विभाग ने ही इओडब्ल्यू को जांच के लिए दिया है।

भूपेश बघेल के सवाल के बाद सदन में हंगामा : तब पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पूछा- परीक्षा आपकी सरकार आने के बाद हुई या पहले। इसके जवाब में मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा- जनवरी 2024 में परीक्षा हुई और फरवरी में रिजल्ट आया। मंत्री के इस जवाब के बाद सदन में जोरदार हंगामा मच गया। विपक्ष के विधायकों ने हंगामा करना शुरू कर दिया। विपक्ष के विधायकों ने भाजपा सरकार में गड़बड़ी होने का आरोप लगाया जिस पर पक्ष-विपक्ष में नोक-झोंक शुरू हो गई।

नोक-झोंक के बाद विपक्ष का वॉकआउट : पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा- दोषियों को बचाने की कोशिश हो रही है। क्या सीबीआई से इसकी जांच कराएंगे? भाजपा विधायक धरमलाल कौशिक ने कहा- क्या सीबीआई पर आपको भरोसा है? भाजपा विधायकों ने भूपेश बघेल को घेरा जिसके बाद विपक्ष का हंगामा फिर शुरू हो गया। सत्ता पक्ष और विपक्ष में नोक-झोंक के बाद नाराज विपक्ष ने वॉकआउट कर दिया।

चंद्राकर ने उठाया बस्तर विवि में 45-46 साल....

ने कहा- महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय बस्तर में जो भर्ती हुई है, उसके संबंध में शिकायत मिली थी। जांच कमेटी का गठन किया गया है, जांच हो रही है। रिपोर्ट आ जाने पर कार्रवाई की जाएगी।

इंद्रायणी नदी पर बना पुल गिरने से दो लोगों की....

तो मुझे लगा कि यह हिल रहा है, और जब तक मैं अपनी बहन को यह बात बता पाता, पुल गिर गया। मुझे फ्रैक्चर हो गया है। हमें यहां अच्छा इलाज मिल रहा है।' इंद्रायणी नदी पर पुल गिरने की घटना में घायल हुए लोगों में से एक बादल ने बताया, 'घटना के 15 मिनट के भीतर ही पुलिस और एनडीआरएफ की टीम मौके पर आ गई। मेरे पैर और पीठ में चोट आई है। यह घटना इसलिए हुई, क्योंकि बहुत सारे लोग एक जगह पर इकट्ठा हो गए थे।'

कोरोना-काल में बंद 13 ट्रेनें कल से फिर दौड़ेंगी:....

प्रथम पृष्ठ का शेष....

रोड-बालाघाट समेत 13 मेमू और डेमू लोकल ट्रेनों का संचालन शुरू किया जाएगा। 17 जुलाई तक सभी रूट पूरी तरह से बहाल कर दिए जाएंगे। यह कदम ना केवल कम किराये में यात्रा को संभव बनाएगा, बल्कि आम यात्रियों को निजी वाहनों और महंगे बसों पर निर्भरता से मुक्ति दिलाएगा।

ट्रेनों के संचालन से मिलेगी आर्थिक राहत और समय की बचत : इन ट्रेनों के पुनः संचालन से रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव जैसे औद्योगिक और शैक्षणिक केंद्रों में यात्रा करने वाले लोगों को काफी आर्थिक राहत मिलेगी। छात्रों, दैनिक यात्रियों और छोटे व्यवसायियों के लिए ये ट्रेनें लाइफलाइन साबित होती रही हैं। इसके साथ ही सार्वजनिक परिवहन को पुनः पटरी पर लाने की दिशा में यह बड़ा कदम माना जा रहा है।

एनएचएआई ने नेशनल हाईवे पर 4,777 ब्लैक....

इन क्षेत्रों को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा ब्लैक स्पॉट के रूप में चिह्नित किया जाता है। मुख्य रूप से राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास, संचालन और रखरखाव के लिए जिम्मेदार हैं।

भड़काऊ भाषण और नफरती कंटेंट पर लगाम लगाएं...

पोस्ट करने के आरोप में विभिन्न राज्यों में मामले दर्ज किए गए हैं। पश्चिम बंगाल में दर्ज दो प्राथमिकियों के लिए वह न्यायिक हिरासत में थे। 3 जुलाई को कोलकाता की एक निचली अदालत ने उन्हें जमानत दे दी थी। शीर्ष अदालत की यह नवीनतम टिप्पणी पश्चिम बंगाल के बाहर उनके खिलाफ दर्ज सभी प्राथमिकियों में वजाहत खान की गिरफ्तारी पर रोक लगाने के तीन हफ्ते बाद आई है।

छग में खाद की कोई कमी नहीं : डीएपी की कमी.....

को उनकी डिमांड के अनुसार खाद-बीज का पर्याप्त भंडारण किया गया है।

अब तक 1 लाख 63 मेट्रिक टन से अधिक का हुआ भंडारण : चालू खरीफ सीजन के लिए डीएपी उर्वरक के निर्धारित 3.10 लाख मेट्रिक टन लक्ष्य के विरूद्ध अब तक 1 लाख 63 मेट्रिक टन से अधिक का भंडारण हो चुका है। डीएपी की आपूर्ति निरंतर जारी है। अभी जुलाई माह में 48 हजार मेट्रिक टन डीएपी उर्वरक की आपूर्ति राज्य को होगी। राज्य के सहकारी क्षेत्र में उर्वरकों का भंडारण प्राथमिकता के आधार पर कराया गया है। राज्य के सहकारी क्षेत्र में डीएपी उर्वरक की उपलब्धता राज्य की कुल उपलब्धता का 62 प्रतिशत है।

6 लाख मेट्रिक टन यूरिया का हुआ भंडारण : कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक कुल 13.18 लाख मेट्रिक टन का भंडारण किया जा चुका है, जो गत वर्ष इसी अवधि में भंडारित 12.79 लाख मेट्रिक टन से लगभग 38 हजार मेट्रिक टन अधिक है। इस वर्ष एनपीके और एसएसपी का लक्षित मात्रा से क्रमशः 25,266 मेट्रिक टन एवं 71,363 मेट्रिक टन अधिक भंडारण किया गया है, जो डीएपी के विकल्प के रूप में उपयोग किया जा रहा है। राज्य में यूरिया 6 लाख मेट्रिक टन अधिक का भंडारण हुआ है। जुलाई एवं आगामी माह में यूरिया के शेष मात्रा की आपूर्ति होगी।

धान में तीन बार किया जाता है यूरिया का उपयोग : यहां यह उल्लेखनीय है कि धान में यूरिया का उपयोग तीन बार किया जाता है। प्रथम बार बोआई/रोपाई के समय में, दूसरी बार कंसा निकलने के समय में बोआई/रोपाई से तीन चार सप्ताह बाद एवं तीसरी बार गभोट अवस्था में बोआई/रोपाई के 7 से 8 सप्ताह बाद, इस प्रकार यूरिया का सितम्बर माह के मध्य तक उपयोग किया जाता है। डीएपी उर्वरक का 1.63 लाख मेट्रिक टन भंडारण हुआ है। जुलाई माह के सप्लाई प्लान के अनुसार राज्य को 48 हजार 850 मेट्रिक टन डीएपी और मिलेगी।

25 हजार टन एनपीके की आपूर्ति संभावित : कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार जुलाई माह में 25 हजार टन एनपीके की आपूर्ति संभावित है। एनपीके की अतिरिक्त आपूर्ति को मिलाकर कुल अतिरिक्त एनपीके 50 हजार 266 मेट्रिक टन से 22 हजार मेट्रिक टन डीएपी प्रतिपूर्ति होगी। इसी तरह एसएसपी की कुल अतिरिक्त आपूर्ति 1.47 लाख मेट्रिक टन से 50 हजार मेट्रिक टन डीएपी की प्रतिपूर्ति होगी। इस प्रकार राज्य में एनपीके और एसएसपी के अतिरिक्त आपूर्ति से 72 हजार मेट्रिक टन डीएपी की प्रतिपूर्ति सुनिश्चित होगी।

भूकंप से कांपी इंडोनेशिया की धरती, रिक्टर स्केल पर 6.5 रही तीव्रता

नई दिल्ली। इंडोनेशिया की धरती आज जोरदार भूकंप से कांप गई। आज सुबह करीब साढ़े 11 बजे आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 6.5 मापी गई है।

नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी की रिपोर्ट के अनुसार, भूकंप इंडोनेशिया के दक्षिणपूर्वी हिस्से में तानिम्बार द्वीप पर आया। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज और अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने भी आज इंडोनेशिया में आए भूकंप की पुष्टि की। भूकंप का केंद्र धरती के नीचे 110 किलोमीटर की गहराई में मिला है। भूकंप से किसी तरह के जान माल के नुकसान की खबर नहीं है।

बता दें कि दिल्ली और इसके आस-पास के हृष्टक्र वाले इलाकों में भूकंप के झटके अकसर महसूस किए जाते हैं। 2 दिन पहले दिल्ली-हृष्टक्र में लगातार 2 दिन भूकंप आया। 10 जुलाई 2025 की सुबह 9 बजकर 4 बजे मिनट पर 4.4 की तीव्रता वाले भूकंप के झटके लगे थे। भूकंप का केंद्र हरियाणा के झज्जर में मिला था। करीब 10 सेकंड तक भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। अगले दिन 11 जुलाई की शाम को करीब 7 बजकर 49 मिनट पर फिर दिल्ली-NCR में भूकंप आया था, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.7 मापी गई थी और इस भूकंप का केंद्र भी हरियाणा के झज्जर जिले में ही था।

इससे पहले 17 फरवरी 2025 की सुबह 5 बजकर 36 मिनट पर 4 की तीव्रता वाला भूकंप आया था, जिसका केंद्र दिल्ली के धौलाकुआं में मिला था। 8 जून 2025 की रात को 1 बजकर 23 मिनट पर 2.3 की तीव्रता वाला हल्का भूकंप आया था, जिसका केंद्र दक्षिण-पूर्व दिल्ली में मिला था।

गौठान की दुर्दशा पर मिशन संडे का फूटा गुस्सा! नगर पालिका पर गायें बांधकर गरजे - मनराखन देवांगन

खैरागढ़ (दावा)। गौ माता के नाम पर सियासत करने वालों की असलियत उजागर हो गई है! वार्ड क्रमांक-14 सोनेसरार स्थित गौठान की बदहाली ने मिशन संडे टीम का गुस्सा इस कदर भड़का दिया,कि टीम के संयोजक मनराखन देवांगन के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने नगर पालिका के गेट पर ही आवारा गायों को बांधकर जमकर विरोध प्रदर्शन किया।

मनराखन देवांगन ने चेतावनी देते हुए कहा ङ्क गौ माता के नाम पर सत्ता में आई भाजपा सरकार ने सबसे पहले गौठान बंद कर दिए। अब लावारिस पशु सड़कों पर घूम रहे है हादसे हो रहे हैं, फसलें बर्बाद हो रही हैं और नगर पालिका आंखें मूंदे बैठी है। अगर जल्द व्यवस्था नहीं सुधरी तो हम गायों को नगर पालिका के दफ्तर में घुसाकर वहीं बांध देंगे। पालिका को ही कांजी हाउस बना देंगे! निरीक्षण के दौरान गौठान परिसर में भगवान श्रीकृष्ण की मूर्ति खंडित मिली जिस पर यादव समाज के वरिष्ठ सदस्य सूर्यकांत यादव समेत कार्यकर्ताओं ने तीखी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने चेताया कि अगर तत्काल नई मूर्ति स्थापित नहीं हुई,तो यादव समाज उग्र आंदोलन करेगा।

जल्द सुधार नहीं हुआ तो पालिका को ही कांजी हाउस बना देंगे!

मौके पर पहुंचे मिशन संडे प्रतिनिधिमंडल ने देखा कि गौठान की दीवारों में बड़ी-बड़ी दरारें हैं पानी की टंकी में क्रैक है और साफ-सफाई का नामोनिशान नहीं।किसान कुंवरदास टंडन ने कहा गौठान चालू रहने पर मवेशी बंधे रहते थे फसलें बची रहती थीं। अब फसलें चौपट हो रही हैं और प्रशासन को कोई फर्क नहीं पड़ता। मिशन संडे टीम ने स्पष्ट तौर पर मांगे रखीं गौठान को तुरंत पुनः शुरू किया जाए. खंडित मूर्ति की जगह नई मूर्ति स्थापित की जाए, पानी की टंकी और परिसर की मरम्मत कराई जाए, चारे-पानी की समुचित व्यवस्था हो, स्थायी कर्मचारी नियुक्त किया जाए जो देखभाल करे।। मिशन संडे टीम ने आक्रोशित होकर नगर पालिका कार्यालय के बाहर गायों को बांधकर प्रतीकात्मक विरोध जताया। प्रशासन अगर मवेशियों की जिम्मेदारी नहीं उठाएगा,तो अब हम भी चुप नहीं बैठेंगे! मनराखन देवांगन की हुंकार ने माहौल को गरमा दिया।। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे सीएमओ नरेश वर्मा ने प्रदर्शनकारियों से चर्चा की और जल्द समस्या समाधान का भरोसा दिलाया। मगर मिशन संडे टीम ने साफ कहा कि आश्वासन नहीं अमल चाहिए। मनराखन देवांगन बोले अगर जल्दी कुछ व्यवस्था दुरुस्त नहीं कराई गई,तो आने वाले दिनों में हम नगर पालिका को कांजी हाउस बनाएंगे गायों को वहीं अंदर घुसाकर बांध देंगे! कांग्रेस नेताओं ने भी साधा निशाना नेता प्रतिपक्ष दीपक देवांगन, पूर्व जिला पंचायत सदस्य विप्लव साहू, विधायक प्रतिनिधि अरुण भारद्वाज समेत कई कांग्रेस नेताओं ने भी भाजपा सरकार और नगर पालिका प्रशासन पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि यदि शीघ्र ही आवारा मवेशियों की समुचित व्यवस्था नहीं की गई, तो मिशन संडे टीम को मजबूरन सड़क पर उतरकर उग्र आंदोलन छेड़ना पड़ेगा। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे़ में प्रशासन को आगाह किया कि जनता की उपेक्षा और लापरवाही का परिणाम गंभीर होगा, इसलिए समय रहते जिम्मेदारी समझें और समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित करें।भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा और गौठानों को बंद करने के फैसले को जनविरोधी बताया। भारी संख्या में जुटे लोग ङ्क प्रशासन को दी चेतावनी प्रदर्शन में पूरन सारथी, रवींद्र सिंह गहरवार, महेश यादव, शेखर दास वैष्णव, सूरज देवांगन, कवल टंडन, भगवानी कोसरे, हरिदर्शन ढीमर, विनोद सिन्हा समेत बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

नीरज बाजपेयी इंटरनेशनल स्कूल बोरी में ओरिएंटेशन सेरेमनी आयोजित

राजनांदगांव(दावा)। नीरज बाजपेयी इंटरनेशनल स्कूल बोरी में विगत दिनों शाला में नव-प्रवेशित छात्रों तथा पालकों के लिए ओरिएंटेशन सेरेमनी का आयोजन किया गया। सेरेमनी की शुरुआत संस्था के डायरेक्टर श्री नीरज बाजपेयी द्वारा मां सरस्वती के तैल चित्र में दीप प्रज्वलन कर माल्यार्पण किया गया।

सेरेमनी के आयोजन का मुख्य उद्देश्य संस्था के शैक्षणिक तथा शाला में साल भर होने वाली समस्त गतिविधियों की जानकारी को पालकों व छात्रों को अवगत कराना है। संस्था में वर्तमान में 2076 छात्र अध्ययन कर रहे हैं । शाला की समस्त गतिविधियों में सभी बच्चों की सहभागिता अनिवार्य है, ताकि बच्चों का सर्वांगीण विकास शाला परिवार द्वारा सुनिश्चित कर सकें। समारोह में विषय अनुसार होने वाले टेस्ट परीक्षा की

जानकारी दी गई। शाला में आयोजित होने वाले प्रतियोगी परीक्षाओं, सांस्कृतिक कार्यक्रम, ओलंपियाड से सभी का परिचय कराया गया। शारीरिक विकास हेतु शाला प्रांगण में बास्केटबॉल कोर्ट, बैडमिंटन कोर्ट, क्रिकेट पिच, रनिंग ट्रैक के साथ ही इंडोर खेलों की जानकारी दी गई है। स्पेशल चाइल्ड की शिक्षा के लिए भी शाला में विशेषज्ञ नियुक्त हैं, जो बच्चों को समय-समय पर मार्गदर्शित करते हैं। समारोह में उपस्थित सभी पालकों का प्राचार्या श्रीमती एकता गांधी द्वारा आभार प्रकट किया गया। शाला के डायरेक्टर श्री बाजपेयी ने उपस्थित सभी पालकों को सुनिश्चित किया कि उन्होंने अपने पाल्य को सुरक्षित हाथों में सौंपा है, जिसके सर्वांगीण विकास की सारी जवाबदारी शाला परिवार की है। ओरिएंटेशन सेरेमनी में शाला की डायरेक्टर श्रीमती सोनल बाजपेयी, एडमिन श्री नितिन चौहान, शिक्षक, नव-प्रवेशित छात्र एवं पालक उपस्थित थे।

बच्चों ने की अपने फादर के साथ फायरलेस कुकिंग

राजनांदगाँव (दावा)। शिक्षा, खेल और संस्कृति के क्षेत्र में अग्रणी संस्था युगांतर पब्लिक स्कूल में प्राइमरी विभाग के विद्यार्थियों ने अपने फादर के साथ फायरलेस कुकिंग विद्यालय के निदेशक (अकेडमिक्स) सुशील कोठारी की उपस्थिति में की। बच्चों ने अपने फादर के साथ गैस चूल्हे की सहायता के बिना स्वादिष्ट व्यंजनों का निर्माण कर सबका मन मोहा। बच्चों के फादर ने अपनी शानदार पाक-कला का प्रदर्शन किया।

प्रायः घर में मदर्स के द्वारा पाक कला की जाती है, विद्यालय में इस तरह फादर्स को पाक कला करते देखकर सभी आश्चर्य और खुशी से आल्हादित हो गए। इस शानदार गतिविधि में राजनांदगाँव के कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर भुरे ने भी पालक रूप में

प्राइमरी विभाग द्वारा शानदार गतिविधि का आयोजन

सहभागिता दर्ज की और बच्चों का उत्साहवर्धन किया। यह आकर्षक गतिविधि विद्यालय के प्राचार्य मधुसूदन नायर और हैड मिस्ट्रेस विनीता तिलवानी के मार्गदर्शन में विभाग के शिक्षक-शिक्षिकाओं तथा विद्यार्थियों और उनके फादर के सहयोग से सफलतापूर्वक आयोजित हुई। इस गतिविधि के माध्यम से बच्चे अपने फादर के साथ सलाद डेकोरेशन, सैंडविच, माक टैल्स निर्माण, बिस्किट की सजावट, विविध प्रकार के केक का निर्माण, स्वास्थ्यवर्धक अंकुरित चने तथा सभी प्रकार के सलाद का निर्माण करना सीखा। यही नहीं उन्होंने विविध प्रकार की नैचुरल साफ्ट शीतल पेय बनाना भी सीखा।

हॉस्टलर विद्यार्थियों के लिए खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने में मैस इंचार्ज ने सहयोग प्रदान किया। यह सारी शानदार गतिविधि प्रतियोगिता के रूप आयोजित हुई, जिसकी निर्णायिका प्रिया जैन, शिल्पा जैन, रूचि बरडिया, सुषमा अग्रवाल रही। इस दौरान बच्चों और उनके फादर को स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस आयोजन की सफलता पर विद्यालय की प्रबंध समिति ने हर्ष प्रकट किया है।

बाप दमड़ी देख रहा है और बेटा चमड़ी देख रहा है इसलिए हो रहे कलह - मुनि वीरभद्र

राजनांदगांव (दावा)। विनय कुशल मुनि के सुशिष्य एवं 171 दिन तक उपवास का रिकॉर्ड बनाने वाले जैन मुनि वीरभद्र (विराग) जी ने आज यहां पारिवारिक विवाद और तलाक के बढ़ते मामलों के संबंध में कहा कि यह स्थिति इसलिए हो रही है लड़की देखते समय बाप दमड़ी देखता है और बेटा चमड़ी देखता है। गुण,धर्म और परिवार अब किनारे रह गए हैं, केवल चमड़ी-दमड़ी का खेल चल रहा है।

जैन बगीचा स्थित उपाश्रय भवन में आज अपने नियमित प्रवचन में मुनि श्री ने फरमाया कि स्थितियां बदल रही है और जो लगातार बदलता रहता है, उसी को हम संसार कहते हैं। जब तक व्यक्ति नहीं बदलेगा, मान्यता नहीं बदलेगी तब तक हम आगे कैसे बढ़ पायेंगे। व्यक्ति के दुखी होने का कारण ही संतान होता है। बच्चा बड़ा हुआ तो उसकी शिक्षा-दीक्षा, स्वास्थ्य को लेकर व्यक्ति चिंतित रहता है। व्यक्ति हमेशा डर कर रहता है। संतान ठीक हुआ तो

मोबाइल थमा देते हैं। बच्चों की शादी के समय हम परिवार एवं संस्कार को नहीं देखते। यही वजह है कि वृद्धा आश्रम में बुजुर्गों

स्त्री का सबसे बड़ा गुण है सील

ठीक नहीं तो दुख ही दुख, बहु ठीक हुई तो ठीक नहीं तो दुख ही दुख, आज की तारीख में हर व्यक्ति डरा हुआ है और वह बहुत सावधान रहता है। उन्होंने सोनम गुप्ता और नीले ड्रम वाली घटना का जिक्र करते हुए कहा कि हमारे पतन का कारण मोबाइल, टीवी का दुरूपयोग और बच्चों को स्वच्छंद छोड़ देना है। हम अपने बच्चों को स्वच्छंद छोड़ देते हैं। बच्चों के हाथ में की संख्या एवं कोर्ट में डायवोर्स के मामले बढ़े हैं। मुनि श्री ने कहा कि आज से 50 वर्ष पहले न मोबाइल थी और ना कोई वृद्धा आश्रम ही था। टीवी, मोबाइल के दुरुपयोग ने हमारी संस्कृति पर कड़ा प्रहार किया है। रुचि और अपेक्षाएं संसार की ही है, सारी प्रवृत्तियां संसार की है। जब तक मोक्ष का लक्ष्य नहीं बनेगा तब तक जीवन सार्थक नहीं हो पाएगा। परंपराओं के चलते हम तक थोड़ा बहुत जो ज्ञान पहुंचा है, उसमें भी काफी रस है और इस ज्ञान का लाभ उठाते हुए हम मोक्ष मार्ग में आगे बढ़े और आत्म साधना करें।

शिक्षा, चिकित्सा और पके हुए खाने की जरुरत आज भी है

मुनि वीरभद्र (विराग) जी ने कहा कि संसार परिवर्तनशील है, आज जो है वह कल नहीं होगा किंतु शिक्षा, चिकित्सा और पके हुए खाने की जरूरत आज भी है। संसार में इन तीनों चीजों की आवश्यकता हमेशा बनी रहेगी। हम कितनी भी धन संपदा बना ले एक न एक दिन हमें इसे यही छोड़कर जाना पड़ेगा तो फिर क्यों ना हम इसका सदुपयोग करें। हम किसी जरूरतमंद की मदद करें और ऐसे काम करें कि हमारे जाने के बाद भी लोगों को हमारा कर्म याद रहे।

'हम स्वस्थ हैं या बीमार' जानने एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन संपन्न

बीमारी के इंतेज़ार की बजाय स्वस्थ रहने का इंतेज़ाम करें - वैभव साठे

राजनांदगांव(दावा)। आज दिनांक 13 जुलाई को स्थानीय होटल रजवाड़ा में वीरांगना रानी लक्ष्मी बाई के 6वें वंशज और डब्ल्यूओडब्ल्यू एकेडमी के सीईओ, जानेमाने आहार विशेषज्ञ श्री वैभव साठे का स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और स्वस्थ जीवनशैली से जोड़ने प्रभावी व्याख्यान हुआ, सूर्य नाड़ी, चंद्र नाड़ी, जल चिकित्सा, योग एवं मर्म चिकित्सा के जानकार हैं।

उनका मानना है कि, व्यस्त जीवनचर्या मे इंसान भूल जाता है कि, भौतिक सुखों को भोगने के लिए परिवार का स्वस्थ रहना जरूरी है। अन्यथा प्रदूषित वातावरण, पेस्टीसाइड युक्त भोजन तथा अव्यवस्थित जीवनचर्या हमें बीमार कर सकती है। आज की व्यस्ततम जीवनचर्या में हर इंसान सिर्फ और सिर्फ धन-दौलत, जमीन जायदाद एवं भौतिक सुख-साधना को जुटाने में लगा हुआ हैं। वो यह भूल जाता है कि, इन सभी भौतिक सुखों का उपयोग करने हेतु उसका एवं उसके परिवार का स्वस्थ रहना बहुत जरूरी हैं। अन्यथा आज का

प्रदूषित वातावरण, केमिकल व पेस्टीसाइड युक्त भोजन एवं अव्यवस्थित दिनचर्या, कभी भी हमे बीमारियों से जकड़ सकते हैं। उनका कहना है कि, बीमार होने का इंतजार न करें स्वस्थ रहने का इंतजाम करें। उन्होंने भारत को 'दवाई मुक्त' बनाने का अभियान छेड़ा हुआ है। उनके द्वारा बताई चिकित्सा पद्धति से हजारों लोग डायबिटीज जैसी बीमारी से मुक्ति पा चुके है।

हार्ट की बीमारी, चर्म रोग, अस्थि रोग जैसे अन्य रोगों का वे शर्तिया इलाज सिर्फ खान-पान पद्धति में बदलाव लाकर करते हैं। श्री साठे जी का मानना है कि, शारीरिक, मानसिक और सामाजिक कल्याण की स्थिति पर निर्भर करता है यदि कोई व्यक्ति शारीरिक रुप से स्वस्थ है, मानसिक रुप से शांत है, और सामाजिक रुप से सक्रिय है। तो इसके पीछे हमारे खान-पान का बहुत बड़ा योगदान है। वर्तमान में हमारा खानपान केमिकल युक्त होने के कारण बीमारियां घर-घर और जन-जन तक पहुंच चुकी है। हमने अपने भोजन और पानी को दूषित कर लिया है। यदि भोजन ऑर्गेनिक हो जाए और पानी झरने जैसे मिले तो बीमारियां स्वत ही भाग जाएगी। कार्यशाला में भोजन और पानी की शुद्धता पर एवं मर्म चिकित्सा पर इस एक द्विवसीय कार्याशाला में अपने विचार आमजनों से साझा करेंगे। आयोजक मंडल ने समस्त आये हुए गणमान्य नागरिकों, कार्यकर्त्ता लोगो को आज के कार्यक्रम को सफल बनाये उनका धन्यवाद ज्ञापित किये है.

आयोजक मंडल में युवराज निर्मलकर, युगल साहू, नवीन सोनी, विकाश बंजारी,श्री मनोज गुप्ता,देवक साहू सुशील शर्मा,(जिला उपाध्यक्ष शालेय शिक्षक संघ राजनांदगाव) लालचंद, वीरेंद्र टेभूरकर मडामे, रोशन देवांगन, मुन्ना साहू, धर्मेंद्र साहू,कुमार साहू, सलीम मेमन, राजाराम देवांगन, गीतांजलि साहू, किरण साहू, स्मिता मिश्रा, सुश्री वंदना देवांगन, किरण साहू आदि सभी केंगन वाटर की टीम ने आगामी सितम्बर माह में राजनांदगाव के शिक्षकों का सम्मान समारोह आयोजित करने का भी निर्णय लिए है.

वैष्णव राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने दुग्धाधारी मठ मंदिर दर्शन किया

राजनांदगांव (दावा)। अखिल भारतीय वैष्णव ब्राम्हण सेवा संघ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने रायपुर में आयोजित बैठक के दौरान छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध श्री दुग्धाधारी मठ मंदिर में भगवान श्री सीताराम जी, श्री स्वामी बालाजी भगवान संकट मोचन हनुमान जी का दर्शन किया। महामंडलेश्वर राजेश्री महंत रामसुंदर दास जी महराज ने मंदिर के ऐतिहासिक पृष्ठ भूमि का परिचय दिया एवं आर्शीवचन संदेश में राजेश्री महंत जी ने दुग्धाधारी मठ के महान परम्पराओं के संवाहक होने का उत्तरदायित्व प्राप्त होने की बात कहते हुए यह भगवान श्री बालाजी एवं इस मठ के पूर्वाचार्यो की कृपा बताया उनके आशीर्वाद से जो भी सेवा करने का अवसर मुझे प्राप्त उसे पूर्ण करने का हर संभव प्रयास करता हूँ।

छुईखदान राज परिवार के लाल जे.के. वैष्णव ने राजेश्री महंत रामसुंदर दास जी के प्रसिद्धि के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि बहुत से वैष्णव परिजन भगवान की पूजा स्थल पर राजेश्री महंत जी का फोटो रखकर पूजा करते है पुछने पर जानकारी दी की हम उनके प्रसिद्धि सुनकर श्रद्धाभाव से गुरू मानते हुए पूजा करते है। राष्ट्रीय कार्यकारिणी पदाधिकारियों को वैष्णव बैरागी राजाओं के समृद्ध इतिहास की जानकारी देते हुए लाल जे.के. वैष्णव ने ठाकुर वीरेन्द्र बहादुर सिंह पत्रकार द्वारा लिखित पुस्तक छुईखदान परत दर परत पुस्तक लिखने की एवं नरेश स्वामी निम्बार्क हरियाणा लिखी पुस्तक महंत बने महाराजा पुस्तक की प्रति अवलोकन प्रदान करते हुए बैरागी राजाओं पर लिखी पुस्तक की जानकारी साझा किया। कार्यक्रम संचालन करते हुए धर्म स्तंभ काऊसिंल के सभापति डाक्टर सौरभ निर्वाणी ने सनातन पुर्नजागरण वैष्णव परम्परा मठ मंदिरों की रक्षा का संकल्प लेते हुए उचित निर्णय लेने की बात कही।

इस अवसर पर पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष यू.के. स्वामी दिल्ली, विष्णुदत्त शर्मा कोटा,पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष पी.एल.बैरागी भोपाल,महासचिव ओ.पी. बैरागी इंदौर, विद्या वैष्णव राजस्थान, गिरधर गोपाल निबावत, राकेश दास रिसदा, श्रीमती आशा राघवेन्द्र दास, श्रीमती प्रज्ञा डॉ. सौरभ निवार्णी, दिनेश बैरागी, श्रीमती नीलीमा, मनोहर बैरागी, सुमन शर्मा, रजनीश वैष्णव, परमेश्वर वैष्णव सहित मुख्तियार सुखराम दास जी, रामछबि दास जी, निर्मलदास वैष्णव जी, हर्ष दुबे सहित बड़ी संख्या में वैष्णवजन उपस्थित होकर मंदिर परिसर में भोग भंडारा भोजन प्रसाद प्राप्त किये। तत्पश्चात अनुष्ठान रेसीडेन्सी में स्थित मंदिर में भगवान श्री लक्ष्मीनारायण जी का दर्शन किये। आभार प्रदर्शन महासचिव रजनीश वैष्णव ने किया।

छत्तीसगढ़ सब जूनियर बालक हॉकी टीम हेतु चयन स्पर्धा का आयोजन

राजनांदगांव (दावा)। ''छत्तीसगढ़ हॉकी'' की सब जूनियर बालक हॉकी टीम हेतु एक दिवसीय चयन स्पर्धा विगत दिवस अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम राजनांदगांव मे ''छत्तीसगढ़ हॉकी'' के अध्यक्ष फिरोज अंसारी के मार्गदर्शन में आयोजित कि गई । जिसमें छत्तीसगढ हॉकी से मान्यता प्राप्त जिले एवं संस्थानों से कुल 115 बालक हॉकी खिलाडियों ने भाग लिया।

''छत्तीसगढ़ हॉकी'' के महासचिव मनीष श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया की अगामी दिनांक 28 जुलाई से 8 अगस्त 2025 तक चेन्नई (तमिलनाडु) में 15वीं हॉकी इंडिया राष्ट्रीय सब जूनियर बालक हॉकी चैम्पियनशिप आयोजित की जा रही है।

इस हेतु राज्य की टीम के संभावित खिलाड़ियों का चयन ट्रायल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर 30 खिलाड़ियों का चयन किया गया है। चयन पश्चात् 30 संभावित सब जूनियर बालक हॉकी खिलाडियो का प्रशिक्षण शिविर अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम राजनांदगंव में आयोजित किया जा रहा है। नेशनल चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ अपना पहला मैच दिनांक 28 जुलाई को गोवा हॉकी के साथ खेलेगी। उक्त चयन स्पर्धा में छत्तीसगढ़ हॉकी के अध्यक्ष फिरोज अंसारी, एन आई एस हॉकी कोच अनुराज श्रीवास्तव, साई के हॉकी कोच परमजीत सिंह, जंहागिर खान हॉकी दुर्ग के सचिव, शकील अहमद (खेलो इंडिया सेंटर कोच)रायपुर हॉकी अकादमी के वरिष्ठ हॉकी कोच रश्मि सांध्य एक्का, प्रहलाद तांडी, विष्णु यादव, खेलो इंडिया सेन्टर बस्तर के कोच कार्तिक यादव,आदि उपस्थित थें।

मिथिला धाम के बाबा बैद्यनाथ शिवलिंग पर कांवड से किया जलाभिषेक

राजनांदगांव (दावा)। श्री मिथिलाधाम गणेश हनुमान मंदिर में सावन महीने के पहले सोमवारी के दिन भक्तगणों द्वारा शिवनाथ नदी से कांवर में जल भरकर लाया गया और उससे मिथिला धाम परिसर में बाबा बैद्यनाथ शिवलिंग पर जलाभिषेक किया गया।

ज्ञात हो कि पूज्य मोनी बाबा के 1991 में उदयाचल परिसर पर श्रावण महीने में शिवमहायज्ञ किया गया था। इस समय से राजनांदगांव में कांवर से जल लाने की प्रथा प्रारंभ हुई थी। आज यह प्रथा का विस्तार हो चुका है और आज नांदगांव शहर के हर मोहल्ले में स्थित शिवलिंग में कांवर के द्वारा जल लाकर चढ़ाया जाता है।

अशोक चौधरी ने बताया कि मिथिलाधाम मंदिर में पूरे सावन महीने कंवर से जल लाकर जलाभिषेक करने की प्रथम भक्तों के द्वारा किया जाता है इसी कड़ी में सवा लाख पार्थिव शिवलिंग की पूजा भी श्रावण महीने में मंदिर में किया जाएगा।

कल खडेलवाल महिला मंडल द्वारा दो दिवसीय महिला स्वावलंबन 'पहचान एग्जीबिशन' का उद्घाटन

राजनांदगांव (दावा)। खंडेलवाल महिला मंडल उपाध्यक्ष श्रीमती अंजू खंडेलवाल ने बताया कि अध्यक्ष श्रीमती सरला खंडेलवाल के नेतृत्व आत्मनिर्भर भारत में महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से दो दिवसीय पहचान एग्जिबिशन 16 एवं 17 जुलाई 2025, प्रातः 10 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक महेश्वरी भवन रामाधीन मार्ग में आयोजित किया जा रहा है ।

कल पहचान एग्जीबिशन का दिव्य भव्य उद्घाटन समारोह दिनांक 16 जुलाई 2025 दिन बुधवार समय अपराह्न 12:30 बजे महिला शक्ति की प्रेरणा मुख्य अतिथि माननीय श्रीमती किरण वैष्णव जिला पंचायत अध्यक्ष राजनंदगांव, अध्यक्षता माननीय श्रीमती तरुणा साहू रेलवे इंस्पेक्टर राजनंदगांव, विशिष्ट अतिथि श्रीमती करुणा यादव एवं समाजसेवी महिलाओं की उपस्थिति में उद्घाटित होगा सशक्त नारी सशक्त भारत में महिलाओं को स्वावलंबी बनाने कि पहल पहचान एग्जिबिशन खंडेलवाल महिला मंडल द्वारा इस एग्जीबिशन का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर स्वावलंबी बनाना है आत्मनिर्भर भारत में महिलाओं की भूमिका अग्रणी हो महिला स्वयं के रोजगार से औरों को रोजगार के साधन उपलब्ध करा सके आगे बढ़कर ऊंचाइयां हासिल करें स्वावलंबी महिला सशक्त भारत में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पहचान एग्जिबिशन से मजबूत होगी। पहचान एग्जीबिशन में महिलाओं द्वारा स्वनिर्मित स्वदेशी उत्पाद उपभोग सामग्री , हस्तशिल्प फैंसी राखियां, लड्डू गोपाल पोशाक एवं विभिन्न डेकोरेटिव सामग्री, आकर्षक मूर्तियां, पेंटिंग, महिलाओं के सूट साड़ियां, 16 श्रृंगार सामग्री, बेडशीट चादर , सोफा कवर , स्वनिर्मित आर्टिफिशियल ज्वेलरी, स्टेशनरी, एवं पारंपरिक छत्तीसगढ़ी व विभिन्न राज्यों के स्वादिष्ट व्यंजन के स्टॉल महिलाओं द्वारा विभिन्न स्टॉल इस पहचान एग्जीबिशन में लगाए जाएंगे। दिनांक 16 जुलाई 2025 संध्या 4:00 ओपन निशुल्क प्रतियोगिता सनातन संस्कृति के अनुरूप कलश सजाओ प्रतियोगिता दिनांक 17 जुलाई 2025 संध्या 4:00 बजे ओपन निशुल्क सावन सुंदरी प्रतियोगिता पहचान एग्जीबिशन में आयोजित की जा रही है।

विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा खंडेलवाल महिला मंडल संपूर्ण कार्यकारिणी पहचान एग्जिबिशन को सफल बनाने में दिन रात तैयारी में जूटी हुई है उपरोक्त जानकारी खंडेलवाल महिला मंडल प्रचार प्रमुख प्रतिभा खंडेलवाल ने दी ।

प्रथम सोमवार को धूमधाम से निकली बाबा महाकाल की पालकी यात्रा

- भगवान श्री चंद्रमौलेश्वर महाकाल को भव्य पालकी यात्रा में भक्तों का उमड़ा सैलाब
- सांसद, पर्यटन मंत्री, जिला भाजपाध्यक्ष व गणमान्य नागरिकों ने पालकी के किये दर्शन

राजनांदगांव (दावा)। संस्कारधानी नगरी की परंपरा बन चुकी बाबा महाकाल पालकी यात्रा में आज भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। उज्जैन की तर्ज पर शहर के नंदई चौक से श्री चंद्रमौलेश्वर बाबा महाकाल की पूजा अर्चना उपरांत धूमधाम से नगर भ्रमण के लिए निकली। भव्य पालकी यात्रा में राउत नृत्य, सुवा नृत्य, डंडा नृत्य, आदिवासी नृत्य सहित अजीब वेशभूषा धारण किए अघोरियों का नृत्य आकर्षण का केंद्र रहा। नंदई कुंआ चौक से होकर बसंतपुर थाना होते हुए इंदिरा नगर दुर्गा चौक पहुंचने पर पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा के निवास स्थान महाराजा चौक में बाबा महाकाल की पालकी के पहुंचने पर जिले के सांसद संतोष पाण्डे ने बाबा महाकाल की पूजा अर्चना की।

इस दौरान पर्यटन मंडल अध्यक्ष श्री शर्मा, जिला भाजपाध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत, पार्षद राजा माखीजा, लायन्स क्लब अध्यक्ष अमित खंडेलवाल, संजय तेजवानी, दीपक चौहान, अशोक देवांगन, राजू वर्मा आदि द्वारा भगवान महाकाल की आरती उतार कर पालकी यात्रियों का भव्य सम्मान किया गया। इस दौरान वार्ड पार्षद सुश्री मणि भास्कर गुप्ता ने महाराजा चौक में स्टाल लगाकर महाकाल पालकी यात्रियों की भव्य सेवा -सत्कार की।

आकर्षक नृत्यों में लोगों का मनमोहा

बता दें कि शहर भ्रमण के लिए निकले बाबा महाकाल पालकी यात्रा की अगुवानी महाकाल सेना के पवन डागा, नीलू शर्मा, कोमलसिंह राजपूत राजू डागा आदि कर रहे थे। इस दौरान जहां भी सामने मंदिर देवालय आने पर बाबा महाकाल की पालकी वहां पर ठहरी व देवी-देवताओं की पूजा अर्चना के बाद झांझ-मंजीरों की झनकार के बीच पालकी यात्रा आगे बढ़ी। बाबा महाकाल की इस दिव्य और भव्य पालकी यात्रा में जहां भजन गायकों के भजन-कीर्तन की धूम रही, जिसमें भक्तजन झूमते नाचते रहे। वहीं महिलाओं की झांझ वादन के साथ जसगीत आदि गान के साथ बड़ी संख्या में महिलाएं और युवतियां झूमती नाचती रही। इस दौरान अर्जुंदा से आई सुआ नृत्य टीम ने अपनी आकर्षक प्रस्तुति से लोगों का मनमोहा। इसी तरह बाली अखाड़े के पहलवानों के लाठी संचालन व अन्य करतब लोगों को सम्मोहित करते रहे। इस दौरान राउत नाचा की टीम ने बाजे- गाजे के साथ अपनी आकर्षक नृत्यों की प्रस्तुति देते हुए लोगों को भी नाचने व झूमने बाध्य किया।

पालकी यात्रा का जगह-जगह हुआ स्वागत

शहर में सावन मास के प्रथम सोमवार को महाकाल सेना द्वारा निकाली गई बाबा महाकाल की भव्य पालकी यात्रा का नगर में जगह-जगह पूजा अर्चना के साथ पालकी शोभायात्रियों का शीतल पेय, चाय काफी सहित मिष्ठान व फल-फूल आदि से स्वागत-सत्कार किया गया। शहर के व्यस्ततम गांधी चौक में भगवान जगन्नाथ मंदिर में पूजा अर्चना कर मानव मंदिर चौक समीप पालकी यात्रा के पहुंचने पर महाकाल भक्तों ने रास्ते भर जगह-जगह स्टाल लगाकर भव्य सेवा-सत्कार किया गया। महिलाओं और युवतियों द्वारा पालकी में विराजमान भगवान श्री चंद्रमौलेश्वर महाकाल की पूरे भक्ति-भाव से पूजा-अर्चना की और अपने घर परिवार की सुख शांति सहित सबकी खुशहाली की दुआएं मांगी। इस दौरान महाकाल भक्त दामू भूतड़ा, मनीष खंडेलवाल, ओम बाबा, अनूप श्रीवास सहित बड़ी संख्या में बाबा भक्त महिलाएं युवक-युवतियां व आबाल-वृद्धजन उपस्थित थे।

राजनांदगांव का पुराना जिला अस्पताल जर्जर, कर्मचारियों पर मंडरा रहा खतरा

राजनांदगांव (दावा)। शहर के गुरुद्वारा चौक के पास स्थित पुराना जिला चिकित्सालय अब पूरी तरह से जर्जर हालत में पहुंच गया है, जिससे यहां कार्यरत कर्मचारियों की जान को खतरा पैदा हो गया है। भवन की छत से लगातार प्लास्टर गिर रहा है और सरिये बाहर दिखाई देने लगे हैं। दीवारों की पपड़ियां उखड़ रही हैं और छत व दीवारों में सीपेज के कारण कई जगहों से स्लैब भी गिरने लगे हैं।

इस खतरनाक स्थिति को देखते हुए यहां संचालित नर्सिंग ट्रेनिंग सेंटर को अस्थायी रूप से दूसरी जगह शिफ्ट करना पड़ा है। सूत्रों के अनुसार लगभग 55-60 साल पुराने इस अस्पताल भवन को नए सिरे से बनाने की योजना है। जिसकी स्वीकृति भी मिल चुकी है। इसका डिस्मेंटल (विध्वंस) किया जाना है, लेकिन यह कार्य किसी कारणवश रुका हुआ है। बारिश के दिनों में इस पुराने अस्पताल की जर्जर हालत और भी खतरनाक नजर आ रही है और किसी भी पल कोई बड़ी दुर्घटना होने की आशंका बनी हुई है।

गौरतलब है कि इस पुराने अस्पताल भवन में जिला स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी का कार्यालय संचालित था। जिसे कुछ ही दिन पहले बसंतपुर स्थित जिला चिकित्सालय परिसर में डॉक्टरों की कॉलोनी में शिफ्ट कर दिया गया है। इसके बावजूद अभी भी कुछ कार्यालय यहीं संचालित हो रहे हैं। जहां कर्मचारियों की उपस्थिति बनी रहती है। छतों से प्लास्टर गिरने और दीवारों में सीपेज के कारण करंट फैलने का खतरा भी बना हुआ है। जिससे कर्मचारियों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। बारिश के मौजूदा मौसम में इस जर्जर हो चुके पुराने जिला अस्पताल भवन के किसी भी पल ढह जाने और लोगों को अपनी चपेट में लेने से गंभीर दुर्घटना होने की आशंका है। जिस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है।

जिला पंचायत सीईओ ने पशु चिकित्सालय का किया निरीक्षण

राजनांदगांव (दावा)। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री सुरूचि सिंह ने शासकीय पशु चिकित्सालय राजनांदगांव का निरीक्षण किया। सीईओ जिला पंचायत ने पशु स्वास्थ्य एवं उपचार के संबंध में उप संचालक पशु चिकित्सा सेवायें राजनांदगांव एवं चिकित्सालय में पदस्थ सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से विस्तृत चर्चा की। चिकित्सालय परिसर में पशुओं के शल्यक्रिया के लिए पर्याप्त सुविधा प्रदाय करने निर्देशित किया गया। चिकित्सालय में पदस्थ समस्त स्टाफ को समय पर पशु चिकित्सालय में नियमित रूप से उपस्थित रहकर पशुओं के समुचित तरीके से उपचार करने कहा। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवायें को पशु चिकित्सालय परिसर में बने शल्यक्रिया कक्ष को चिकित्सकों की सुविधा अनुसार सुधार करने के लिए निर्देशित किया गया।

छुरिया बीआरसी पर मनमानी का आरोप : कलेक्टर के आदेश की अवहेलना कर 43 संकुलों का भेजा गलत प्रस्ताव

छुरिया (दावा)। राजनांदगांव जिले के छुरिया विकासखंड स्रोत समन्वयक (बीआरसी) पर कलेक्टर के आदेश की गलत व्याख्या कर मनमानी करने का गंभीर आरोप लगा है। बताया जा रहा है कि बीआरसी ने संकुल समन्वयक के पदों के लिए समस्त 43 संकुलों से प्रस्ताव भेजने का आदेश जारी कर दिया है, जबकि कलेक्टर एवं जिला मिशन संचालक समग्र शिक्षा, राजनांदगांव द्वारा केवल रिक्त संकुलों से ही प्रस्ताव मंगवाने का निर्देश दिया गया था।

मौखिक निर्देश पर जारी किया गलत आदेश?

बीआरसी कार्यालय द्वारा जारी आदेश क्रमांक/364/एसएस/ संकुल/ 2025 दिनांक 10 जुलाई 2025 के अनुसार छुरिया के सभी 43 संकुलों से संकुल शैक्षिक समन्वयक के पद हेतु प्रस्ताव मांगे गए हैं। हालांकि जब इस संबंध में बीआरसी अधिकारी से जानकारी ली गई, तो उन्होंने बताया कि उन्होंने राजनांदगांव के उच्च अधिकारी से व्हाट्सएप पर मिले मौखिक निर्देश के अनुसार यह आदेश जारी किया है। यह बात समझ से परे है कि शासकीय कार्य लिखित आदेशों के आधार पर किए जाते हैं, न कि मौखिक या व्हाट्सएप निर्देशों पर। सूत्रों के अनुसार छुरिया संकुल में लगभग 16 से 20 संकुल ही रिक्त हैं, फिर भी पूरे 43 संकुलों के लिए प्रस्ताव मांगे गए हैं।

आदेश जारी करने में भी देरी का आरोप

एक और चौंकाने वाला पहलू यह है कि कलेक्टर एवं जिला मिशन संचालक समग्र शिक्षा राजनांदगांव से ज्ञापन दिनांक 20 जून 2025 को जारी हुआ था, लेकिन बीआरसी छुरिया द्वारा यह आदेश 10 जुलाई 2025 को जारी किया गया। करीब 20 दिनों तक जिला मुख्यालय से आया आदेश बीआरसी कार्यालय में क्या कर रहा था। इस पर कोई ठोस और संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया है।

अन्य विकासखंडों में पालन, छुरिया में अवहेलना

सूत्रों से यह बात भी सामने आई है कि जिले के अन्य विकासखंडों ने कलेक्टर के आदेश का अक्षरशः पालन करते हुए केवल रिक्त संकुलों और निम्न योग्यता वाले संकुलों की ही जानकारी दी है, लेकिन सिर्फ छुरिया में आदेश की अवहेलना कर बीआरसी द्वारा निम्न योग्यता वाले शिक्षकों के साथ गलत आदेश जारी कर जानकारी भेजी गई है। इस मामले ने बीआरसी छुरिया की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देखना होगा कि जिला प्रशासन इस पूरे प्रकरण की जांच कर क्या कार्रवाई करता है।

फ्लाई ओवर के नीचे अतिक्रमण पर निगम और यातायात की कार्रवाई जारी

राजनांदगांव (दावा)। जी.ई. रोड फ्लाई ओवर के नीचे के क्षेत्र को साफ-सुथरा और व्यवस्थित रखने के साथ ही सुव्यवस्थित पार्किंग व अन्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए नगर निगम और यातायात विभाग की टीम द्वारा सुनियोजित अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत शनिवार को फ्लाई ओवर के नीचे पुराना बस स्टैंड चौक से भगत सिंह चौक तक अतिक्रमण हटाया गया था और आज भगत सिंह चौक से गुरुद्वारा चौक तक ठेले और गुमटियां हटाई गई। खड़े वाहनों को हटाने के लिए उनके मालिकों को समझाइश भी दी गई।

शहर को व्यवस्थित करने का अभियान

उल्लेखनीय है कि प्रशासन द्वारा शहर के बाजार क्षेत्रों को व्यवस्थित करने और सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के लिए यह अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा और एसडीएम खेमलाल वर्मा स्वयं अतिक्रमण दस्ते के साथ जाकर लोगों को अपना सामान दुकान के अंदर रखने और अतिक्रमण हटाने के लिए समझाइश दे रहे हैं। इसी कड़ी में फ्लाई ओवर के नीचे भी अतिक्रमण मुक्त करने की कार्रवाई की जा रही है। बेतरतीब खड़े वाहनों और अव्यवस्थित ढंग से लगे ठेले-खोमचे के कारण फ्लाई ओवर के नीचे साफ-सफाई नहीं हो पा रही थी और वहां गंदगी व्याप्त हो गई थी। इसी को ध्यान में रखते हुए यातायात विभाग के साथ मिलकर फ्लाई ओवर के नीचे के क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त करने का अभियान चलाया जा रहा है।

आज की कार्रवाई और भविष्य की योजना

आज की कार्रवाई के दौरान भगत सिंह चौक से गुरुद्वारा चौक तक ठेले-खोमचे हटाए गए। कुछ वाहनों को हटाया गया और उनके मालिकों को अपने वाहन हटाने की समझाइश दी गई। कुछ ठेला-खोमचा वालों ने स्वयं हटाने का अनुरोध किया। जिस पर उन्हें आज ही हटाने को कहा गया। आज की कार्रवाई के संबंध में निगम आयुक्त और एसडीएम श्री वर्मा ने बताया कि पार्किंग और अन्य सुविधा देने के साथ ही क्षेत्र को साफ-सुथरा और व्यवस्थित रखने के लिए फ्लाई ओवर के नीचे से अतिक्रमण हटाया जा रहा है। निगम और यातायात की टीम द्वारा सुनियोजित अभियान चलाकर गुरुद्वारा चौक तक ठेले-खोमचे हटाकर अतिक्रमण मुक्त करने की कार्रवाई की गई है और शेष क्षेत्रों से भी अतिक्रमण हटाया जाएगा, ताकि फ्लाई ओवर के नीचे का पूरा क्षेत्र साफ-सुथरा और व्यवस्थित हो सके। उन्होंने लोगों से स्वयं अपने वाहन और ठेले-खोमचे हटाकर फ्लाई ओवर को व्यवस्थित करने में सहयोग करने की अपील की है।

'पहले पुराना मुआवजा दो, फिर विकास करना' - निखिल द्विवेदी का भाजपा सरकार पर आरोप

राजनांदगांव (दावा)। लखोली की जनता के साथ आज कलेक्टर को ज्ञापन सौंपने पहुंचे निखिल द्विवेदी ने कहा कि लखोली में सन 2012 2013 में विकास के नाम पर चौड़ीकरण तो कर दिया गया। मगर बहुत से परिवारों को उसका मुआवजा आज तक नहीं दिया गया है। गरीब परिवार अपनी जमीन गहना बेंच कर घर का निर्माण करवाया था किंतु फिर उसे तोड़ने के लिए नाप जोक निगम पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों द्वारा शुरू कर दिया गया है, जबकि पुराना मुआवजा ही नहीं दिया गया है।

लखोली-कन्हारपुरी सड़क चौड़ीकरण का विरोध

द्विवेदी ने कहा कि भाजपा की ट्रिपल इंजन की सरकार में गरीबों के घर व व्यवसाय उजाड़ने का काम हो रहा है भाजपा नेताओं और सरकार में हिम्मत है तो अवैध कालोनियों को उजाड़ कर दिखाए गरीबों के घर व्यवसाय उजाड़ कर क्या मिलेगा।

लखोली वार्ड की सुरेखा सोनकर ने कहा कि मेरा एक बेटा है पति भी नहीं है निजी जमीन पर बने घर को 2012 में विकास चौड़ीकरण के नाम पर जबरदस्ती तोड़ दिया गया था किंतु आज तक एक रुपया मुआवजा नहीं दिया गया अपना गहना बेच कर अपना मकान निर्माण करवाया उसमें एक छोटी सी दुकान संचालित कर अपने परिवार का भरण। पोषण कर रही हु फिर अधिकारी आकर फिर से नाप जोक शुरू कर दिए है जिससे मेरा पूरा घर ही टूट जाएगा हम रहेंगे कहा। वहीं मालती सोनकर व अन्य महिलाओं ने भी यही बात की हमारे परिवार का गुजर बसर मुश्किल से होता है घर तोड़ देंगे तो हम कैसे जीवन यापन करेंगे।

जिलाधीश सर्वेश्वर भूरे ने कहा कि मेरे संज्ञान में नहीं है न ही कोई राशि अभी तक जारी हुई है यदि कोई ऐसी योजना आती भी हैं तो सभी पीड़ित परिवारों को मुआवजा राशि भी जारी की जाएगी और उनके साथ न्याय होगा।

इस कार्यक्रम में मुख्यरूप से कांग्रेस पार्षद प्रत्याशी गोपी रजक, पूर्व पार्षद मनीष साहू, पूर्व पार्षद महेश साहू, पूर्व पार्षद प्रतिनिधि दीनू साहू, शुभम शुक्ला, हर्ष साहू, मोहित कोचर मालती सोनकर, सुरेखा सोनकर नीलू सोनकर, चुन्नीलाल सोनकर, पूर्णिमा सोनकर, संजय सोनी, लक्की सोनकर, दुर्गा साहू, नितेश आहूजा, ललित अग्रवाल, काशी शर्मा संजय जैन प्रवीण बघेल, सौरभ सोनी और बड़ी संख्या में लखोली के वार्ड वासी उपस्थित थे। यह जानकारी प्रवक्ता शुभम शुक्ला ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी।

मधुसूदन यादव ने किया जलाभिषेक

राजनांदगांव (दावा)। श्रावण मास के पहले सोमवार को महापौर मधुसूदन यादव ने भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना कर शिवलिंग में जलाभिषेक किया।

बगैर जानकारी के शिक्षिका को छुरिया ब्लॉक भेजा, 92 विद्यार्थियों पर मात्र दो शिक्षक

डोंगरगांव (दावा)। स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारी एक बार फिर अपने ही नियमों की धज्जियां उड़ाते नजर आ रहे हैं। डोंगरगांव ब्लॉक के धौराभांठा प्राथमिक शाला का मामला सामने आया है। जहां 92 विद्यार्थियों को पढ़ाने के लिए अब मात्र दो शिक्षक ही बचे हैं। विभागीय अधिकारियों ने बगैर कोई जानकारी लिए मनमाने ढंग से एक शिक्षिका को छुरिया ब्लॉक के उमरवाही स्थित प्री-मैट्रिक आदिवासी कन्या छात्रावास में अधीक्षिका के रिक्त पद पर स्थानांतरित कर दिया है।

यह मामला ऐसे समय में सामने आया है जब डोंगरगांव ब्लॉक के स्कूलों में युक्तियुक्तकरण के तहत शिक्षकों की संख्या बच्चों की दर्ज संख्या के आधार पर पहले ही कम कर दी गई है। ब्लॉक के केसला स्कूल का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ था कि धौराभांठा की शिक्षिका के स्थानांतरण ने नई परेशानी खड़ी कर दी है।

क्या है पूरा मामला?

धौराभांठा प्राथमिक शाला में पहले चार शिक्षक पदस्थ थे, लेकिन दो शिक्षकों के स्थानांतरण के बाद यहाँ सिर्फ दो शिक्षक बचे थे। इसके बाद, युक्तियुक्तकरण नियम लागू होने पर चितरेखा करवार नामक सहायक शिक्षिका को धौराभांठा प्राथमिक शाला में नियुक्त किया गया था। हालांकि उनकी नियुक्ति के महज पंद्रह दिनों के भीतर ही जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) द्वारा उनकी सहमति लेकर उन्हें प्री-मैट्रिक आदिवासी कन्या छात्रावास उमरवाही के लिए स्थानांतरित करने का पत्र जारी कर दिया गया।

मामला डोंगरगांव ब्लॉक के धौराभांठा स्कूल का

डीईओ कार्यालय के पत्र के आधार पर आनन-फानन में बीईओ कार्यालय डोंगरगांव से भी उक्त शिक्षिका को कार्यमुक्त करने के लिए धौराभांठा प्राथमिक शाला के प्रधान पाठक को पत्र जारी कर दिया गया। जिसके बाद संबंधित शाला से शिक्षिका को कार्यमुक्त कर दिया गया। हालांकि बीईओ कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार शाला से कार्यमुक्त होने के बाद यह शिक्षिका अभी तक बीईओ कार्यालय में नहीं पहुंची है।

बीईओ ने जताई अनभिज्ञता, ग्रामीणों में आक्रोश

बीईओ आर.एल. पात्रे ने बताया कि इस स्थानांतरण के संबंध में उच्च कार्यालय द्वारा उनके कार्यालय से कोई भी जानकारी नहीं ली गई थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि धौराभांठा प्राथमिक शाला में दर्ज संख्या 92 है, जिसके अनुसार यहां तीन शिक्षकों की आवश्यकता है। पूरे ब्लॉक में किसी भी शाला में शिक्षकों की संख्या अतिशेष नहीं है, बल्कि कुछ स्कूलों में शिक्षक कम ही हैं। पात्रे ने कहा कि वे पहले वस्तुस्थिति का आकलन करेंगे। उसके बाद ही इस शिक्षिका को कार्यमुक्त करने पर विचार करेंगे।

ग्रामीण और शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सुनील कुमार देशलहरे इस निर्णय से अत्यधिक आक्रोशित हैं। उनका कहना है कि शहर के निजी स्कूलों की दूरी और अन्य परेशानियों के कारण ग्रामीण अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में पढ़ाते हैं। जहां शिक्षकों की कमी एक बड़ी समस्या है। उन्होंने कहा कि पहले ही प्राथमिक शाला में शिक्षकों की कमी थी और पांच कक्षाओं में पढ़ने वाले बच्चों को पढ़ाने के लिए महज दो शिक्षक थे। जैसे-तैसे एक शिक्षिका यहां आई थी। जिससे बच्चों की पढ़ाई में सुधार की उम्मीद बंधी थी, लेकिन विभाग द्वारा उसे फिर से अन्यत्र भेजना न्यायोचित नहीं है।

ग्रामीणों और शाला प्रबंधन समिति ने मांग की है कि विभाग शीघ्र ही प्राथमिक शाला में एक शिक्षक की व्यवस्था करे। अन्यथा वे उग्र कदम उठाने को मजबूर होंगे। उनका कहना है कि छुरिया ब्लॉक के छात्रावास के लिए छुरिया क्षेत्र से ही शिक्षक लिया जाना चाहिए था या डोंगरगांव ब्लॉक से अतिशेष शिक्षकों की जानकारी लेकर यह व्यवस्था की जानी चाहिए थी, लेकिन जिले में पदस्थ अधिकारी सीधे आदेश निकालकर डोंगरगांव ब्लॉक की शैक्षणिक व्यवस्था को बिगाड़ रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक दीपक कुमार बुद्धदेव द्वारा स्वस्तिक ऑफसेट एण्ड स्क्रीन प्रिंटर्स, बल्देवबाग रोड, राजनांदगांव से मुद्रित कर प्रकाशित। सम्पादक दीपक कुमार बुद्धदेव।
* समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। * किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र राजनांदगांव रहेगा। फोन नं. - 07744-406631 e-mail : dainikdawa_rjn@yahoo.com